You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❑ वर्ष-14 ❑ अंक-335 ❑ शुक्रवार, 09 जनवरी 2026 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

वास्तविक विकास प्रतिस्पर्धा से नहीं, आत्म-सुधार से होता है। यदि आप दूसरों से प्रतिस्पर्धा करेंगे, तो जिस दिन आप उनसे आगे निकल जाएंगे, उस दिन आपकी प्रगति रुक जाएगी। अपने आप से प्रतिस्पर्धा करें। आज से बेहतर बनने का प्रयास करें। ए. पी. सिंह

मोदी 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में 11 जनवरी को होंगे शामिल 11

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र एक दिन के लिए बढ़ाया गया 12

संक्षेप

यूपी में 4 आईएएस अफसरों का तबादला

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने गुरुवार को चार आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। प्रतीक्षारत चल रहे प्रशांत कुमार को राज्य सूचना आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है। महानिदेशक पर्यटन राजेश कुमार द्वितीय को राज्य मानवाधिकार आयोग का सचिव बनाया गया है, जबकि राज्य सूचना आयोग में तैनात डॉ. वेदपति मिश्रा को महानिदेशक पर्यटन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
इसके अलावा प्रांजल यादव से हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार हटाया गया है। वे सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के सचिव बने रहेंगे।

वन रक्षक शारीरिक परीक्षा के लिए 5111 पाए गए पात्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने वन रक्षक एवं वन्य जीव रक्षक के 709 पदों पर भर्ती की आयोजित होने वाली शारीरिक परीक्षा के लिए 5111 अभ्यर्थियों को पात्र पाया है। आयोग के सचिव अवनीश सक्सेना की ओर से गुरुवार को इस संबंध में सूचना जारी की गई। इनमें दिव्यांगजन श्रेणी में आवेदन करने वाले दो अभ्यर्थियों को शर्तों के साथ शामिल किया गया है। चिकित्सा परीक्षा करने वाली टीम की रिपोर्ट पर इनके अंतिम चयन पर विचार किया जाएगा।
शारीरिक दक्षता परीक्षा फरवरी या मार्च में आयोजित कराने की तैयारी है।
आयोग की वेबसाइट https://upsssc.gov.in पर पूरी जानकारी अपलोड कर दी गई है।

माघ मेले में पर्यटक सुविधा के लिए चार सूचना केन्द्र स्थापित

लखनऊ। प्रयागराज में माघ मेले में जाने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटन एवं संस्कृति विभाग ने भी व्यापक इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वहां चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित किए गए हैं। तीन जनवरी से आरंभ हुए माघ मेले में अब तक इन सूचना केंद्रों के माध्यम से करीब 20 लाख श्रद्धालु व पर्यटक लाभांवित हो चुके हैं। इस साल माघ मेले में 12 से 15 करोड़ के बीच श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है। अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्रों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रयागराज के प्रमुख पर्यटन स्थलों से संबंधित जानकारी वाली पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही गाइड बुक, प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड की सूची और शहर भ्रमण से जुड़ी आवश्यक जानकारियां भी उपलब्ध हैं। जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और संतुष्टि सरकार की उच्च प्राथमिकता है। इसी सोच के तहत पर्यटन सूचना केंद्रों पर पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस, धर्मशाला और अन्य ठहरने के विकल्पों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है।

ममता-ईडी में फिर तनातनी

आई-पैक पर छापेमारी, ईडी का आरोप-ममता बनर्जी सबूत ले गईं

एजेंसी

❑ ईडी ने खटखटाया हाई कोर्ट का दरवाज़ा, बंगाल में सियासी भूचाल

❑ ममता ने छापेमारी में डाली बाधा, सबूत किये जब्तः ईडी

❑ प्रतीक जैन के घर ईडी के छापेमारी के बीच पहुंची ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में गुरुवार को उस समय जबरदस्त भूचाल आ गया, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसी की छापेमारी के दौरान अहम दस्तावेज़ और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य अपने साथ ले लिए। इस गंभीर आरोप के साथ ही ईडी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया है। अब यह मामला केवल सियासी आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहा, बल्कि न्यायिक जांच के केंद्र में आ गया है।

यह पूरा घटनाक्रम कोयला तस्करी से जुड़े धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में राजनीतिक परामर्श संस्था इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) और उसके निदेशक प्रतीक जैन के ठिकानों पर हुई छापेमारी के बाद सामने आया है।

गुरुवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने कोलकाता में आई-पैक के साल्टलेक स्थित कार्यालय और निदेशक प्रतीक जैन के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास पर तलाशी अभियान शुरू किया। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में छह और दिल्ली में चार अन्य ठिकानों पर भी एक साथ छापेमारी की गई। ईडी के अनुसार, शुरुआती दौर में तलाशी अभियान शांतिपूर्ण और पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहा था। लेकिन हालात उस वक्त बदल गए, जब पहले कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और कुछ ही देर बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं वहां पहुंच गईं।

प्रवर्तन निदेशालय ने उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका में आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रतीक जैन के आवास के भीतर गईं और वहां से महत्वपूर्ण काग़ज़ात, फाइलें, हार्ड डिस्क, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने साथ ले गईं।

ईडी का दावा है कि इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला आई-पैक के कार्यालय पहुंचा, जहां से भी कथित तौर पर दस्तावेज़ और डिजिटल साक्ष्य हटाए गए। एजेंसी का कहना है कि इससे चल रही जांच में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई और साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की आशंका पैदा हुई। मामले की सुनवाई शुक्रवार को न्यायमूर्ति सुव्रा घोष करेंगी। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, यह तलाशी अभियान अनूप माझी उर्फ लाला के नेतृत्व वाले कोयला तस्करी गिरोह से जुड़े धन शोधन मामले में किया गया है। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के लीज क्षेत्र से अवैध रूप से कोयला निकालता था। इस कोयले को पश्चिम बंगाल के बांकुरा, बर्धमान, पुरुलिया समेत कई जिलों की फैक्ट्रियों और औद्योगिक इकाइयों में बेचा जाता था। तस्करी से प्राप्त धन को हवाला नेटवर्क के माध्यम से इधर-उधर किया गया। ईडी का दावा है कि कोयला तस्करी से कमाए गए धन को ठिकाने लगाने में शामिल एक हवाला संचालक ने इंडियन पैक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) को करोड़ों रुपये के लेनदेन में सहायता की।

हालांकि एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई किसी राजनीतिक दल को निशाना बनाने के लिए नहीं, बल्कि साक्ष्य-आधारित धन शोधन जांच का हिस्सा है। बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री के कदम को अनैतिक, असंवैधानिक और केंद्रीय एजेंसी की जांच में सीधा हस्तक्षेप बताया। उन्होंने मांग की कि प्रवर्तन निदेशालय को मुख्यमंत्री की भूमिका की भी जांच करनी चाहिए। भाजपा नेताओं ने यह भी याद दिलाया कि पूर्व में भी केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के दौरान राज्य सरकार पर हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं। प्रतीक जैन आई-पैक के सह-संस्थापक और निदेशक हैं। वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे से शिक्षित इंजीनियर हैं और तृणमूल कांग्रेस के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख भी हैं। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत में उनकी रणनीतिक भूमिका मानी जाती है। ईडी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच टकराव अब उच्च न्यायालय तक पहुंच चुका है। अदालत की सुनवाई से यह तय होगा कि यह मामला कानून के दायरे में जांच में बाधा का है या फिर राजनीतिक टकराव का नया अध्याय। फिलहाल इतना तय है कि बंगाल की सियासत में यह लड़ाई अब सड़क से निकलकर अदालत तक पहुंच चुकी है।

पार्टी के गोपनीय दस्तावेज थे : ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि केंद्रीय एजेंसी तृणमूल कांग्रेस की आंतरिक चुनावी रणनीति और गोपनीय दस्तावेज़ जब्त करने की कोशिश कर रही थी। ममता बनर्जी ने मीडिया से कहा,यह राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई है। मेरे आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी के घर और कार्यालय में पार्टी के संवेदनशील दस्तावेज रखे थे, जिनका किसी भी आपराधिक मामले से कोई संबंध नहीं है। मैंने केवल अपनी पार्टी की रणनीति और उम्मीदवारों से जुड़े दस्तावेज़ सुरक्षित किए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि यह कार्रवाई असंवैधानिक और लोकतंत्र के खिलाफ है।

स्टार्टअप और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह निर्माता : मोदी

एजेंसी

❑ भारतीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्टार्टअप वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ें

❑ प्रधानमंत्री मोदी ने एआई उद्यमियों से किया आह्वान

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप के प्रतिनिधियों के साथ गोलमेज बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि वे भारत के भविष्य के सह निर्माता हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि यह बैठक श्री मोदी के आवास पर हुई। बैठक में अगले महीने देश में होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पूर्व 'एआई फॉर ऑलः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज' के लिए चयनित 12 भारतीय एआई स्टार्टअप ने भाग लिया तथा अपने विचारों के साथ प्रस्तुति दी। ये स्टार्टअप कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भाषा फाउंडेशन मॉडल, बहुभाषी एलएलएम, स्पीच-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-ऑडियो और टेक्स्ट-टू-वीडियो, ई-कॉमर्स, मार्केटिंग और वैयक्तिकृत सामग्री निर्माण के लिए जनरेटिव एआई का उपयोग करके 3डी सामग्री, इंजीनियरिंग सिमुलेशन, सामग्री अनुसंधान और विभिन्न उद्योगों में डेटा-संचालित निर्णय लेने के लिए उन्नत एनालिटिक्स, स्वास्थ्य देखभाल निदान और चिकित्सा अनुसंधान आदि शामिल हैं।

एआई स्टार्टअप ने भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने की मजबूत प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने एआई क्षेत्र की तीव्र वृद्धि और अपार भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एआई नवाचार का केंद्र अब भारत की ओर स्थानांतरित हो रहा है। स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने कहा कि भारत में अब एआई विकास के लिए मजबूत और अनुकूल माहौल है जिससे देश वैश्विक एआई मानचित्र पर मजबूती से स्थापित हो गया है। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने समाज में परिवर्तन लाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत अगले महीने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करेगा, जिसके माध्यम से देश प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाकर परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि स्टार्टअप और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं और देश में नवाचार तथा बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, दोनों की अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया के सामने एक ऐसा अनूठा एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए, जो 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' ● शेष पेज 11 पर

यूपी में प्रचंड सर्दी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

❑ गलन-ठिठुरन से जनजीवन ठप, 32 जिलों में शीत दिवस की चेतावनी

❑ सुबह-सुबह सन्नाटा, ठंड से कांप रहा प्रदेश, 12 जनवरी से बदलेगा मौसम का मिजाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इन दिनों प्रचंड सर्दी, गलन और घने कोहरे की चपेट में है। कड़ाके की ठंड ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सुबह के वक्त सड़कें सूनी नजर आ रही हैं और केवल कार्यालय जाने वाले लोग ही मजबूरी में घरों से निकलते दिख रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में हालात और ज्यादा खराब हैं, जहां लोग अलाव के सहारे ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं।

मौसम विभाग ने राज्य के 32 जिलों के लिए शीत दिवस (कोल्ड डे) जैसे हालात की चेतावनी जारी की है। वहीं कई जिलों में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, फिलहाल ठंड से राहत की उम्मीद कम है, हालांकि 9 से 11 जनवरी के बीच कुछ हद तक राहत मिल सकती है।

प्रदेश के शहरों से लेकर गांवों तक ठिठुरन का असर साफ नजर आ रहा है। गलन इतनी तेज है कि धूप निकलने के बावजूद ठंड का असर कम नहीं हो पा रहा। बीते दो दिनों में दोपहर के समय निकली कमजोर धूप से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन ठंडी हवाओं ने लोगों की परेशानी बनाए रखी। गुरुवार को अयोध्या और आजमगढ़ प्रदेश में सबसे ठंडे जिले रहे, जहां न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड के कारण बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ मौसम ● शेष पेज 11 पर

प्रदेश की पहचान और सामर्थ्य का वैश्विक मंच बनेगा यूपी दिवस : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्थापना की स्मृति में आयोजित होने वाला उत्तर प्रदेश दिवस-2026 इस वर्ष और अधिक व्यापक, भव्य एवं वैश्विक स्वरूप में मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि 24 से 26 जनवरी तक प्रस्तावित तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत राजधानी लखनऊ में मुख्य आयोजन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों, देश के सभी राजभवनों तथा विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में भी यूपी दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। गुरुवार को तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के नागरिक आज देश-दुनिया के अनेक हिस्सों में अपनी पहचान बना चुके हैं। यूपी दिवस ऐसा अवसर बने, जो प्रवासी उत्तर प्रदेशवासियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े। इसके लिए सभी राजभवनों में संवाद स्थापित कर आयोजन सुनिश्चित किए जाएं। इन आयोजनों में प्रदेश सरकार के मंत्री उपस्थित रहकर प्रवासी यूपीवासियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री ने विदेशों में भारतीय दूतावासों के माध्यम से भी यूपी दिवस आयोजन के लिए संवाद बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'यूपी दिवस' केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक चेतना, आर्थिक शक्ति और विकास यात्रा को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का माध्यम है। आयोजन गरिमामय, सुव्यवस्थित, नवाचारयुक्त और व्यापक जनभागीदारी से युक्त हों। उन्होने जिला, मंडल और राज्य स्तर पर गायन, नृत्य, वादन और नाट्य प्रतियोगिताओं के आयोजन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनपद स्तरीय समारोहों में जिले की विकास यात्रा पर केंद्रित विशेष फ़िल्म भी प्रदर्शित की जाये। यूपी दिवस के अवसर पर 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान', 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान' और 'माटी कला बोर्ड सम्मान' प्रदान किए जाएंगे। उद्यमियों, खिलाड़ियों, महिलाओं, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर प्रदेश की प्रतिभा और परिश्रम को सम्मान दिया जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश ● शेष पेज 11 पर

सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन

लखनऊ/सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दुद्धी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ के संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया।

वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। संस्थान की जनसंपर्क अधिकारी कुसुम यादव के मुताबिक, मल्टी आर्गन फ़ेल्योर के चलते विधायक की मृत्यु हुई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही सोनभद्र सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई है। दुद्धी विधानसभा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित और आदिवासी बहुल क्षेत्र है। विजय सिंह गोंड को आदिवासी राजनीति का 'पितामह' माना जाता था। उन्होंने इस क्षेत्र का सात बार विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया और आदिवासी समाज की समस्याओं को मजबूती से सदन तक पहुंचाया। वर्ष 2024 के उपचुनाव में उन्होंने भाजपा ● शेष पेज 11 पर

अटल स्कूलों के बच्चे अब रोज पढ़ेंगे समाचार पत्र

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों की तर्ज पर अब अटल आवासीय स्कूलों के बच्चे भी नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ेंगे। सभी अटल आवासीय विद्यालयों के पुस्तकालयों में नियमित रूप से प्रतिष्ठित एवं उच्च गुणवत्ता वाले हिंदी व अंग्रेजी समाचार पत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इस संबंध में बीओसीडब्ल्यू बोर्ड के अध्यक्ष व प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डा. एमके शन्मुगा सुंदरम ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिए। सभी अटल विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को जारी आदेश में समाचार पत्रों को बच्चों की दैनिकचर्या में शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम की शिक्षा के अतिरिक्त बच्चों के सामान्य ज्ञान, भाषाई पकड़ और आलोचनात्मक सोच को सशक्त बनाने की जरूरत है।

इसके लिए छात्र-छात्राओं को समाचार पत्रों के नियमित पाठन के लिए प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है। इस संबंध में बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा भी विस्तृत निर्देश दिनांक 23 दिसंबर को जारी किए जा चुके हैं। प्रार्थना के बाद 10 मिनट अखबार के लिए छात्र-छात्राओं को समाचार पत्रों में सामान्य ज्ञान के अतिरिक्त विज्ञान, अर्थव्यवस्था, नवीन विकास तथा खेल से संबंधित विषयों के संबंध में पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही दैनिक एवं साप्ताहिक गतिविधियों के बारे में प्रार्थना सभा के बाद कक्षा में पठन-पाठन प्रारंभ करने के पूर्व 10 मिनट का समय समाचार ● शेष पेज 11 पर

लद्दाख में जंगली कुत्तों से वन्यजीवों पर असर की रिपोर्ट तलब, 9 जनवरी को अगली सुनवाई

पर्यावरणीय खतरे को लेकर सुप्रीम कोर्ट अलर्ट

एजेंसी

बहस

❑ आवारा कुत्तों का मुद्दा बढ़ा, सुप्रीम कोर्ट ने जोड़ा पर्यावरण एंगल

❑ मानव सुरक्षा, पशु कल्याण और पर्यावरण संतुलन पर एकसाथ जोर

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों से खतरे के मामलों पर गुरुवार को अपनी स्वतः संज्ञान सुनवाई जारी रखते हुए लद्दाख में दुर्लभ वन्यजीवों पर जंगली कुत्तों के प्रभाव को उजागर करने के बाद विचार-विमर्श के दायरे में पारिस्थितिकी चिंताओं को शामिल किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारी की पीठ ने पशु कल्याण संगठनों, कुत्ते के हमलों से पीड़ितों, नगर निकायों और अन्य हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं से सार्वजनिक सुरक्षा, पूर्व निर्देशों का अनुपालन एवं पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत दलीलें सुनीं।

उच्चतम न्यायालय ने अधिवक्तओं को 29 दिसंबर की एक समाचार रिपोर्ट का अध्ययन करने का निर्देश दिया, जिसमें लद्दाख में जंगली कुत्तों द्वारा दुर्लभ प्रजातियों का शिकार करने की घटनाओं को उजागर किया गया था। पीठ ने संकेत दिया कि पर्यावरण एवं वन्यजीव संबंधी विचार भी न्यायालय के भविष्य में दिए जाने वाले निर्देशों में सहायक होंगे। मामले की अगली सुनवाई नौ जनवरी को होगी।

एमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल ने न्यायालय को बताया कि बुधवार को सुनवाई के दौरान चिह्नित किए गए शेष चार राज्यों ने रात भर में अपना हलफनामा दाखिल कर दिया है। इसके साथ ही अब तक 16 राज्यों ने अनुपालन हलफनामे दाखिल कर दिया है जबकि सात राज्यों को ऐसा करना बाकी है। उन्होंने अनुपालन का समेकित तालिकीय चार्ट रिकार्ड पर रखने के लिए एक अतिरिक्त दिन का अनुरोध किया। अधिवक्ता सी.यू. सिंह ने कहा कि चार प्रमुख राज्यों ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर औपचारिक रूप से आपत्ति दर्ज की है। उन्होंने कुत्तों को अचानक हटाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए तर्क दिया कि इससे पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ सकता है क्योंकि इससे चूहों की आबादी बढ़ सकती है। न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि बिल्लियों को प्रोत्साहित करने से चूहों को नियंत्रित किया जा सकता है लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय ने कभी ● शेष पेज 11 पर

जस्टिस वर्मा महाभियोग मामला, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के महाभियोग से जुड़े मामले में उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को बड़ा घटनाक्रम दर्ज किया। न्यायालय ने उस रिट याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें न्यायमूर्ति वर्मा ने महाभियोग की जांच के लिए गठित समिति को चुनौती दी है। यह मामला न्यायपालिका, संसद और संवैधानिक प्रक्रियाओं के बीच संतुलन को लेकर बेहद अहम माना जा रहा है।
न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित रूप से बेहिसाब नकदी बरामद होने के बाद उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू की गई थी। इसके तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अंतर्गत एक जांच समिति के गठन की अनुमति दी। इसी फैसले को चुनौती देते हुए न्यायमूर्ति वर्मा ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस याचिका पर विस्तार से सुनवाई की। याचिकाकर्ता का मुख्य तर्क यह है कि महाभियोग प्रस्ताव लोकसभा और राज्यसभा में एक ही दिन, 21 जुलाई को पेश किए गए थे, इसके बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ने राज्यसभा सभापति से अनिवार्य संयुक्त परामर्श किए बिना एकतरफा तरीके से जांच समिति गठित कर दी। याचिका में कहा गया है कि यह कदम न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3(2) का स्पष्ट उल्लंघन है। धारा 3(2) के अनुसार, यदि महाभियोग प्रस्ताव दोनों सदनों में एक ही दिन प्रस्तुत किए जाएं, तो तब तक कोई जांच समिति गठित नहीं की जा सकती, जब तक कि दोनों सदन प्रस्ताव को स्वीकार न कर लें। यदि प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है, तो समिति का गठन लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति संयुक्त रूप से करेंगे। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि राज्यसभा के उप-सभापति ने 11 अगस्त को महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, जिसके बाद 12 अगस्त को लोकसभा अध्यक्ष ने जांच समिति गठित कर दी। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से दलील दी गई कि उप-सभापति को प्रस्ताव खारिज करने का अधिकार ● शेष पेज 11 पर

पर्यटन सुविधाओं के माध्यम से माघ मेले को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और यादगार बना रही है योगी सरकार: पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह

माघ मेला 2026: प्रयागराज के माघ मेले में पर्यटन सूचना केंद्र बने विशेष आकर्षण केंद्र, श्रद्धालुओं कों मिल रही विशेष सुविधा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विजन और मार्गदर्शन में संगम नगरी प्रयागराज में माघ मेला 2026 का शुभारंभ 3 जनवरी से भव्य और दिव्य स्वरूप में हो चुका है। आस्था, सुविधा और सुव्यवस्था के संगम के रूप में विकसित हो रहा यह मेला न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन दृष्टि से भी नई पहचान बना रहा है।

देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योगी सरकार द्वारा व्यापक और प्रभावी व्यवस्थाएं की गई हैं।इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा शहर के प्रमुख स्थलों पर चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। 3 जनवरी से अब तक इन सूचना केंद्रों के माध्यम से करीब 20 लाख से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक लाभान्वित हो चुके हैं। इस वर्ष माघ मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आगमन का अनुमान है, ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार पर्यटकों को सही, सरल और सटीक जानकारी उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्रों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रयागराज के प्रमुख पर्यटन स्थलों से संबंधित जानकारी वाली पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही गाइड बुक, प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड की सूची और शहर भ्रमण से जुड़ी आवश्यक जानकारियां भी उपलब्ध हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

चार प्रमुख स्थानों पर पर्यटन सूचना केंद्र

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में योगी सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और संतुष्टि को केंद्र में रखकर कार्य कर रही है। इसी सोच के तहत पर्यटन सूचना केंद्रों पर पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस, धर्मशाला और अन्य ठहरने के विकल्पों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है।इन केंद्रों पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मेले, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और प्रमुख पर्यटन स्थलों से जुड़े वीडियो दिखाए जा रहे हैं। साथ ही सेक्टर मैप लगाए गए हैं, जिससे श्रद्धालु आसानी से यह जान सकें कि किस सेक्टर में कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं और वहां कैसे पहुंचा जा सकता है।उन्होंने बताया कि ये चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र परेड ग्राउंड, नागवासुकी मंदिर, प्रयागराज छिवकी जंक्शन रेलवे स्टेशन और अरैल घाट के पास स्थापित किए गए हैं। यहां प्रयागराज के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों की पर्यटन पुस्तिकाएं भी उपलब्ध हैं, जिससे पर्यटक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों से भी परिचित हो सकें।

श्रद्धालुओं की सुविधा योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: जयवीर सिंह

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप माघ मेला 2026 को स्वच्छ, सुव्यवस्थित, सुरक्षित और पर्यटक-अनुकूल बनाया गया है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से पर्यटन विभाग द्वारा सूचना, गाइड और आवास से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि हर आगंतुक को सहज, सुरक्षित और यादगार अनुभव प्राप्त हो।प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृति अभिजात ने बताया कि माघ मेला केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन क्षमता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि हर श्रद्धालु को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम अनुभव मिले, जिसके लिए पर्यटन विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।गौरतलब है कि वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित दिव्य, भव्य और स्वच्छ कुंभ को पूरी दुनिया ने सराहा था और यूनेस्को द्वारा इसे 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' के रूप में मान्यता दी गई थी। उसी ऐतिहासिक सफलता की कड़ी में अब माघ मेला 2026 भी योगी सरकार की कुशल व्यवस्थाओं, श्रद्धा और सुव्यवस्था का जीवंत उदाहरण बनता नजर आ रहा है।

अतिक्रमण के विरुद्ध नगर निगम लखनऊ का सघन अभियान, बड़ी मात्रा में सामान जब्त

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने शहर में लगातार बढ़ते अवैध अतिक्रमण और उससे उत्पन्न यातायात अवरोध की समस्या को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को एक सघन और बहुस्तरीय अभियान चलाया। यह कार्रवाई नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार के निर्देश पर की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रमुख सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कर आम नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और निर्बाध यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है।जोनल अधिकारी के नेतृत्व में वार्ड गढ़ी पीर खाँ एवं बालागंज क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान खंजर वाला तकिया कब्रस्तान से लेकर मिश्री बगिया तथा बालागंज चौराहे के चारों ओर अवैध रूप से किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान सड़क और फुटपाथ पर लगाए गए 20 ठेले, 6 गुमटी और 30 अस्थायी दुकानों को हटवाया गया।अभियान के समय अतिक्रमण से संबंधित बड़ी मात्रा में सामान भी जब्त किया गया। इसमें 1 लकड़ी का तखत, 1 लोहे की मेज, 1 प्लास्टिक की मेज, 4 प्लास्टिक कुर्सियां, 3 प्लास्टिक स्टूल, 4 लोहे के एंगल, 1 लोहे का फ्लैक्स बोर्ड, 1 लोहे का पाइप, 7 प्लास्टिक कैरेट और 1 ड्रम सहित अन्य सामग्री शामिल है।

सावित्री–फातिमा की विरासत पर दिशा छात्र संगठन का मार्च, पूर्वांचल में सांस्कृतिक संध्या

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। दिशा छात्र संगठन, नौजवान भारत सभा और स्त्री मुक्ति लीग द्वारा आयोजित 'सावित्रीऽफातिमा स्मृति सप्ताह' के छठे दिन बुधवार को एलनगंज चौराहे से छोटा बघाड़ा पूर्वांचल तक मार्च निकाला गया। मार्च के उपरांत पूर्वांचल क्षेत्र में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया।सभा को संबोधित करते हुए चंद्रप्रकाश ने कहा कि सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख़ ने अपने समय में ब्राह्मणवादी और पितृसत्तात्मक ताकतों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने महिलाओं और दलितों के लिए स्कूल खोलकर शिक्षा के अधिकार की लड़ाई लड़ी। विधवा महिलाओं के मुंडन प्रथा के खिलाफ नाइयों की हड़ताल कराकर सामाजिक कुरीतियों को चुनौती दी।वक्ताओं में शामिल चंचल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख़ का सपना आज भी अधूरा है। वे एक ऐसे समाज की कल्पना करती थीं जहाँ हर बच्चे को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, जाति और धर्म के नाम पर नफरत न हो तथा स्त्रियों पर दमन समाप्त हो। लेकिन आज भी शिक्षा केवल पैसे वालों तक सीमित होती जा रही है और महिलाओं पर हिंसा व उत्पीड़न चरम पर है। ऐसे में सावित्रीऽफातिमा के विचारों के आलोक में समान शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष तेज करने की आवश्यकता है।कार्यक्रम के दौरान ल्लतोड़ जाति की जंजीरेंङ्क और ल्लमहिलाएं अगर उठी नहीं तो जुल्म बढ़ता जाएगाङ्क जैसे नारे लगाए गए। कार्यक्रम में हर्ष, जय, अमन, विधि, साहिना, सोनम सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रयागराज में कड़ाके की ठंड, जनजीवन ठप

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। संगम नगरी प्रयागराज आज कड़ाके की शीतलहर की चपेट में नजर आई। वर्ष 2026 की अब तक की सबसे ठंडी सुबह ने शहर की रफ्तार थाम दी। घना कोहरा और सर्द हवाओं के चलते बाजार पूरी तरह सुनसान रहे, जबकि आम जनजीवन प्रभावित दिखा। लोग ठंड से बचने के लिए घरों में कैद रहे। सड़कों पर आवाजाही बेहद कम रही। माघ मेला क्षेत्र में भी श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई। प्रशासन द्वारा अलाव और रैन बसेरों की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन ठंड का असर साफ तौर पर नजर आ रहा है।

संगम घाट पर नाव चालकों की मनमानी, श्रद्धालुओं से अवैध वसूली का आरोप

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रयागराज के संगम घाट पर एक नाव चालक द्वारा श्रद्धालुओं से मनमानी रकम वसूलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि नाव चालक यात्रियों से तय दर से अधिक पैसा लेकर उन्हें लूट रहा है। नाव चालक का कहना है कि उसे मेला प्रशासन को रिश्वत देनी पड़ती है, इसलिए अधिक पैसा लिया जाता है। पूरे मामले की जानकारी मेला अधिकारी ऋषिराज को दे दी गई है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर आरोप पर क्या कार्रवाई करता है। श्रद्धालुओं में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है।

माघ मेले में अव्यवस्था, शौचालयों की गंदगी से श्रद्धालु नाराज

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। माघ मेले में अव्यवस्थाओं को लेकर श्रद्धालुओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शौचालयों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे तीर्थयात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं का आरोप है कि इस तरह की अव्यवस्थाएं योगी सरकार की छवि को बदनाम कर रही हैं, जबकि अधिकारी मौके पर व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर नहीं दिख रहे। मेला क्षेत्र में साफ-सफाई की कमी से संक्रमण फैलने का भी खतरा बना हुआ है। श्रद्धालुओं ने प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

माघ मेले में साधु–संत भी असुरक्षित, चोरी और ठंड से बचाव की कमी

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। माघ मेले में सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। साधु-संतों का आरोप है कि मेला क्षेत्र में चोर सक्रिय हैं और मोबाइल चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं ठंड से बचाव के लिए लकड़ी और अलाव की समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई है। कड़ाके की ठंड में साधु-संतों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने और ठंड से राहत के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग की है, ताकि माघ मेले की गरिमा बनी रह सके।

वाराणसी में राष्ट्रीय खेल उत्सव, 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य आयोजन

वाराणसी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप उत्साह और खेल भावना के माहौल में संपन्न हो रही है। देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों और खिलाड़ियों की मौजूदगी से स्टेडियम राष्ट्रीय खेल संग्राम का केंद्र बन गया।कार्यक्रम में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रतिभागी खिलाड़ियों और टीमों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विज़न के कारण संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है, जो आज देश के प्रमुख खेल परिसरों में शामिल है।मंत्री शर्मा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास को मजबूती देता है, बल्कि समाज में समभाव और अनुशासन की भावना भी पैदा करता है। जीत और हार को समान रूप से स्वीकार करने की सीख खेल के माध्यम से सहज रूप में मिलती है। उन्होंने कहा कि आज खेल एक उभरती हुई इंडस्ट्री है, जो देश की अर्थव्यवस्था को भी गति दे रही है।कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत को वैश्विक खेल शक्ति बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री के नेतृत्व में साकार हो रहा है। इस दौरान मंत्रियों ने उत्तर प्रदेश की महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।आयोजन में महापौर अशोक तिवारी, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, जनप्रतिनिधि, खेल संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित

दर्जी एवं लोहार ट्रेड के लिये 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गोरा बाज़ार रायबरेली के सभागार में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत दर्जी एवं लोहार ट्रेड हेतु 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, अग्रणी जिला प्रबंधक रूपेश दुबे, उप-प्रधानाचार्य राजकीय आई. टी. आई. राजकुमार मौर्य एवं कौशल विकास मिशन के एम.आई.एस. प्रबंधक राजीव कुमार सिंह व वंदना द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

तदोपरांत प्रशिक्षणदायी संस्था उ.प्र. डिज़ाइन एवं शोध संस्थान, लखनऊ के प्रशिक्षकों द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूप-रेखा प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में उपस्थित राजकीय आई.टी.आई के उप प्रधानाचार्य राजकुमार मौर्य द्वारा उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना उ.प्र. सरकार की महत्वपूर्ण योजना है जिसके अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त लाभार्थी अपना स्वरोजगार स्थापित कर स्वावलंबी बन सकता है। अग्रणी जिला प्रबंधक रूपेश दुबे द्वारा प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षणोंपरांत स्वरोजगार करने हेतु विभिन्न सरकारी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। समारोह में कौशल विकास मिशन के एम.आई.एस. प्रबंधक राजीव कुमार सिंह एवं वंदना द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गए। अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि सरकार की इस महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना में प्रशिक्षण प्राप्त कर लाभार्थी उन्नत टूलकिट प्राप्त करते हुए अपना उद्यम स्थापित करते हुए स्वावलंबी बन सकते हैं एवं राष्ट्र एवं समाज की प्रगति में सकारात्मक योगदान करते हुए दूसरों के किये भी प्रेरणा स्त्रोत बन सकते है।

माघ मेला 2026: कला संगम पंडाल में लोक–शास्त्रीय प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र स्थित परेड सेक्टर-3 के संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के कला संगम पंडाल में गुरुवार को लोक गीत, नृत्य-नाटिका और शास्त्रीय संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों का सिलसिला चला। मूर्धन्य कलाकारों की सजीव प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक और शास्त्रीय संगीत की गंगा में डुबो दिया, जिनकी तालियों और 'वाह-वाह' से पंडाल गूंजता रहा।

ध्रुपद गायन के महारथी पं. विनोद द्विवेदी ने राग भीमपलासी में चारताल पर ल्लधन प्रयाग धरा धाम, परम पावन पूरन कामङ्क तथा ल्लसूर ताल संगम मन भावनङ्क और राग चार उकेशी में राजा रामचन्द्र का सशक्त गायन कर श्रोताओं का हृदय जीत लिया।बुंदेलखंड के बांदा जिले से आए कलाकार रमेश पाल ने दिवारी लोकनृत्य ल्लपाई डंडाङ्क की प्रस्तुति दी। लाठियों से खेले जाने वाले इस नृत्य में टीम के एक छोटे कलाकार ने शरीर पर पहिये का संतुलन बनाकर दर्शकों को रोमांचित किया।अयोध्या से प्रख्यात भजन गायक रविन्द्र पाण्डेय ने श्रीराम स्तुति में ल्लसागर पार से सिया का समाचार लाने वालेङ्क, ल्लराम की नगरी श्री अयोध्या मेंङ्क, ल्लदुनिया में पावन अयोध्या धाम हैङ्क और ल्लरामा रामा रटते रटतेङ्क जैसे भजनों से श्रोताओं को सम्मोहित किया।कानपुर से आईं शास्त्रीय गायिका सीमा वर्मा ने राग भैरवी चतुरंग पर आधारित ल्लडगर चलते श्याम छेड़ेङ्क, ल्लभजन राम चरण दुखदाईङ्क और ल्लजग आसार में सारे रहना हरि हरि बोलङ्क प्रस्तुत कर समां बांध दिया।कथक नृत्यांगना एमिली घोष की सोलो प्रस्तुति में तीनताल पर ल्लअर्धनारीश्वरङ्क के भावपूर्ण रूपांकन ने दर्शकों को एकाग्रचित्त कर दिया।प्रयागराज की विख्यात लोकगायिका प्रतिमा मिश्रा ने अपनी टीम के साथ माघ माह के गुणगान में ल्लहम माघ महीना में गंगा नहाइबङ्क, ल्ललहर लहर लहराई हो गंगा तोरी लहरियाङ्क, ल्ललिख ले दरोगा जी हमरी रपटियाङ्क और ल्लले ले बलम बजरिया से चूड़ीङ्क सहित कई गीतों से पंडाल में लोकरस घोल दिया।कार्यक्रम का सफल संचालन श्वेता श्रीवास्तव ने किया। अंत में कलाकारों को रंग बली पटेल (सदस्य, प्रदेश कार्यकारिणी भाजपा), सुभाष चन्द्र (नोडल अधिकारी, संस्कृति विभाग) और गुलाम सरवर द्वारा अंगवस्त्र व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

मण्डलायुक्त (रोल ऑब्जर्वर) ने एसआईआर के सम्बन्ध में बैठक कर की समीक्षा

प्राप्त दावे और आपत्तियों का समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण कराया जाए निस्तारण: मण्डलायुक्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। मण्डलायुक्त लखनऊ मण्डल लखनऊ (रोल ऑब्जर्वर) विजय विश्वास पन्त ने जनपद भ्रमण के दौरान अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं ईआरओ के साथ बैठक कर किये गये कार्यो की समीक्षा की गयी।

बैठक में अवगत कराया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी 2026 को जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 177-बछरावां (अ0जा0), 179 हरचन्दपुर, 180 रायबरेली, 181 सलोन (अ0जा0), 182 सरेनी व 183 ऊँचाहार विधानसभा में किया गया है, जिसमें जनपद में कुल मतदाता 1785187 है जिसमें पुरुष 963776, महिला 821385, व अन्य 26 मतदाता है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस0 आई0 आर0) कार्यक्रम के सम्बन्ध में मीडिया को प्रेस विज्ञप्ति जारी कराते हुए आम जनमानस को जागरूक करने, जनपद व विधानसभा स्तर पर बी0एल0ओ0 द्वारा सर्वप्रथम एस0आई0आर0 का कार्यपूर्ण करने वाले 03-03 बी0एल0ओ0 को प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्त्रि पत्र देकर सम्मानित किये जाने, विधानसभा स्तर पर बी0 एल0 ओ0/बी0एल0ए0 की बैठक समय-समय पर कराने, जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा ए0 एस0 डी0 डी0 सूची का रैण्डम आधार पर जांच, जनपद स्तर व विधानसभा स्तर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समय-समय पर बैठक आयोजित कर जानकारी दिये जाने का कार्य किया गया है। बैठक में मण्डलायुक्त ने कहा कि जनपद में शतप्रतिशत युवा वोटर्स को कवर किया जाये, मतदाता बनने हेतु युवाओं को जागरूक भी किया जाये। जिनके नाम ड्राफ्ट सूची में कटे है उसका क्या कारण है प्रत्येक बी0एल0ओ0 के पास उसका पूरा विवरण होना चाहिए। यदि कोई ऐसा बूथ है जहां पर कोई समस्या है और उसी के बगल में कोई दूसरा विद्यालय है जहां पर बूथ बनाने में ज्यादा सहूलियत हो ऐसे बूथों को चिन्हित कर उनको शिफ्ट कराया जाये। उन्होंने कहा कि प्राप्त दावे और आपत्तियों का समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाये।

प्रयागराज में शीतलहर से बचाव के लिये प्रशासन की व्यापक तैयारियां

जनपद में शीतलहर के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से तथा जिला प्रशासन द्वारा रात्रि भ्रमण के समय असहाय व्यक्तियों के मध्य कुल 6369 कंबलों का वितरण किया जा चुका है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । जनपद में जारी शीतलहर को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा माननीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है।

जनपद में शीतलहर के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से तथा जिला प्रशासन द्वारा रात्रि भ्रमण के समय असहाय व्यक्तियों के मध्य कुल 6369 कंबलों का वितरण किया जा चुका है।रैन बसेरा व्यवस्था: जनपद स्तर पर कुल 48 रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें नगर निगम द्वारा 40 एवं नगर पंचायतों द्वारा 08 रैन बसेरे शामिल हैं। इन रैन बसेरों की कुल क्षमता 1210 व्यक्तियों की है। सभी रैन बसेरों में रजाई, गद्दा, मैट, पेयजल, शौचालय, विद्युत सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। रैन बसेरों में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की दैनिक जानकारी शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए आपदा प्रहरी मोबाइल एप्लीकेशन पर ऑनलाइन अपलोड की जा रही है।अलाव की व्यवस्था:शीतलहर से बचाव हेतु जनपद में जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम, नगर पंचायतों एवं तहसीलों के माध्यम से कुल 1037 स्थलों को चिन्हित कर अलाव जलवाए जा रहे हैं। इनमें नगर निगम के 715, नगर पंचायतों के 181 तथा तहसीलों के 141 स्थल शामिल हैं। सभी स्थलों पर जल रहे अलाव की जियो-टैग फोटो प्रतिदिन आपदा प्रहरी मोबाइल एप्लीकेशन पर अपलोड की जा रही है।जिला प्रशासन प्रयागराज द्वारा शीतलहर से जनसामान्य को सुरक्षित रखने हेतु सतत निगरानी एवं आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर पुलिस आयुक्त का पुलिस लाइन निरीक्षण

स्वच्छता, सुरक्षा और समयबद्ध व्यवस्थाओं पर दिया जोर, अधिकारियों को सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के मद्देनज़र गुरुवार को पुलिस आयुक्त ने पुलिस लाइन का निरीक्षण एवं भ्रमण कर समस्त व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम को समयबद्ध, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त ने पुलिस कर्मियों के बैरकों का औचक निरीक्षण करते हुए स्वच्छता, रहन-सहन, मूलभूत सुविधाओं, कूड़ा निस्तारण और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर विशेष बल दिया। इसके साथ ही पुलिस कर्मियों के आवासों का भी निरीक्षण कर छज्जा, बरामदा, छत और दीवारों सहित पूरे परिसर की नियमित एवं प्रभावी साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए पुलिस लाइन परिसर में बिना अनुमति बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, पहचान सत्यापन, आगंतुक रजिस्टर के नियमित संधारण और सतत निगरानी के निर्देश जारी किए गए।निरीक्षण के दौरान नगर निगम, विद्युत विभाग और जलकल विभाग से समन्वय स्थापित कर लंबित मरम्मत, विद्युत आपूर्ति, जलापूर्ति और स्वच्छता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही निर्माण कार्यों के दौरान गंदगी न फैलाने, सुरक्षा मानकों का पालन करने और गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त लाइन प्रमोद कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त लाइन डॉ. ईशान सोनी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महर्षि भारद्वाज की आराधना के बिना प्रयागराज का पुण्य अधूरा : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । भारद्वाज जयंती एवं प्रयागराज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी प्रयागराज ने कहा कि महर्षि भारद्वाज प्रयागराज की पहचान और अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के सम्मान, तीर्थ और पर्यटन विकास के लिए शासनऽप्रशासन पूरी तरह कटिबद्ध है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जाएंगे।कार्यक्रम में साधु-संतों एवं प्रबुद्ध जनों ने प्रयागराज को तीर्थ क्षेत्र घोषित करने तथा संगम से पांच कोस की परिधि में सार्वजनिक रूप से मांस-मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध के प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से उठाया।महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत यमुना पुरी ने कहा कि महर्षि भारद्वाज की पूजा के बिना प्रयागराज का पुण्य पूर्ण नहीं होता।मनकामेश्वर मंदिर के महंत श्रीधरानंद महाराज ने उन्हें प्रयागराज का प्रथम गुरु बताते हुए उनकी आराधना को आवश्यक बताया।बैकुंठ धाम के महंत जगद्गुरु श्रीधराचार्य ने कहा कि महर्षि भारद्वाज महान गुरु थे, जिनके दस हजार शिष्य थे और इसी क्षेत्र में उनका विश्वविद्यालय था। उन्होंने वैष्णव क्षेत्र में मांस-मदिरा बिक्री पर संत समाज की पीड़ा व्यक्त की।भीषण ठंड के बीच प्रयागराज विद्वत परिषद के तत्वावधान में महर्षि भारद्वाज जयंती धूमधाम से मनाई गई। माघ मास की पंचमी को आयोजित इस समारोह में उन्हें आयुर्वेद का जनक, माघ एवं कुंभ मेले का प्रवर्तक और महान ऋषि के रूप में स्मरण किया गया।महर्षि भारद्वाज की प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो संगम पहुंची, जहां गंगा पूजन किया गया। पुलिस बैंड और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने आयोजन को भव्य बना दिया।

उप्र के परिषदीय और केजीबीवी विद्यालयों में होंगे वार्षिकोत्सव व खेल उत्सव

कैनविज टाइम्स संवाददात

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के नेतृत्व में यह आयोजन जनवरी माह के अंत तक प्रदेश के एक लाख 32 हजार से अधिक विद्यालयों में संपन्न कराया जाएगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने परिषदीय विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में शिक्षा को अधिक जीवंत, व्यवहारिक और समुदाय से जोड़ने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर वार्षिकोत्सव एवं खेल उत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया है।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के नेतृत्व में यह आयोजन जनवरी माह के अंत तक प्रदेश के एक लाख 32 हजार से अधिक विद्यालयों में संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए सरकार ने19.80 करोड़ की धनराशि जारी की है।इस पहल के तहत प्रदेश के लगभग 1.31 लाख परिषदीय विद्यालयों और 746 केजीबीवी में सांस्कृतिक, शैक्षिक और खेलकूद गतिविधियों का आयोजन होगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह कार्यक्रम अब तक के सबसे बड़े शैक्षिक-सांस्कृतिक अभियानों में से एक है, जिसका उद्देश्य विद्यालयों को केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि समाज की सक्रिय इकाई के रूप में विकसित करना है।बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास केवल पाठ्यपुस्तकों से संभव नहीं है। शिक्षा को संस्कार, संस्कृति और खेल से जोड़कर ही बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना का विकास किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पहल से विद्यालयों में नामांकन, नियमित उपस्थिति और बच्चों के ठहराव (रिटेंशन) में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करना सरकार का प्रमुख लक्ष्य है।वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यार्थियों की रचनात्मक और बौद्धिक प्रतिभा को मंच देने के लिए नाटक, भाषण, कहानी लेखन, वाद-विवाद, चित्रकला, रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रमों का मुख्य विषय शिक्षा का महत्व, नियमित उपस्थिति और आउट ऑफ स्कूल बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना रहेगा। साथ ही उच्च प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा 'लर्निंग बाय डूइंग' के अंतर्गत तैयार शिक्षण सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।खेल उत्सव के अंतर्गत कक्षा 3 से 5 तक के बच्चों के लिए 50 व 100 मीटर दौड़, जबकि कक्षा 5 से 8 तक के बच्चों के लिए 100 व 200 मीटर दौड़ आयोजित की जाएगी। सभी आयु वर्ग के बच्चों के लिए 4100 मीटर रिले रेस भी कराई जाएगी। कई विद्यालयों में अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाने के लिए उनकी दौड़ या रिले रेस आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रत्येक कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति वाले बच्चों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि यह आयोजन परिषदीय विद्यालयों को सामुदायिक विश्वास का केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

घर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौके पर मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी, लखनऊ। बुधवार रात्रि बाइक से घर लौट रहे एक युवक की बीकेटी थाना अंतर्गत सीतापुर रोड़ राम सागर मिश्र शौ शैय्या अस्पताल कट के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से दर्दनाक मौत हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि युवक को जब तक अस्पताल पहुंचाया गया उससे पहले उसने दम तोड़ दिया था,वही घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गयाथा।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना इटौंजा अंतर्गत बाहरगांव निवासी शैलेश सिंह(21)पुत्र अभय कुमार सिंह बुधवार रात को लखनऊ से अपनी नौकरी से वापस घर जा रहा था,तभी सीतापुर रोड़ राम सागर मिश्र शौ शैय्या अस्पताल कट के पास लगभग एक बजे रात्रि में अज्ञात वाहन ने शैलेश की पैशन-प्रो मोटर साईकिल में टक्कर मार दिया और मौके से फरार हो गया,वही घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया।वही थाना प्रभारी बीकेटी संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन चालक की तलाश कर रही है।

अकबरी गेट पर हटाया गया अतिक्रमण लोगों को जाम से मिली राहत

जोन-6 के तहत थाना चौक क्षेत्र में मौजूद ऐतिहासिक अकबरी गेट पर अतिक्रमण के खिलाफ चला अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। शहर में रोज़-ब-रोज़ बढ़ती जाम की दिक़्क़त से आम लोगों को राहत पहुँचाने के इरादे से नगर निगम लखनऊ ने अतिक्रमण के ख़िलाफ़ अभियान को और तेज़ कर दिया है।

इसी कड़ी में गुरुवार को पुराने लखनऊ के ज़ोन-6 के तहत थाना चौक क्षेत्र में मौजूद ऐतिहासिक अकबरी गेट पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान दुकानों के सामने सड़क पर लगे टीन शेड, काउंटर और दूसरे ग़ैरक़ानूनी ढांचों को हटाया गया। अभियान के वक़्त भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही, जिससे पूरी कार्रवाई अमन-ओ-सुकून और तरतीब के साथ पूरी की गई। हटाए गए अतिक्रमण से जुड़ा सामान नगर निगम की ओर से ज़ब्त कर लिया गया। नगर निगम अधिकारियों ने दुकानदारों को सख़्त हिदायत दी कि आगे से सड़क या फुटपाथ पर किसी भी तरह का अतिक्रमण न किया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था बेहतर बनी रहे और लोगों को जाम की परेशानी से निजात मिल सके। अधिकारियों का कहना है कि शहर को जाम-मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।क़ाबिले-ग़ौर है कि यह कार्रवाई आई जी आरएस के तहत दर्ज शिकायतों के आधार पर की गई थी। अतिक्रमण हटते ही अकबरी गेट इलाक़े में आवाजाही आसान हुई और राहगीरों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने नगर निगम की इस पहल को शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने की दिशा में एक अहम क़दम बताया है। मगर अब देखना यह होगा कि यहां पर इस तरह के हालात कब तक रहते हैं और दोबारा कब तक लोगों द्वारा यहां पर अतिक्रमण नहीं किया जाता है। क्योंकि देखने में यह आता है कि नगर निगम द्वारा जब भी इस इलाके में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया मात्र एक दिन बाद ही लोग यहाँ पर दोबारा से अतिक्रमण कर लेते हैं

नगराम पुलिस की बड़ी कामयाबी, सोलर पैनल चोरी का त्वरित खुलासा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ। थाना नगराम पुलिस ने सोलर पैनल चोरी की घटना का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को चोरी किए गए सोलर पैनल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया है। थाना नगराम पुलिस ने अभियुक्त नितिन साहू, निवासी ग्राम गढ़ा, थाना नगराम को उसके घर से चोरी किए गए सोलर पैनल के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।थाना प्रभारी विवेक चौधरी के अनुसार, बीते बुधवार को पीड़ित राजकुमार ने थाने में सूचना दी थी कि मंगलवार को अभियुक्त ने शराब के नशे में पहले गाली-गलौज व मारपीट की और उसके बाद घर से सोलर पैनल चोरी कर लिया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नगराम पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और गुरुवार को अभियुक्त को उसके घर से गिरफ्तार कर चोरी का सोलर पैनल बरामद कर लिया।

नगराम में दहेज हत्या की आशंका से सनसनी सरसों के खेत में मिला महिला का कंकाल, ससुराल पक्ष पर हत्या का गंभीर आरोप

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना नगराम क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। ग्राम कुबहरा के पास सरसों के खेत में महिला का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका के परिजनों ने इसे दहेज हत्या बताते हुए ससुराल पक्ष पर संगीन आरोप लगाए हैं। निगोहां थाना क्षेत्र के ग्राम रमपुरा मजरा उतरावां निवासी व्यापारी ने थाना नगराम में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसने अपनी पुत्री पूनम (30 वर्ष) का विवाह वर्ष 2013 में पिताम्बर पुत्र रामखेलावन, निवासी ग्राम कुबहरा, थाना नगराम से किया था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही पूनम को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता रहा। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। परिजनों के मुताबिक 12 दिसंबर 2025 से पूनम लापता थी, जिसकी सूचना ससुराल पक्ष द्वारा फोन पर दी गई थी। इसके बाद 07 जनवरी 2026 को गांव के पास सरसों के खेत में एक कंकाल मिलने से मामले ने भयावह मोड़ ले लिया। परिजनों को आशंका है कि यह कंकाल उनकी पुत्री पूनम का ही है और ससुराल पक्ष ने उसकी हत्या कर शव को ठिकाने लगा दिया। पीड़ित पिता ने पिताम्बर, राममिलन, रामसनेही सहित अन्य परिजनों व उनकी पत्नियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से कठोर कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। कंकाल की शिनाख्त और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

जरूरतमंदों तक लगातार मदद पहुंचा रही ममता चैरिटेबल ट्रस्ट

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा नर सेवा नारायण सेवा के तहत लगातार जरूरतमंदों में कम्बल और ट्राई साइकिल का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को हजरतगंज स्थित बालू अड्डा पर दिव्यांग कृत्रिम अंग सहायक उपकरण एवं कंबल वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आदरणीय क्षेत्रीय संगठन मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश घनश्याम शाही एवं राजीव मिश्रा मुख्य ट्रस्टी ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा किया गया। इस मौके पर चार ट्राई साइकिल समेत बड़ी संख्या में मौजूद जरूरतमंदों में कम्बलों का वितरण किया गया। इस मौके पर गौरव पांडे, मध्य विधानसभा उपविजेता रजनीश गुप्ता, पार्षद नागेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष एसपी कंचन, अनूप बाजपेई, मुकेश मिश्रा, विश्वनाथ भारती, सचिन चौहान, मंडल उपाध्यक्ष इंद्रजीत कनौजिया व नीरज मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

महुरा कला गांव में ब्लॉक प्रमुख ने बांटे कंबल

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । ब्लॉक प्रमुख संघ के लखनऊ जिला अध्यक्ष विनय वर्मा डिंपल ने महुरा कला गांव में जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किए। इस कार्यक्रम का आयोजनसामाजिक कार्यकर्ता राम अचल वर्मा द्वारा किया गया। ग्राम सभा महुरा कला विकासखंड गोसाईगंज में इस कड़ाके की ठंड में जरूरतमंद लोगों के लिए कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कंबल वितरण आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे ब्लॉक प्रमुख विनय कुमार वर्मा डिंपल ने पहुंचकर लोगों को कंबल वितरण किया।इस शुभ अवसर पर ग्राम सभा गोमी खेड़ा के प्रधान शिबू वर्मा एवं महुरा के प्रधान हीरा सिंह के साथ सैकड़ों ग्रामीण जन उपस्थित रहे। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित रहीं। ग्राम प्रधान हीरा सिंह ने इस नेक कार्य की सराहना करते हुए कहा इस समय जनता ठंड से ठिठुर रही थी और समाजसेवी द्वारा उसे बड़ी राहत देने का कार्य किया गया है।

अधिशासी अभियंता ने विकास खंड के कई गांव में किया बोरिंग का निरीक्षण

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने विकासखंड गोसाईगंज के कई गांव का गुरुवार को भ्रमण कर बोरिंग का निरीक्षण किया व पाइप का सैंपल भी लिया। अधिशासी अभियंता सुवेंद्रू वर्मा व सहायक अभियंता राजीव नयन उपाध्याय गोसाईगंज ब्लॉक के अवर अभियंता आरके प्रकाश के साथ गोसाईगंज में बोरिंग का ?? स्थलीय सत्यापन करने पहुंचे और पाइप का सैंपल दिया गया। मौके पर संदीप सिंह, विक्रमजीत, पुष्पा बोरिंग टेक्नीशियन उपस्थित रहे।ग्राम अस्ती में अधिशासी अभियंता (लघु सिंचाई) सुवेंद्रू वर्मा द्वारा बोरिंग के पाइप का नमूना मौके पर खेत में जा कर पाइप से काटा गया एवं ग्राम पंचायत कपेरा मदारपूर एवं जौखण्डी में वर्तमान वर्ष की बोरिंग का निरीक्षण किया गया। जब से अवर अभियंता आर के प्रकाश द्वारा गोसाईगंज विकासखंड का चार्ज लिया गया है क्षेत्रीय किसानों को सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं से तेजी से लाभान्वित किए जाने का कार्य किया जा रहा है।

पत्नी ने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा व मारपीट का दर्ज कराया मुकदमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पति द्वारा आये दिन मारपीट करने से त्रस्त थी पत्नी

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के विदौबा गांव में घरेलू हिंसा का एक गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता सोनी पत्नी दीपक ने अपने पति पर मारपीट, मानसिक उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने पति के खिलाफ मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि बीते बुधवार को पारिवारिक बातों को लेकर उनके पति दीपक ने उनके साथ मारपीट की। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि पीड़िता का कहना है कि उनका पति आए दिन उनके साथ मारपीट करता है। और उन्हें व उनके बच्चों के भरण-पोषण के लिए खर्च तक नहीं देता।मारपीट की इस घटना में पीड़िता सोनी की आंख में गंभीर चोट भी आई है। पीड़िता का आरोप है कि लगातार हो रहे उत्पीड़न से वह और उनके बच्चे भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पति द्वारा जान से मारने की धमकी दी जा रही है। जिससे उनकी जान को गंभीर खतरा बना हुआ है।पीड़िता ने इस संबंध में पुलिस से लिखित शिकायती पत्र देकर मामले का संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस से अपील की है कि उन्हें और उनके बच्चों को सुरक्षा प्रदान की जाए तथा आरोपी पति दीपक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। वही इंस्पेक्टर ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया कि पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संसदीय स्थायी समिति ने लक्षद्वीप में आईसीएआर एनबीएफजीआर केंद्र का किया दौरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आईसीएआर-एनबीएफजीआर अगत्ती द्वीप में समुद्री सजावटी जीवों के लिए एक लाइव जर्मप्लाज्म संसाधन केंद्र का संचालन कर रहा है

लखनऊ । गुरुवार को लक्षद्वीप के अगत्ती द्वीप में कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर संसदीय स्थायी समिति ने सभापति चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में आईसीएआर एनबीएफजीआर की सुविधा का दौरा किया।

आईसीएआर-एनबीएफजीआर अगत्ती द्वीप में समुद्री सजावटी जीवों के लिए एक लाइव जर्मप्लाज्म संसाधन केंद्र का संचालन कर रहा है, जो स्वदेशी जलीय आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण और स्थानीय द्वीप समुदायों के लिए स्थायी आजीविका बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह सुविधा स्थानीय महिला लाभार्थियों द्वारा प्रबंधित सामुदायिक जलीय कृषि इकाइयों को सहायता के माध्यम से समुदाय-आधारित विकास के साथ वैज्ञानिक संरक्षण को एकीकृत करती है, जो वैकल्पिक आय सृजन गतिविधि के रूप में सजावटी जीवों के कैप्टिव-नस्लों को विपणन योग्य आकार में पालती हैं। आईसीएआर एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. काजल चक्रवर्ती ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल एक अनूठे मॉडल का प्रतिनिधित्व करती है जिसमें देशी जैविक संसाधनों के माध्यम से विज्ञान संचालित संरक्षण और सामाजिक विकास को एक साथ आगे बढ़ाया जाता है। अध्यक्ष और समिति के सदस्यों ने आईसीएआर-एनबीएफजीआर के जनजातीय उप-योजना कार्यक्रम के तहत स्थापित समुद्री सजावटी प्रदर्शन इकाई का दौरा किया, जहां मछलियों और अकशेरुकी जीवों सहित दुर्लभ सजावटी जलीय जीवों की 75 से अधिक प्रजातियों का रखरखाव और प्रदर्शन जन जागरूकता और शिक्षा के लिए किया जाता है।

आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया(पीसीआई) नई दिल्ली और फार्मेसी संकाय, इंटीग्रल विश्वविद्यालय लखनऊ ने संयुक्त रूप से आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली(एईबीएएस) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य फार्मेसी संस्थानों में एईबीएएस प्रणाली के कार्यान्वयन और परिचालन पहलुओं में तकनीकी अंतर्दृष्टि प्रदान करना और जागरूकता पैदा करना था। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के 60 फार्मेसी संस्थानों के डीन, निदेशक और प्रिंसिपल ने हिस्सा लिया।

लखनऊ नगर निगम के प्रतिनिधिमंडल ने अहमदाबाद में वेस्ट टू एनर्जी परियोजना का किया अध्ययन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ, अहमदाबाद। नगर निगम लखनऊ द्वारा नॉलेज एक्सचेंज एवं कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम के अंतर्गत अहमदाबाद नगर निगम द्वारा संचालित नगर ठोस अपशिष्ट से विद्युत उत्पादन परियोजना का अध्ययन एवं स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस अध्ययन यात्रा का उद्देश्य आधुनिक तकनीकों को समझना और उन्हें लखनऊ में लागू करने की संभावनाओं का आकलन करना था।

इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल जी की अध्यक्षता में नगर निगम लखनऊ का एक प्रतिनिधिमंडल अहमदाबाद पहुंचा। निरीक्षण दल में नगर निगम की उपाध्यक्ष चरनजीत गांधी जी, पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी' जी, कई माननीय पार्षदगण, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अहमदाबाद नगर निगम द्वारा प्रतिदिन लगभग 1000 मीट्रिक टन नगर ठोस अपशिष्ट से विद्युत उत्पादन करने वाली आधुनिक परियोजना का विस्तृत अवलोकन किया गया। अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इस संयंत्र में म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट से तैयार आरडीएफ (रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल) का उपयोग किया जाता है। मार्टिन रिवर्स ग्रेट फायरिंग तकनीक के माध्यम से बॉयलर में अपशिष्ट का सुरक्षित दहन किया जाता है, जिससे प्रति घंटे लगभग 65 टन भाप उत्पन्न होती है।इस भाप की सहायता से 15 मेगावाट क्षमता की टरबाइन चलाई जाती है, जिससे विद्युत ऊर्जा का उत्पादन होता है। यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित की गई है।

इसकी अनुमानित लागत लगभग 375 करोड़ रुपये है और यह संयंत्र करीब 14 एकड़ भूमि में स्थापित है।अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना न केवल नगर ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल निस्तारण में सहायक है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और सतत विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे कचरे की समस्या कम होने के साथ-साथ शहर को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत भी प्राप्त हो रहा है।नगर निगम लखनऊ द्वारा भी भविष्य में इस तरह के नवाचार आधारित और टिकाऊ मॉडलों को अपनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में इस प्लांट का निरीक्षण कर तकनीक, लागत, संचालन और पर्यावरणीय लाभों का गहन अध्ययन किया गया। आने वाले समय में लखनऊ में ल्लवेस्ट टू वेल्थङ्क आधारित एक सस्टेनेबल मॉडल विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम के अंतर्गत कार्बन क्रेडिट के क्लेम से जुड़ी संभावनाओं पर भी विचार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही किए जाने पर नगर निगम को प्रतिवर्ष लगभग 1.5 से 2 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नगर निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

आप 16 जनवरी को मिर्ज़ापुर से निकालेगी 'रोज़गार दो-सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा: संजय सिंह

यह तीसरे चरण की पदयात्रा मिर्ज़ापुर के शहीद उद्यान से शुरू होकर वाराणसी के सारनाथ तक जाएगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आआपा) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को एक बयान जारी करते हुए घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी, सामाजिक भेदभाव, पेपर लीक, महंगाई, वोट चोरी के खिलाफ पार्टी 16 जनवरी से 22 जनवरी तक ल्लरोज़गार दोऽसामाजिक न्याय दोङ्क पदयात्रा निकालने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह तीसरे चरण की पदयात्रा मि.र्ज़ापुर के शहीद उद्यान से शुरू होकर वाराणसी के सारनाथ तक जाएगी, जिसकी कुल दूरी लगभग 100 किलोमीटर होगी।संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को जानबूझकर हिंदू, मुसलमान, दलितऽसवर्ण, अगड़ाऽपिछड़ा में बांटकर नफ़रत की राजनीति में झोंक दिया गया है, ताकि जनता की ज़िंदगी से जुड़े असली मुद्दों– रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, बुनकर, रेहड़ीऽपटरी वाले, नौजवान पर कोई सवाल न पूछे। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील की कि ल्लक्या फर्क पड़ता हैङ्क की सोच छोड़कर इस पदयात्रा से जुड़ें और अपने हक़ की आवाज़ बुलंद करें।संजय सिंह ने कहा कि आज देश और प्रदेश की हालत ऐसी बना दी गई है कि करोड़ों युवाओं के पास काम नहीं है। किसान खाद की एक बोरी और अपनी फसल के दाम के लिए लाइन में खड़ा होकर मर रहा है। नौजवान नौकरी मांगने जाता है तो लाठियां खाता है। स्कूल बंद हो रहे हैं। अस्पतालों में मोमबत्ती की रोशनी में ऑपरेशन हो रहे हैं, लेकिन सत्ता में बैठे लोग दावा कर रहे हैं कि ल्लसब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा कि देश को कर्ज़ में डुबो दिया गया। बेरोजगारी ऐतिहासिक स्तर पर है, फिर भी जनता को व्हाट्सएप के ज़रिये यह समझाया जा रहा है कि भारत महान बन रहा है और सवाल पूछना गुनाह है।

नेपाल में चुनाव को लेकर भारत-नेपाल के अधिकारियों की अहम बैठक

बैठक में दोनों देशों के प्रशासनिक, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और चुनाव अवधि के दौरान सीमा सुरक्षा, अपराध नियंत्रण तथा सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान को लेकर ठोस रणनीति पर सहमति बनाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। नेपाल में आगामी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव 2026 के चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को भारतऽनेपाल समन्वय समिति की विस्तृत बैठक नेपाल में सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई।

बैठक में दोनों देशों के प्रशासनिक, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और चुनाव अवधि के दौरान सीमा सुरक्षा, अपराध नियंत्रण तथा सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान को लेकर ठोस रणनीति पर सहमति बनाई।बैठक में भारत की ओर से लखीमपुर खीरी तथा नेपाल की ओर से कैलाली और कंचनपुर अंचल के अधिकारियों ने सीमा पर विशेष चौकसी बरतने, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने और असामाजिक तत्वों पर संयुक्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया। खासतौर पर मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध आवागमन, वांछित अपराधियों की धरपकड़ और चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था को रोकने पर गहन चर्चा हुई।

अधिकारियों ने यह भी तय किया कि दोनों देशों की एजेंसियां रियल टाइम सूचना साझा करेंगी, जिससे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई संभव हो सके।बैठक को संबोधित करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने नेपाल के अधिकारियों का स्वागत किया और कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंधों से जुड़ा है। उन्होंने इसे इरोटीऽबेटी का अटूट बंधनद्ध बताते हुए कहा कि दोनों देशों का आपसी विश्वास और सहयोग ही सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा का आधार है। डीएम ने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन, पुलिस और एसएसबी नेपाल के चुनावी दायित्वों में हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे।सीडीओ कैलाली हीरालाल रेग्मी और सीडीओ कंचनपुर मदन कोइराला ने भारत सरकार और भारतीय प्रशासन के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सीमा पार समन्वय से ही चुनाव प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतऽनेपाल के संबंध सदैव सौहार्दपूर्ण रहे हैं और भविष्य में यह सहयोग और मजबूत होगा।एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि चुनाव अवधि के दौरान सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता, संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर निगरानी, तथा आपात सेवाओं की निर्बाध आवाजाही प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगी। वहीं एएसपी पवन गौतम ने कहा कि भारत की ओर से लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है और नेपाल से मिलने वाली किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच प्रशासनिक समन्वय को और सुदृढ़ करना, सीमा सुरक्षा को मजबूत बनाना और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाली जनता को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करना रहा। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि इस समन्वय से न केवल चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होंगे, बल्कि भारत-नेपाल संबंधों को भी नई मजबूती मिलेगी।

नाम करेक्शन की झाम में फंसा आम मतदाता

ड्राफ्ट मतदाता सूची में पिता का नाम अधूरा, संशोधन कराने के लिए चाहिए परिवार रजिस्टर की नकल व पैनकार्ड, स्कूल सर्टिफिकेट, मतदाता को लगाने पड़ेंगे तहसील व ब्लाक मुख्यालय के चक्कर, खर्च होगा पैसा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जहांगीराबाद, सीतापुर । एक पखवारा पहले भरे गये एस आई आर फार्मों के बाद वर्तमान में जारी हुई ड्राफ्ट मतदाता सूची में बहुत सारी त्रुटियां हैं जिन्हें सही कराने के लिए आम मतदाता को बेवजह पैसा खर्च कर तहसील व ब्लाक मुख्यालय के चक्कर काटने पड़ेंगे। सरकार द्वारा नियुक्त बीएलओ द्वारा एस आई आर फार्म भरवाने के बाद मतदाता सूची का पुनरीक्षण कर इन दिनों जारी हुई पुनरीक्षित मतदाता सूची में आगामी 6 फरवरी तक आपत्ति दर्ज कराने तथा ड्राफ्ट सूची में नाम, संबन्धी का नाम,आयु, लिंग,भाग संख्या व क्रमांक तथा मकान नम्बर आदि को सही करवाने के लिए तिथि निर्धारित की गई है। 150 सेवता विधानसभा अन्तर्गत बूथ संख्या 265 की जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में क्रम संख्या 85 व 87 पर दर्ज क्रमशः प्रशांत श्रीवास्तव वोटर आईडी नम्बर ड्डऋ1945435 व रजत श्रीवास्तव वोटर आईडी नम्बर ड्डऋ2002988 दोनों के पिता का नाम अधूरा छपा है। इस बारे में जब बीएलओ सुनीता वर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मैंने एस आई आर फार्मों के अनुसार सब कुछ सही सही लिखकर तहसील में स्थित वोटर फार्म रजिस्ट्रेशन कार्यालय भेजवाया था अब पता नहीं किसकी गलती से ऐसा हुआ।आप निर्वाचन कार्यालय में शिकायत दर्ज करावें अथवा संशोधन के लिए दो आई डी जिसमें परिवार रजिस्टर की नकल व मतदाता का पैनकार्ड लाकर फार्म 8 भरना पड़ेगा तभी संशोधन सम्भव हो सकेगा। गलती निर्वाचन कार्यालय में लगे कर्मचारियों की और परेशान आम मतदाता। मतदाता की सुनने वाला कोई नहीं। परिवार रजिस्टर की नकल लेने के लिए ब्लाक के चक्कर काटने होंगे तथा पैन कार्ड भी बनवाना पड़ेगा जिसमें अनावश्यक पैसा खर्च होंगे और परेशानी भी उठानी पड़ेगी। इसी प्रकार कई अन्य लोगों के नामों में गलतियां हैं।एक ही मकान नम्बर में रहने वाले लोगों के नाम सूची में अन्य जगहों पर अंकित होने से भी मतदाता परेशान हैं।

धान खरीद घोटालाः क्या किसानों की लड़ाई सिर्फ एक जाति तक सिमट कर रह गई?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर । सीतापुर जनपद में धान क्रय केंद्रों पर सामने आए बड़े फर्जीवाड़े के खिलाफ अब तक जो तस्वीर उभर कर आई है, वह कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

महमूदाबाद, बिसवां, सकरन और सिधौली जैसे प्रमुख कृषि क्षेत्रों में किसानों के शोषण के विरुद्ध अब तक केवल एक ही जाति के नेता खुलकर मैदान में उतरते दिखाई दे रहे हैं।सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या बाकी समाज धान की खेती नहीं करता?या फिर किसानों के इस बड़े घोटाले पर चुप्पी के पीछे कोई और ही माजरा है?धान खरीद में गड़बड़ी, कागज़ों पर फर्जी तौल, बिचौलियों की घुसपैठ और भूमिहीनों के नाम पर धान बिक्री जैसे गंभीर आरोपों के बावजूद अन्य वर्गों के जनप्रतिनिधियों और किसान नेताओं की चुप्पी अब संदेह के घेरे में है।इस पूरे मुद्दे पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा से जुड़े नेता और किसान प्रतिनिधि व समाजसेवी ही लगातार आवाज़ बुलंद कर रहे हैं।सकरन और बिसवां से किसान नेता रामशंकर सिंह कछवाह,सीतापुर से शिव प्रकाश सिंह,और सिधौली से आर.पी. सिंह चौहानविधान सभा क्षेत्र बिसवां से प्रदीप सिंह चौहानलगातार प्रशासन के सामने किसानों की पीड़ा रख रहे हैं।स्थानीय किसानों का कहना है कि जब धान की फसल हर जाति और हर वर्ग उगाता है, तो फिर इस घोटाले के खिलाफ संघर्ष भी सामूहिक क्यों नहीं?क्या यह खामोशी किसी राजनीतिक दबाव का नतीजा है, या फिर किसानों के नाम पर सिर्फ दिखावटी चिंता?अब सवाल सिर्फ धान खरीद घोटाले का नहीं, बल्कि किसानों की लड़ाई को जातिगत दायरे में सीमित करने की साजिश का भी है।अगर समय रहते सभी वर्ग एकजुट नहीं हुए, तो आने वाले समय में सबसे ज्यादा नुकसान फिर से किसान को ही भुगतना पड़ेगा।

अफीम के साथ बरेली के दो तस्कर गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना जैतीपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बनखंडी चौराहा से बाइक सवार दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से पुलिस टीम ने 890 ग्राम फाइन क्वालिटी अफीम बरामद की। बरामद अफीम की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग तीन लाख रुपए बताई जा रही है। पकड़े गए अभियुक्त जनपद बरेली के थाना बिसारतगंज के गांव ढका निवासी ज्ञानेन्द्र पुत्र देवीराम और इसी थाना क्षेत्र के गांव कादराबाद का रहने वाला अजय पुत्र सुखदेव है। पुलिस पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने बताया कि वो लोग मादक पदार्थों की तस्करी करते हैं और तस्करी से मिले रूपयों से अपने घर का खर्चा चलाते हैं। फिलहाल, पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हे जेल भेज दिया है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना जैतीपुर के एसआई जयदेव सिंह के साथ हेड का. तैय्यब अली और अजय राना आदि मौजूद रहे।

किसान मजदूर सम्मेलन में लाभार्थियों को बांटे स्वीकृत पत्र व कृषि यंत्रों की चाबी

इस अधिनियम से धन की बर्बादी नहीं होगी, बायोमेट्रिक उपस्थित लगेगीः प्रभारी मंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। विकसित भारत जी राम जी अधिनियम 2025 के अन्तर्गत किसान मजदूर सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन गन्ना शोध परिषद में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं जनपद के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृत प्रमाण पत्र तथा एक कृषक को ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रों की चाबी वितरित की। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का उद्देश्य कि भारत को समृद्ध एवं सशक्त बनाना है। ताकि भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बने। पहले मनरेगा योजना गड्ढा खोदने एवं भरने तक ही सीमित था। प्रधानमंत्री ने मनरेगा को बदलकर विकसित भारत जी राम जी अधिनियम 2025 बनाया है। इस अधिनियम से धन की बर्बादी नहीं होगी। इसके लिए बायोमेट्रिक उपस्थित लगेगी तथा एआई से निगरानी की जाएगी। योजना का लाभ धरातल पर मिलेगा। इस नए अधिनियम में रोजगार की गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। पहले बेरोजगारी भत्ता का लाभ मिलना लगभग असंभव था, लेकिन विकसित भारत जी राम जी अधिनियम में ये सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। अब काम मांगने पर कार्य न मिले, तो बेरोजगारी भत्ता स्वतः मिलेगा। पहले मजदूरी में देरी होने की शिकायतें मिलती थीं। अब अगर मजदूरी में देरी होती है, तो प्रत्येक विलंबित दिन का मुआवजा मजदूरी के साथ दिया जाएगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और श्रमिकों को पूरा हक मिलेगा। इस दौरान मेयर अर्चना वर्मा, डीएम डीपी सिंह, सीडीओ डा. अपराजिता सिंह, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, कृषि उपनिदेशक, जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

एडीजी सुजीत पांडे ने पलिया कोतवाली का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने में मौजूद अभिलेखों, अपराध रजिस्टर, मालखाना, हवालात, सीसीटीवी व्यवस्था, शस्त्रागार तथा साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पलिया, खीरी। अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) सुजीत पांडे ने बुधवार को पलिया कोतवाली का निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था, अभिलेखों और कानून-व्यवस्था की स्थिति का गहन जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने में मौजूद अभिलेखों, अपराध रजिस्टर, मालखाना, हवालात, सीसीटीवी व्यवस्था, शस्त्रागार तथा साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। एडीजी ने लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गंभीर अपराधों, महिला अपराधों और लंबित मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।निरीक्षण के दौरान एडीजी सुजीत पांडे ने थाना परिसर में रखे गए माल की स्थिति देखी और मालखाने के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर जोर दिया। उन्होंने हवालात का निरीक्षण कर सुरक्षा और मानवीय सुविधाओं की भी जानकारी ली। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता जांचते हुए निर्देश दिए कि सभी कैमरे सक्रिय अवस्था में रहें और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाए।एडीजी ने पुलिस कर्मियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और ड्यूटी के दौरान अनुशासन, शालीन व्यवहार तथा जनसुनवाई को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आम जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार पुलिस की पहचान होनी चाहिए, जिससे लोगों का पुलिस पर विश्वास मजबूत हो।निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने और अपराध नियंत्रण के लिए निरंतर चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। एडीजी ने विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण सतर्कता बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता पर बल दिया।निरीक्षण के समय पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। एडीजी के इस निरीक्षण को लेकर पुलिस महकमे में हलचल रही और अधिकारियों को अपनी कार्यप्रणाली और अधिक चुस्त-दुरुस्त रखने के निर्देश मिले।

लखीमपुर खीरी में राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई, 46 नए मामलों की सुनवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित अटल सभागार में महिला जनसुनवाई आयोजित कर महिलाओं से जुड़े मामलों के प्रति गंभीर संवेदनशीलता और सक्रियता का परिचय दिया। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, संपत्ति विवाद, पारिवारिक कलह सहित अन्य प्रकार के महिला उत्पीड़न से जुड़े कुल 46 नए मामलों की विस्तारपूर्वक सुनवाई की गई। इसके साथ ही आयोग के समक्ष पूर्व से लंबित 75 प्रकरणों की प्रगति की भी समीक्षा कर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंची पीड़ित महिलाओं ने आयोग सदस्य के समक्ष खुलकर अपनी व्यथा रखी। महिलाओं ने घरेलू हिंसा, ससुराल पक्ष द्वारा प्रताड़ना, दहेज की मांग, पति-पत्नी विवाद, संपत्ति में अधिकार न मिलना, पुलिस कार्रवाई में लापरवाही तथा सामाजिक उत्पीड़न जैसे गंभीर मामलों को विस्तार से बताया। कई मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत को देखते हुए आयोग ने मौके पर ही संज्ञान लिया।सुजीता कुमारी ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी मामलों में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए और पीड़ित महिलाओं को कानून के तहत मिलने वाली हर सहायता समय पर उपलब्ध कराई जाए।

नौकरी के लिए भटक रही महिला, प्रमाण पत्रों में रोड़ा

लखीमपुर खीरी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सरकार की अनुकंपा नियुक्ति और पारिवारिक पेंशन जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं कागजों में भले ही आसान दिखाई देती हों, लेकिन जमीनी स्तर पर पीड़ितों को उनका लाभ पाने के लिए भारी संघर्ष करना पड़ रहा है। सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम छाउच का मामला इसका उदाहरण है, जहां एक विधवा महिला को अपने पति की मौत के बाद भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।ग्राम छाउच के मोहल्ला धीरज नगर कॉलोनी निवासी लक्ष्मी देवी के पति स्वर्गीय अनिल कुमार शर्मा पुलिस विभाग में एसपी कार्यालय, सीतापुर में कार्यरत थे। 13 अगस्त 2025 को उनका आकस्मिक निधन हो गया। परिवार के मुखिया के अचानक चले जाने से आर्थिक स्थिति पूरी तरह डगमगा गई। शासन के नियमों के अनुसार पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति, पारिवारिक पेंशन व अन्य विभागीय लाभ मिलना चाहिए, लेकिन जरूरी प्रमाण पत्र न बनने से सारी प्रक्रिया अटक गई है। पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने निवास और आय प्रमाण पत्र के लिए अब तक तीन बार आवेदन किया, लेकिन हर बार संबंधित लेखपाल अजीत कुमार द्वारा आवेदन को बिना स्पष्ट कारण बताए खारिज कर दिया गया। जब कारण पूछने का प्रयास किया गया तो संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। लक्ष्मी देवी ने बताया कि उनके नाम से 25 अगस्त 2021 को एक बार निवास प्रमाण पत्र पहले ही जारी किया जा चुका है। उस समय तकनीकी कारणों से आधार संशोधन नहीं हो पाया था। वर्तमान में आधार संशोधन और अन्य शासकीय कार्यों के लिए नया निवास और आय प्रमाण पत्र अनिवार्य है, इसके बावजूद बार-बार आवेदन खारिज होना सवाल खड़े करता है। पीड़िता का कहना है कि उनके पास पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, ग्राम प्रधान द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र, उत्तराधिकार प्रमाण पत्र सहित सभी आवश्यक अभिलेख पूर्ण रूप से उपलब्ध हैं। इसके बाद भी यदि प्रमाण पत्र नहीं बनाए जा रहे हैं तो यह सीधे तौर पर लापरवाही और मनमानी को दर्शाता है। **मुख्यमंत्री पोर्टल पर पहुंचा मामला**-लगातार हो रही अनदेखी से परेशान होकर लक्ष्मी देवी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए पूरे मामले की जांच और शीघ्र कार्यवाही की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रमाण पत्र जारी नहीं हुए तो अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।मामले को लेकर जब लेखपाल संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र मिश्रा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है और तथ्यों की जांच की जा रही है। यदि तथ्य सही है तो दस्तावेज अवश्य बनाए जाएंगे। एसडीएम सदर अश्विनी कुमार ने कहा कि प्रार्थना पत्र को सभी दस्तावेजों के साथ कार्यालय भेज दिया जाए, आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। **सरकारी दावों पर सवाल**- यह मामला शासन के उन दावों पर सवाल खड़े करता है, जिनमें कहा जाता है कि विधवाओं और आश्रितों को समयबद्ध तरीके से सरकारी लाभ दिए जाएंगे। पति की मौत के बाद नौकरी की आस लगाए बैठी महिला आज भी प्रमाण पत्रों के लिए भटकने को मजबूर है। जब एक पुलिसकर्मी के परिवार को ही समय पर न्याय और सरकारी लाभ नहीं मिल पा रहा है, तो आम नागरिकों की स्थिति क्या होगी।

एसपी ने अपराधों की विवेचना प्रगति की लेकर की बैठक, दिए निर्देश

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने जनपद के समस्त थाना प्रभारियों एवं विवेचकों के साथ गंभीर अपराधों की विवेचना प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने जनपद के समस्त थानों में पंजीकृत गंभीर अपराधों जैसे बलात्कार, गैंगरेप, अपहरण एवं अन्य संवेदनशील प्रकरणों की विवेचना प्रगति पर बिंदुवार विस्तृत चर्चा की तथा सभी संबंधित विवेचकों को निर्देशित किया कि विवेचनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा अनावश्यक विलम्ब हर स्तर पर रोका जाए। उन्होंने लंबित विवेचनाओं के सम्बन्ध में यह भी निर्देश दिए कि गंभीर अपराधों में त्वरित जांच, वैज्ञानिक साक्ष्यों का उपयोग, पीड़ित पक्ष का समुचित सहयोग तथा अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी को प्राथमिकता दी जाए। कहा कि सभी थाना प्रभारी निरीक्षक और विवेचक अपने-अपने कार्य क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, समयबद्ध रिपोर्ट प्रेषण, प्रभावी पर्यवेक्षण और निरंतर समीक्षा के माध्यम से अभियोगों के सफल निस्तारण को सुनिश्चित करें, जिससे न्यायालयीन प्रक्रिया समय पर पूर्ण हो सके एवं पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने की प्रक्रिया सुदृढ़ हो। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण भंवरे दीक्षा अरूण, अपर पुलिस अधीक्षक नगर देवेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी तिलहर ज्योति यादव, क्षेत्राधिकारी नगर पंकज पंत सहित जनपद के समस्त थानों के प्रभारी निरीक्षक और विवेचक आदि मौजूद रहे।

रेल प्रशासन ने दुकानों को तोड़ा सपा जिलाध्यक्ष ने किया विरोध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। रेलवे स्टेशन पर अमृत योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों के बीच मालगोदाम रोड को चैड़ा करने के लिए गुरुवार को रेलवे प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए करीब एक दर्जन दुकानों और खोखों को लोडर से तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान आरपीएफ के साथ रेलवे के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि रेलवे प्रशासन ने करीब एक माह पहले अतिक्रमण हटाने के लिए दुकानदारों को नोटिस जारी किया था। इसके बाद तीन दिन पहले अंतिम चेतावनी दी थी। इसके बावजूद कई दुकानदारों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। गुरुवार सुबह रेलवे की टीम ने लोडर से दुकानों को तोड़ दिया। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार के सामने नए फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियां, टिकट घर और अन्य सुविधाओं के निर्माण के लिए मार्ग चैड़ा किया जाना है। इसको लेकर रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटवाया गया है।वहीं, सूचना पर सपा जिलाध्यक्ष/पूर्व चेयरमैन तनवीर खां मौके पर पहुंचे। उन्होंने रेलवे की कार्रवाई को मनमाना रवैया बताया, कहा कि लोगों का रोजगार छीना जा रहा है। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों से बातचीत कर उन्हें पूरी मदद का भरोसा दिलाया। तनवीर खां ने बताया कि मालगोदाम के पास लगभग 35-40 वर्षों से किराना, चाय के होटल और पान की दुकान आदि थीं। जिनको शाहजहांपुर रेलवे प्रशासन ने बिना नोटिस दिए नौ दुकानों को अवैध रूप से तोड़ दिया। दुकानदारों की रोजी-रोटी छीन ली गई, जबकि दुकानों का मुकदमा हाईकोर्ट में विचाराधीन है। साथ ही कुछ दुकानों की जमीन नगर निगम में भी आती है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने विभाग को बचाने के लिये लगाई फर्जी आख्या

क्लास के अंदर बच्ची का पैर टूट जाने के बाद प्रधानाध्यापिका ने इलाज भी नही कराया, खंड शिक्षा अधिकारी ने लगा दी फर्जी आख्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मैगलगंज खीरी। जनपद मे खंड शिक्षा अधिकारी ने अपने विभाग को बचाने में लगाई कोई कसर नही छोड़ते हुए फर्जी आख्या लगाकर विभाग की कमियों को छिपाने का प्रयास किया।

विद्यालय मे क्लास के अंदर ही बच्ची का पैर टूट जाने के बाद ना ही प्रधानाध्यापिका ने इलाज कराया और न ही कोई हालचाल लिया उल्टा पीड़ित द्वारा शिकायत करने पर खंड शिक्षा अधिकारी ने फर्जी आख्या लगाकर विभाग की कमियों को छुपाने का भरसक प्रयास किया।पीड़ित ने बताया कि शिकायत करने पर प्रार्थना पत्र को गलत तरीके से तोड़ मरोड़ कर फर्जी आख्या खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा लगाई गई है।पीड़ित ने बताया कि मेरी बेटी का प्राथमिक उपचार नहीं करवाया गया और मेरी बच्ची को ऐसे ही छोड़ दिया उसके बाद हमने अपनी बच्ची का इलाज करवाया उसमे 15000 रुपए मेरे अतिरिक्त खर्चा हुआ जोकि प्रधानाध्यापिका ने देने से स्पष्ट मना कर दिया और कहा जाओ तुमको जो भी करना है कर लो मेरे स्टाफ का मामला है जो मै बोलूंगी वही होगा और मेरी ही कहेगा और वही खंड शिक्षा अधिकारी ने किया। पीड़ित के शिकायत करने पर खंड शिक्षा अधिकारी ने फर्जी तरीके से आख्या लगा दी और उसे फर्जी व्याख्या में दिखा दिया कि पीड़ित को ?10000 रुपए इलाज के लिए प्रधानाध्यापिका द्वारा दिलवा दिए गए हैं, शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले स्कूल में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। मैगलगंज क्षेत्र के संविलियन विद्यालय में कक्षा 5 की छात्रा रेखा उम्र 12 वर्ष, निवासी मोहल्ला मुर्गीखाना का पैर टूट गया। परिजनों का आरोप है कि घटना के समय कक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही प्रधानाध्यापिका उर्मिला रस्तोगी क्लास में मौजूद नहीं थीं, बल्कि बाहर मोबाइल फोन पर रील देखने में व्यस्त थीं जानकारी के अनुसार, घटना 16 जुलाई 2025 को दोपहर करीब 12 बजे घटी। कक्षा के अंदर बच्चों के बीच झगड़े के दौरान छात्रा रेखा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल उपचार के लिए ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका पैर टूटने की पुष्टि की और प्लास्टर चढ़ाना पड़ा। पीड़ित छात्रा के पिता कुलदीप ने जिलाधिकारी खीरी को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए प्रधानाध्यापिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि यदि प्रधानाध्यापिका अपनी ड्यूटी निभा रही होतीं तो यह हादसा नहीं होता। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब अभिभावक ने मामले की शिकायत करनी चाही, तो प्रधानाध्यापिका ने उन्हें धमकाने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही अभिभावक ने जिलाधिकारी खीरी से गैर-जिम्मेदार शिक्षिका के खिलाफ क्क्रञ्ज दर्ज करने और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, छात्रा के दर्दनाक हालात को देखते हुए स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है।स्थानीय सामाजिक संगठनों और अभिभावकों का कहना है कि विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, और इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उक्त प्रकरण मे जब बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार को उनके सी यू जी नंबर पर कॉल किया गया तो उनका फोन स्विच ऑफ गया।

विधायक ने किया करोड़ों की लागत से बने विकास कार्यों का उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने गुरुवार को ब्लॉक सालारपुर क्षेत्र के ग्राम बादल, निजामपुर, बदायूं नगर के चौधरी सराय में किया सीसी की सड़कों का उद्घाटन किया। साथ-साथ ग्राम चकोलर में बारात घर, पंचायत भवन, सदभावना भवन, अंत्येष्टि स्थल आदि विकास कार्यों काभी लोकार्पण किया। सभी जगहों पर जनता ने लोकप्रिय विधायक का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रमों में जनता को संबोधित करते हुए सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा की आप लोगों ने मुझे विधायक इसलिए बनाया है कि मैं आपके गांव का विकास कराऊं आपके क्षेत्र का विकास करूं आपके सुख-दुख में साथ रहूं और मेरा पूरा प्रयास है मैं 24 घंटे जनता की सेवा में रहता हूं मुझे खुशी है मेरी विधानसभा क्षेत्र के एक-एक गांव में विकास के काम हो रहे हैं चाहे शहर का विकास हो चाहे गांव का विकास हो चाहे छोटी सड़के हो चाहे बड़ी, सड़के हो बारातघर हो या अन्य परियोजनाओं में जहां जिस चीज की जैसी आवश्यकता है मैं लगातार क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत रहता हूं और आपने देखा होगा लगातार मैं किसी न किसी गांव और शहर में सड़कों के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम करता रहता हूं यह सब इसलिए संभव है क्योंकि आपने मुझे विधायक बनाया आपके आशीर्वाद से केंद्र और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार चल रही है और यह दोनों सरकार गांव गरीब किसान नौजवान के लिए समर्पित हैं अभी केंद्र सरकार ने श्री राम जी योजना जो पहले मनरेगा के नाम से चलती थी उसमें काफी सुधार किया है जहां पहले 100 दिन रोजगार की गारंटी थी वहीं अब 125 दिन रोजगार की गारंटी है और यह सब 2047 में भारत विकसित बने उसके लिए काम हो रहा है आज उत्तर प्रदेश विकास के रास्ते पर चल पड़ा है नए नए एक्सप्रेस वे बन रहे है, गांव का विकास हो रहा है।

उसी क्रम मे हमारी विधानसभा भी विकास के रास्ते पर दौड़ रही है विधानसभा में विकास की गति ऐसे ही निरंतर चलती रहेगी इसके लिए हमारा प्रयास जारी रहेगा। कार्यक्रम को ब्लॉक प्रमुख अनेकपाल सिंह पटेल, जिला महामंत्री सुधीर श्रीवास्तव मंडल अध्यक्ष नवरंग पाल,राघव सिंह चौहान,जिला पंचायत सदस्य जयपाल दिवाकर,अनुज सक्सेना, वीरेश यादव, अनिल सिंह, सियाराम गुरु, राजेश पाल प्रधान, मेवाराम नप्रधान, चंद्रपाल, आकिल, शालिम, फहीम, जमशेद, मुनेन्द्र आदि लोग मौजूद रहे।

जेम पोर्टल के माध्यम से बदायूँ के औद्योगिक आस्थानों में रिक्त भूखण्डों का ई-आक्शन

बदायूँ। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र के उपायुक्त उद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में उद्योग निदेशालय के अन्तर्गत विकसित राजकीय औद्योगिक आस्थानों व मिनी औद्योगिक आस्थानों ने रिक्त भूखण्डो व शेडों को जैम पोर्टल पर फारवर्ड ई-आक्शन प्रकिया के माध्यम से एकीकृत रूप से आवंटित्त किये जाने हेतु निदेशालय के द्वारा निर्देशित किया गया है।

उन्हांने बताया कि प्रथम चरण में प्रदेश के पश्चिमांचल के जनपद में स्थापित औद्योगिक आस्थानों/मिनी औद्योगिक आस्थानों जिसमें जनपद बदायूँ का औद्योगिक आस्थान सालारपुर, मिनी औद्योगिक आस्थान उझानी, मिनी औद्योगिक आस्थान सहसवान, मिनी औद्योगिक आस्थान बिसौली में रिक्त भूखण्डों को आवंटित किये जाने हेतु जैम बिड निर्गत की जा रही है। यह भूखण्डों / शेडों को बिड सं0 29097 द्वारा फारवर्ड ई-ऑक्शन जेम पोर्टल के माध्यम से ऑक्शन बिड नम्बर 29097, वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट जेम डॉट जीओवी डॉट आईएन पर आवेदन लिए जायेगे।

शहर में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, व्यापारियों से नोकझोंक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। शहर के गोपीचौक से लेकर टिकटगंज चौराहा तक यातायात सुधारने, की समस्याओं को दूर करने के लिए प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया है, जिसमें फुटपाथ, सड़कों और नालों पर हुए अवैध कब्जों (ठेले, दुकानें, निर्माण) को हटाया गया है, जिससे व्यापारियों और अधिकारियों के बीच नोकझोंक भी हुई। शहर के मुख्य मार्गों पर जाम खत्म करना, फुटपाथों को पैदल चलने वालों के लिए सुलभ बनाना और सार्वजनिक भूमि का सही उपयोग सुनिश्चित करना।

नगर पालिका की टीमें, सिटी मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी ,कोतवाली पुलिस के साथ मिलकर शहर के गोपी चौक चौराहे से लेकर टिकटगंज चौराहे तक अवैध दुकानों, ठेलों और स्थायी-अस्थायी निर्माणों को ध्वस्त किया। जिससे व्यापारी नाराज हो रहे हैं। जबकि अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दोबारा अतिक्रमण होने पर सख्त कार्रवाई होगी और वेंडिंग जोन का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

आशा एवं संगिनी कार्यकर्ताओं की हड़ताल जारी, डीएम कार्यालय का किया घेराव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। आशा एवं संगिनी कार्यकर्ताओं की हड़ताल 24वें दिन भी जारी रही। बृहस्पतिवार को कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट विनोद कुमार को सौंपा। धरना स्थल पर आयोजित बैठक में नौ जनवरी को बरेली स्थित मंडलायुक्त कार्यालय पर होने वाले प्रदर्शन को प्रभावी बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि जब तक सरकार आशा-संगिनी कार्यकर्ताओं की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से रोज नए-नए कार्यादेश जारी किए जा रहे हैं, लेकिन 24 दिनों से जारी आशा और संगिनियों की पीड़ा किसी को सुनाई नहीं दे रही है। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए कैंप लगाए जा रहे हैं और इस कार्य में आशा और संगिनी कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई जा रही है, जबकि विगत वर्षों में इस कार्य के लिए देय 225 करोड़ रुपये के पारिश्रमिक पर सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मौन हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि साप्ताहिक अवकाश के दिन लगने वाले आरोग्य मेलों में काम लेने पर आशा-संगिनियों को क्या भुगतान किया जाता है। जिला सचिव मुनिशा ने कहा कि यदि 9 जनवरी के बाद भी समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की रणनीति में बदलाव कर संघर्ष को और तेज किया जाएगा। उपाध्यक्ष निर्दोष, सहसचिव मनीषा, कोषाध्यक्ष नीलम सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी आंदोलन को मजबूती देने की अपील की। इस मौके पर दर्शाना, मीना, मुन्नी, किरण, लांगश्री, वेशावती, रूबी, अर्चना आदि मौजूद रही।

एसआईआर व खण्ड शिक्षक निर्वाचक नामावलियों के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्र के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर जनपद बदायूँ की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान तथा खण्ड शिक्षक निर्वाचक नामावलियों की तैयारियों के संबंध में मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में निर्वाचन नामावलियों के अद्यतन, दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण, बीएलए की नियुक्ति की स्थिति तथा मतदान स्थलों के समायोजन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अवगत कराया गया कि निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी 2026 को किया गया है तथा दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। नामावलियों से संबंधित सुनवाई, सत्यापन एवं निर्णय की प्रक्रिया 27 फरवरी 2026 तक पूर्ण की जाएगी, जबकि अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 06 मार्च 2026 को किया जाएगा।

बैठक में यह भी बताया गया कि जनपद की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा बीएलए की नियुक्तियां की गई हैं, जिससे पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा सके। बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक नागरिकों को मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने हेतु प्रेरित करें, जिससे लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। खण्ड शिक्षक निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2026 मंगलवार को किया गया, जिसमें जनपद में बनाए गए 10 बूथां में 3893 मतदाता हैं। इस अवसर एडीएम एफआर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कुएं पर बने निजी अस्पताल प्रकरण में नया मोड़, पार्षद पति को धमकी के विरोध में सर्राफा व्यापारियों ने बंद किया बाजार

निजी अस्पताल को कारण बताओ नोटिस जारी

कुंए पर अस्पताल बनाने की पार्षद ने की है शिकायत

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर शहर के मौहल्ला सोतियान में स्थित कुएं को पाटकर निजी अस्पताल बनाये जाने की शिकायत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। मामले की शिकायत करने वाली सभासद का कहना है कि उसके पति को जान से मारने की धमकी मिली है। इस आरोप के बाद सर्राफा व्यवसाईयों ने सभासद के समर्थन में गुरुवार को दुकानें बन्द रखीं । बिजनौर के वार्ड-29 की सभासद लक्ष्मी अग्रवाल वर्मा के सर्राफा कारोबारी पति को जान से मारने की धमकी दिए जाने के विरोध में गुरुवार को सर्राफ़े की दुकानें बद कर दी गई। सभासद का कहना है कि शहर के मुहल्ला सोतियान में स्थित कुएं पर निजी अस्पताल बनाए जाने की शिकायत पर पालिका प्रशासन ने उक्त अस्पताल के संचालक डाक्टर दीपिका चौधरी को नोटिस दिया था। कुआं घासीराम के नाम से दर्ज है। सभासद का आरोप है कि अस्पताल के संचालक एवं उनके स्वजन ने उनके प्रतिष्ठान पर आकर उनके पति को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के बावजूद पुलिस ने भी इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं की। सर्राफा कारोबारी विजय सागर वर्मा को जान से मारने की धमकी दिए जाने के विरोध में गुरुवार को सदर बाजार में सर्राफ़े की दुकानें बंद कर दी गई। बाजार में हुई बैठक में सभासद लक्ष्मी अग्रवाल वर्मा ने कहा कि पालिका परिषद के रिकार्ड में 13वें नंबर पर शहर के मुहल्ला सोतियान में घासीराम के नाम से कुआं दर्ज है। उन्होंने इस प्रकरण की शिकायत एडीएम प्रशासन अंशिका दीक्षित एवं डीएम जसजीत कौर से की। डीएम ने इस प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई कराए जाने के आदेश पालिका के अधिकारी को दिए थे। दो जनवरी को अधिशासी अधिकारी ने अस्पताल के संचालक को दिए नोटिस में जवाब मांगा था। सभासद का आरोप है कि अस्पताल के संचालक और उनके स्वजन ने सदर बाजार में स्थित उनके प्रतिष्ठान पर पहुंचकर उनके पति सर्राफा कारोबारी विजय सागर वर्मा को जान से मारने की धमकी दी। बैठक में मौजूद सर्राफा कारोबारियों ने इस प्रकरण की जांच कराकर आरोपितों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। बिजनौर नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विकास कुमार का कहना है कि मौहल्ला सोतियान में पालिका रिकार्ड में 13 वें नम्बर पर दर्ज घासी राम का कुआं है । इस पर निजी अस्पताल बनाये जाने की शिकायत मिली है। इसी के क्रम में अस्पताल संचालक को नोटिस जारी किया गया है लेकिन अभी जबाब नहीं मिला है।

मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तीन युवक गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। थाना सिविल लाइंस पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन अभियुक्तों को 02 किलो 954 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ डॉ. बृजेश कुमार सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर विजयेन्द्र द्विवेदी तथा क्षेत्राधिकारी नगर रजनीश कुमार उपाध्याय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइंस के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। रात्रि गश्त एवं संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम व पते इस प्रकार हैं राजीव पुत्र भूरे, निवासी ग्राम अम्बियापुर, थाना बिनावर, जनपद बदायूँ, सुमित पुत्र भजनलाल, निवासी ग्राम मोहम्मद नगर, थाना सिविल लाइंस, जनपद बदायूँ, इब्रीश कुमार पुत्र देव प्रकाश, निवासी ग्राम मोहम्मद नगर, थाना सिविल लाइंस, जनपद बदायूँ।बरामदगी के संबंध में थाना सिविल लाइंस पर मु0अ0सं0ऽ16/2026, धारा 8/18/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। अभियुक्तों से 954 ग्राम मादक पदार्थ (अफीम), 01 मोटर साइकिल, 03 मोबाइल फोन।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अखिल तोमर, कांस्टेबल बैसला, कांस्टेबल रितेश कुमार, कांस्टेबल नवनीत शर्मा, कांस्टेबल सतेंद्र सिंह इत्यादि शामिल रहे।

विकासखण्ड बनिया खेड़ा के पीएम श्री विद्यालय भुलावई में ग्राम चौपाल का किया गया आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल (बहजोई)। आज विकासखंड बनिया खेड़ा के पीएम श्री विद्यालय भुलावई में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में सुशासन, स्वास्थ्य,आजीविका ,शिक्षा की थीम पर ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया। ग्राम चौपाल में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश शासन श्री धर्मवीर प्रजापति जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री हरेन्द्र सिंह रिंकू जी तथा पूर्व एम एल सी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री परमेश्वर लाल सैनी जी एवं मा. मंत्री माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्रीमती गुलाब देवी जी के प्रतिनिधि श्री चन्द्रसेन दिवाकर जी ने प्रतिभाग किया। ग्राम चौपाल में सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर ग्राम चौपाल का शुभारंभ किया गया। विद्यालय की बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत गाया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का अंगवस्त्र एवं स्थानीय कृषि उत्पाद देकर स्वागत किया एवं अन्य अतिथियों का भी स्वागत किया गया। ग्राम चौपाल में विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग,आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया। पेंशन एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के विषय में ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी संबंधित ने बताया कि शासन द्वारा पहले लाभार्थी को 51 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती थी जिसको बढाकर अब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को एक लाख रुपये की धनराशि दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी द्वारा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित प्रमुख योजनाओं आयुष्मान गोल्डन कार्ड, टीकाकरण, एएनसी जांच आदि के विषय में ग्रामीणों को बताया। उप निदेशक कृषि अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में जानकारी दी तथा उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री,फैमिली आईडी एफपीओ आदि को लेकर जानकारी दी ।मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थियों तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत लखपति दीदी अनुपमा सिंह जोकि 26 जनवरी की परेड़ में दिल्ली में सम्मिलित रहेंगी तथा मा. कृषि मंत्री जी के साथ परिचर्चा में भाग लेंगी तथा फार्मर रजिस्ट्री एवं किसान सम्मान निधि के 5 लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि विकसित भारत जी राम जी के अंतर्गत 125 दिन की रोजगार गारंटी सरकार के द्वारा दी जा रही है और किसी वजह से रोजगार नहीं प्राप्त होता है तो बेरोजगारी भत्ता भी प्राप्त होगा। माननीय प्रधानमंत्री जी ने बहन बेटियों को आगे लाने का प्रयास किया है। जिलाध्यक्ष जी ने जनपद में बने पीएम श्री विद्यालयों की सराहना की। मुख्य अतिथि माननीय प्रभारी मंत्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत बने समूह के माध्यम से बहन बेटियां आत्मनिर्भर बने यही सपना हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी का है और उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में किसी के साथ कोई भी भेदभाव नहीं किया जाता है तथा सभी को समान समझते हुए सभी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। मंत्री ने ग्राम चौपाल का महत्व बताते हुए कहा कि जिला प्रशासन आपके गांव में आपके द्वार पहुंचा है तथा गांव की समस्याओं का गांव में ही निराकरण किया जा रहा है यही ग्राम चौपाल का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि शासन के द्वारा प्रत्येक जनपद में प्रभारी मंत्री भी नियुक्त किए गए हैं तथा उनके माध्यम से भी जनपदों में समस्याओं का समाधान किया जा रहा है माननीय मंत्री जी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के विषय में बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा जिले के सभी अधिकारी गण बेटियों को आशीर्वाद देने आते हैं। अतः माननीय मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शादियां के लिए पात्र परिवारों को जागरूक किया जाए । मंत्री ने विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन(ग्रामीण)अधिनियम : वी बी जी राम जी अधिनियम के विषय में ग्रामीणों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने बताया कि पहले मनरेगा के अंतर्गत 100 दिन का रोजगार मिलता था लेकिन नए अधिनियम के तहत इसको बढ़कर 125 दिन का रोजगार कर दिया गया है तय समय पर काम न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान को और सशक्त बनाया गया है।मजदूरी अगर देर से मिली तो अतिरिक्त राशि देने का भी प्रावधान किया गया है। इसमें परिवारों का पंजीकरण, जॉब कार्ड, काम के आवेदन और योजनाओं के निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा किया जाएगा। माननीय मंत्री जी ने कहा की इस अधिनियम के अंतर्गत जल संरक्षण, अधोसंरचना निर्माण, आजीविका से जुड़े कार्य और आपदा प्रबंधन के कार्य होंगे। ग्राम चौपाल के अंतर्गत आईसीडीएस विभाग के द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन का कार्य माननीय मंत्री जी के द्वारा किया गया।

शिक्षक स्काउट गाइड से जुड़कर विद्यार्थियों को देश सेवा के लिए करें तैयार : डॉ. हिमांशु यादव

मुरादाबाद कैनविज टाइम्स संवाददाता । भारत स्काउट गाइड संस्था मुरादाबाद ने ग्रीन मिडोज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरुवार को अध्यापकों के लिए पांच दिवसीय कोर्स का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला स्काउट कमिश्नर डॉ. हिमांशु यादव ने कहा कि शिक्षक स्काउट गाइड संस्था से जुड़कर अपने विद्यार्थियों को देश सेवा के लिए तैयार करें। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वज शिष्टाचार टाचार (शिक्षक काउंसलिंग) और ध्वज बंधन के साथ वंदना करते हुए हुआ। जिला गाइड कमिश्नर डॉ. वंदना सक्सेना ने कोर्स को बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी मानकर स्काउट गाइड संस्था में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिला कोषाध्यक्ष शिव कुमार शर्मा, जिला सचिव डॉक्टर सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और यह संस्था देश प्रेम के साथ प्रकृति प्रेम भी सिखाती है। इस दौरान सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर बृजेश कुमार, शुभम सैनी, अक्षत शर्मा, मोनिका, सुमित शर्मा आदि मौजूद रहे।

दबंगों का कहर, महिला को ईंट मारकर किया घायल

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता । अलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम अमादपुर निवासी कला देवी पत्नी डंबर सिंह पर एक आरोपी दबंग ने ईंट मारकर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता की ओर से मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

बसौमा में लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 250 मरीजों ने लिया लाभ

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता । उझानी क्षेत्र के ग्राम बसोमा स्थित रजत विद्या मंदिर विद्यालय, बसौमा में शिखर नर्सिंग होम द्वारा आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में करीब 250 मरीजों ने चिकित्सकीय परामर्श, जांच एवं दवाओं का लाभ उठाया। विद्यालय परिसर में आयोजित शिविर में डॉ. आर.के. वर्मा (वरिष्ठ फिजीशियन, जिला चिकित्सालय बदायूँ), डॉ. कुमार बासु (नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रियंका दयाल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. आशीष राजपूत (जनरल फिजीशियन) ने मरीजों का परीक्षण किया। आवश्यकता अनुसार विभिन्न जांचें नि:शुल्क की गईं तथा दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान कई मरीजों की बीपी व शुगर की जांच कर उन्हें उचित खान-पान एवं साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर फार्मा सिस्ट अर्पित सिसोदिया, राजेश वर्मा, विशाल वर्मा, स्टाफ नर्स सोनी पाल, शिवी, फरहीन सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। विद्यालय के प्रबंधक शिवकुमार गुप्ता एवं निदेशक इंजीनियर रजत गुप्ता ने शिविर में आए चिकित्सकों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा को लेकर संपर्क अभियान तेज

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिरुआबाड़ी मंदिर से कछला तक निकलने वाली सनातन हिंदू एकता पदयात्रा के लिए संपर्क अभियान तेज कर दिया गया है। गांव-गांव निमंत्रण पत्र बांटे जा रहे हैं, वहीं बाजारों, दुकानों और मोहल्लों में भी जनसंपर्क किया जा रहा है। यात्रा प्रमुख भागवत भास्कर आचार्य पं. श्री मुमुक्षु कृष्ण दद्दा जी महाराज अपने सहयोगियों के साथ घर-घर जाकर लोगों को सनातन धर्म और हिंदुत्व के महत्व से अवगत करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म शाश्वत जीवन व्यवस्था है और हिंदुत्व भारत की संस्कृति, परंपरा व स्वाभिमान का प्रतीक है। पूज्य महाराज ने सभी सनातनी हिंदू भाई-बहनों से पदयात्रा में तन- मन-धन से सहभागी बनने का आह्वान किया। संपर्क अभियान में दिनेश चंद्र मिश्र, अर्जुन लाल गुप्ता सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

बच्ची को पटककर घायल करने के मामले में चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव भैसोरा में चार वर्षीय मासूम बच्ची अनुष्का को पटककर घायल किए जाने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बच्ची की मां रेनू ने गांव के ही कुंवरपाल, भुवनेश, दिनेश व गौरव पर आरोप लगाया है कि उनकी मासूम बेटी उनके घेर में चले जाने से नाराज़ होकर आरोपियों ने उसे पटककर घायल कर दिया। इस संबंध में पीड़िता की मां द्वारा कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र दिया गया था। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराकर चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की जांच उपनिरीक्षक प्रेमपाल सिंह को सौंपी गई है।

बदायूं हाईवे पर कार की छत पर डांस करने वाला निकला किन्नर, मांगी माफी

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। बदायूं में हाईवे पर चलती कार की छत पर नृत्य करने का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया।जांच में सामने आया कि कार की छत पर नृत्य करने वाला व्यक्ति एक किन्नर है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस द्वारा कार्रवाई की तैयारी की जा रही थी, लेकिन उससे पहले ही संबंधित किन्नर ने अपनी गलती स्वीकार कर ली। किन्नर ने सार्व जनिक रूप से माफी मांगते हुए भविष्य में इस प्रकार की हरकत दोबारा न करने का आश्वासन दिया। पुलिस ने मामले में चेतावनी देकर छोड़ दिया और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि इस तरह की लापरवाही से न केवल अपनी बल्कि अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है।

छत्तीसगढ़ जंबूरी के लिए बदायूं से सात स्काउट रवाना

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा के नेतृत्व में प्रथम राष्ट्रीय रोवरऽरेंजर जंबूरी 2026 में लेंगे भाग, भारत स्काउट गाइड संस्था के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ के जिला बालोद स्थित दूधली में आयोजित होने जा रही प्रथम राष्ट्रीय रोवरऽरेंजर जंबूरी 2026 के लिए बदायूं जिले के सात स्काउट रवाना हुए। दल को जिला मुख्यायुक्त एवं प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश चंद्र सक्सेना ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व जिला मुख्यायुक्त डॉ. वीरपाल सिंह सोलंकी ने स्काउट्स को ट्रैकसूट व किट प्रदान कर सम्मानित किया। जंबूरी 09 से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित होगी, जिसमें देश-विदेश से लगभग 18 हजार स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर भाग लेंगे। बदायूं से रोहित गुप्ता, फरदीन अहमद, जीवन गोला, सौरभ गौतम, हिमांशु, अरुण कुमार व मुजम्मिल सैफी प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला संगठन कमिश्नर मोहम्मद असरार, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार सक्सेना सहित स्काउट प्रशिक्षक व पदाधिकारी मौजूद रहे।

कब्रगाह बना गोण्डा जिला महिला अस्पताल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । उत्तर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर कई तरह के वादे किए जाते हैं लेकि न गोंडा जिला महिला अस्पताल में आए दिन प्रसुताओं और नवजात शिशुओं की मौत पर अब योगी सरकार पर सवाल उठने लगे हैं, योगी के स्वास्थ्य मंत्री की नाकामी से जनता परेशान हो रही है,योगी सरकार के अस्पतालों का बुरा हाल है जिला महिला अस्पताल में आए दिन नवजात बच्चों का प्रसुताओं की मौत हो रही है लेकिन अस्पताल प्रशासन हवाई योगी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री चुप्पी साधे हुए हैं, जिला महिला अस्पताल में बुधवार को डिलीवरी के बाद एक 35 वर्षीय मंजू देवी की मौत हो गई। इस घटना को लेकर देर रात चार बजे तक परिजनों ने हंगामा किया।सूचना मिलने पर सीएमओ डॉ संतलाल पटेल मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाया जिसके बाद शव

को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।सीएमओ डॉ.संतलाल पटेल ने मामले का संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय जां च कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में एक एडिशनल सीएमओ,एक सीनियर डॉक्टर और एक विशेषज्ञ शामिल हैं।यह टीम पूरे मामले की जांच कर सीएमओ को रिपोर्ट सौंपेगी डॉ.संत लाल पटेल ने बताया कि यह घटना दुखद है और उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं उन्होंने कहा कि परिजनों के आरोपों पर जां च कमेटी बनाई गई है।जांच रिपोर्ट में लापरवाही पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्र वाई की जाएगी।उन्होंने यह भी जोड़ा कि कोई भी डॉक्टर या कर्मचारी जानबूझकर लापरवाही नहीं करता,लेकिन आरोपों की जांच की जा र ही है।वही नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी ने ब ताया कि देर रात चले हंगामे को शांत कराकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है परिजनों से एक तहरीर भी ली गई है,जिसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जां च कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर आगे की का र्रवाई सीएमओ के द्वारा की जाएगी। दरअसल जिला महिला अस्पताल में अक्सर इस तरीके से लापरवाही भारी तस्वीर निकलकर सामने आती रहती हैं लेकिन सुधार होने के बजाय औ र बढ़ रही है लेकिन जिला प्रशासन और सरका र चुप्पी शादी हुई है।

छपिया ब्लॉक में मनरेगा योजना में फर्जीवाड़ा बनियान और गमछे से खुली पोल

खजूरी, तिरखा बुजुर्ग, खामरिया बुजुर्ग, इटैलिया, ग्राम पंचायत में चल रहा खेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । विकासखण्ड छपिया में मनरेगा योजना में अधिकारियों और कर्मचारियों का फर्जीवाड़े का खेल जमकर खेला जा रहा है।मजे की बात तो यह है कि ग्राम पंचायतों में भीषण ठंड के बाव जूद गमछा, बनियान व शर्ट पहने मजदूरों और महिलाओं की फोटो ही अपलोड कर सरकारी धन की लूटपाट की जा रही जिसे देखकर वि कास विभाग के अफसर भी दंग रह जाएंगे। इस फर्जीवाड़े का सनसनीखेज मामला सामने मनरेगा के साइड पर देखने के बाद भी बीडीओ एपीओ और डीसी मनरेगा अंजान बने हुए हैं। जिले के छपिया विकास खंड क्षेत्र के खजूरी, तिरखा बुजुर्ग,खामरिया बुजुर्ग ग्राम पंचायत में फर्जीवाड़े का यह खेल ऐसे समय पर खेला जा रहा है जब पूरा प्रदेश भीषण ठंड से जूझ रहा है जिले में घना कोहरा और भीषण सर्दी के बी च 31 ग्राम पंचायतों में 38 निर्माण कार्यों के लिए एक सौ इक्कतीस मस्टर रोल में एक हजा र तैतीस मजदूरों के काम करने का दावा किया गया है।खजूरी,तिरखा बुजुर्ग,खामरिया बुजुर्ग

ग्राम पंचायत के मस्टररोल में गमछा, बनियान शर्ट पहने मज दूरों व महिलाओं की फोटो साइ ट में अपलोड कर दी गई।साइड पर अपलोड फोटो की पड़ताल करने पर सच्चाई सामने आ ई तो लोग देख कर सन्न रह गए।अपलोड फो टो में डबल रोल में मजदूर नजर आ रहे है। खजूरी में 84 तिरखा बुजुर्ग में 75 खामरिया बुजुर्ग में 49 दिखने वाली तस्वीरों को प्रत्येक दिन दो बार तक अलग - अलग मस्टर रोल में अपलोड कर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है।गांव के ही एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मजदरों की यहीं फोटो एक कई कार्यों में दोहराई गई है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है इस ग्राम पंचायत में आए दिन फर्जीवाड़ा होता रहता है।इससे स्पष्ट है कि हाजिरी पूरी तरह से फर्जी भरी गई अंधेर गर्दी भी देखिए कि मजदूरों के बीच एक कड़ाके की ठंड में लोवर और बनियान पहने हुए व्यक्तियों और महिलाओं की फोटो सरकारी पोर्टल पर अपलोड की जा रही है।

महर्षि बालार्क चिकित्सालय का प्रमुख सचिव ने किया निरीक्षण

निर्माण परियोजनाओं का लिया जायज़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता मामले रणवीर प्रसाद ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र के साथ महर्षि बालार्क चिकित्सालय पहुंच कर कार्यदायी संस्था सीएनडीएस द्वारा निर्माणाधीन 50 बेडेड क्रिटिकल केयर यूनिट का भी निरीक्षण कर कार्य के प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को नियमित रूप से कार्यस्थल का निरीक्षण करते रहने के निर्देश दिये। इसके उपरान्त श्री प्रसाद ने निर्माणाधीन 60 बेडेड आर्थो वार्ड व नर्सिंग हास्टल का निरीक्षण कर कार्यदायी संस्था यूपीआरएनएन के अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों को निर्धारित मानक व गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण किया जाय।

निर्माणाधीन कार्यों के निरीक्षण के उपरान्त प्रमुख सचिव श्री प्रसाद ने महर्षि बालार्क चिकित्सालय के इमरजेन्सी वार्ड, ओ.पी.डी., आईसीयू वार्ड, हिंसक वन्यजीवों के हमलों में घायल व्यक्तियों के उपचार हेतु बनाये गये आइसोलेशन वार्ड व अन्य वार्डो का निरीक्षण कर साफ-सफाई तथा मेडिकल कालेज द्वारा मरीज़ों एवं तीमारदारों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं एवं सुविधाओं का जायज़ा लिया। प्रमुख सचिव श्री प्रसाद ने प्राचार्य प्रो. डॉ. संजय खत्री व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एमएमएम त्रिपाठी को निर्देश दिया कि चिकित्सालय आने वाले मरीज़ों को शासन द्वारा अनुमन्य सुविधाए प्रदान की जायें। श्री प्रसाद ने यह भी निर्देश दिया कि ऐसा मास्टर प्लान तैयार करे कि यह मेडिकल कालेज भविष्य में आदर्श इकाई के रूप में कार्य करते हुए जनपद तथा आस-पास के क्षेत्रों के मरीज़ों को बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान कर सके।

नानपारा के ग्राम गुजरातीपुरवा में सम्पन्न हुआ कम्बल वितरण कार्यक्रम

विधायक नाननपारा ने एसडीएम के साथ वितरित किये कम्बल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । निर्धन, असहाय व निराश्रितों को कड़ाके की ठण्ड से राहत दिलाये जाने के उद्देश्य से तहसील नानपारा अन्तर्गत थाना खैरीघाट के ग्राम गुजरातीपुरवा में आयोजित कम्बल वितरण कार्यक्रम में विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के साथ 513 ज़रूरतमन्दों को कम्बल का वितरण किया। तहसील प्रशासन नानपारा द्वारा आयोजित कम्बल वितरण शिविर के अवसर पर विधायक श्री वर्मा ने कहा कि कम्बल वितरण से ज़रूरतमन्द लोगों को बड़ी राहत मिली है। श्री वर्मा ने प्रशासन विशेषकर उप जिलाधिकारी की संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि जनसेवा ही जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का प्रमुख दायित्व है। ऐसे कार्यक्रमों से समाज के कमज़ोर वर्ग को संबल मिलता है। श्री वर्मा ने समाज के सक्षम व्यक्तियों का आहवान किया कि वे भी ऐसे पुनीत कार्यों में भागीदार बने।

उप जिलाधिकारी श्रीमती जौहरी ने कहा कि शासन व जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर ऐसे प्रयास किये जा रहे हैं ठंड के मौसम में किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने बताया कि सभी सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि संवेदनशील एवं सक्रिय रहते हुए सभी चिन्हित ज़रूरतमन्दों तक समय से सहायता पहुंचायी जाये। इस असवर पर नायब तहसीलदार नबाबगंज अक्षय व शिवपुर के मथुरा प्रसाद, थानाध्यक्ष खैरीघाट, राजस्व विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अंतिम संस्कार में शामिल होने गए युवक के साथ मारपीट, मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । इटियाथोक थाना क्षेत्र के बेलवा बहुता गांव में बीते तीन जनवरी को मृतक इंद्रदेव सो नकर के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए प ड़ोस गांव के एक युवक पर हमला कर दिया ग या।भीड़ ने पीड़ित व्यक्ति को लात,घुसा और मु क्का थप्पड़ से जमकर मारा पीटा।ग्रामीणों के बीच बराव कराने के बाद पीड़ित की जान बचा ई गई।पीड़ित मनोज कुमार मिश्रा की तहरीर प र इटियाथोक थाने में भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष शिवम कुमार सहित पांच नामजद व पंद्रह अ ज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा सहित अन्य गंभी र धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल राय ने बताया कि पीड़ि त की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर विवेचनात्म क कार्रवाई की जा रही है।

संघ के शताब्दी वर्ष पर अयोध्या में हिंदू सम्मेलन, प्रांत प्रचारक बोले—संगठित रहते तो पराधीन नहीं होते

रामकोट बस्ती के हिन्दू सम्मेलन में दिया गया एकजुटता का संदेश

एजेंसी

अयोध्या । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ के शताब्दी वर्ष पर अयोध्या महानगर के राम लला नगर के राजकोट बस्ती में गुरुवार को सकल हिन्दू समाज की ओर से हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल ने एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि हमें संगठित रहना होगा। कलयुग में संगठन ही शक्ति होती है। हमारा देश हजारों साल तक गुलाम रहा यदि हम संगठित होते तो पराधीन नहीं होते।

समारोह के मुख्य अतिथि बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण महाराज ने कहा कि हमें कटना, बंटना और छंटना नहीं है बल्कि एकजुट रहना है। लगातार सनातन को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। हमें इस कुचक्र के विरुद्ध डटकर खड़े रहना होगा। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे सुप्रसिध्द ज्योतिष आचार्य पंडित राकेश तिवारी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति सह-अस्तित्व और करुणा की परंपरा पर आधारित है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षा, परिवार और समाज के माध्यम से संस्कारों के संवर्धन पर बल देते हुए कहा कि संगठित समाज ही चुनौतियों का सामना कर सकता है। यदि एकजुट नहीं हुए तो सनातन धर्म पर संकट बरकरार रहेगा। जो निरंतर है वही सनातन है। इसके पहले सम्मेलन की शुरुआत भारत माता के चित्र पर अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल ,बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण महारा, आचार्य पंडित राकेश तिवारी महाराज के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया और समापन में सभी ने अपने स्थान पर खड़े होकर सस्वर भारत माता की आरती गई और भारत माता की जय के जयकारे लगाए। सम्मेलन में संघ के महानगर प्रचारक सुदीप , महानगर संघचालक डा. विक्रमा प्रसाद पांडेय, महानगर सह संपर्क प्रमुख रवि दास, महानगर साय प्रचारक आकाश, महानगर कुटुंब प्रबोधन सह प्रमुख पवन पांडेय, प्रचारक सुरेंद्र, राम लला नगर के नगर संघ चालक महंत जय राम दास , नगर निगम महापौर महंत गिरीश पति तिवारी , महंत रामशरण दास रामायणी, महंत राजीव लोचन शरण, महंत बनवारी पति, महंत सनत दास, भवदीय स्कूल ग्रुप के प्रबंधक अवधेश वर्मा, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, डा.प्रज्जवल सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

पैसा वापस मिलते ही पीड़ित के चेहरे पर आई मुस्कान, पुलिस को दिया धन्यवाद

गोंडा कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिले के तरबगंज थाना क्षेत्र के गाँव पूरे गाना बादलपुर के रहने वाले अरविन्द कुमार मिश्रा पुत्र जनार्दन मिश्रा ने साइबर ठगी का शिकार होने की बात प्रार्थना पत्र देकर बताई। 46 हजार पांच सौ रूपये फ्रॉड कर ली गई है। जिसकी ऑनलान शिकायत की गई थी।जिस पर तरबगंज पुलिस की साइबर हेल्पडेस्क टीम ने जिले की साइबर सेल टीम से समन्वय स्था पित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए सम्बंधित बैंक इंटीमेडरी से संपर्क स्थापित किया। इसके बाद पीड़ित को 46,हजार पांच सौ रुपये वापस कराए गए।फ्रॉड हुई रकम वापस मिलने के बा द पीड़ित के चेहरे पर एक बार फिर से मुस्कान लौट आई।उसने पुलिस को धन्यवाद दिया।

साइबर फ्रॉड का शिकार होने से बचे

साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर सूचना अंकित कराये, सूचना विलम्ब से देने पर साइबर अपराधियों द्वारा धन निकाल लिया जा ता है।धन निकलने के उपरान्त पैसे वापस होने की सम्भावना बहुत कम होती है।लोगो को साइ बर ठगों से सावधान रहने की जरुरत है।किसी भी अनजान फोन कॉल पर अपनी बैंक डिटेल, ओटीपी,बायोमैट्रिक डेटा,पैन कार्ड व आधार कार्ड की डिटेल किसी के साथ साझा न करें। फ्रॉड ट्रांजेक्सन होने पर तत्काल अपने बैंक एवं थाना पर गठित साइबर सेल को सूचना दें एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिका यत दर्ज कराएँ।

केडीसी में आयोजित हुआ बालश्रम मुक्त जागरूकता वर्कषॉप

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी ने बताया कि किसान डिग्री कॉलेज के ऑडिटोरियम में जनपद बहराइच को दिसंबर 2026 तक बालश्रम मुक्त करने हेतु जागरूकता वर्कषॉप का आयोजन किया गया। सहायक श्रम आयुक्त द्वारा विद्यार्थियों को बाल एवं किषोरों श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 यथा संषोधित 2016 के संबंध में जानकारी दी गई तथा श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया। सभी विद्यार्थियों को बाल श्रम होता पाए जाने पर विभाग को सूचित करने तथा विभाग की योजनाओं का लाभ लेने हेतु श्रमिकों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। बालश्रम निषेध जागरूकता हेतु पोस्टर तथा विभागीय योजनाओं के पम्पलेट भी वितरित किए गए। कार्यषाला में 'रोसा संस्थान' ने भी आवष्यक सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी सूरज तिवारी, एण्टी हियूमन ट्रेफिकिंग यूनिट प्रभारी सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग की जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में आज जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित सभी योजनाओं की प्रगति की बिन्दुवार समीक्षा की गई। बैठक में सर्वप्रथम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा आपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्युतीकरण एवं फर्नीचर से संतृप्त विद्यालयों के बारे में जनपद स्तरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया एवं सीएसआर के माध्यम से सहयोग प्रदान किये जाने हेतु अनुरोध किया गया तथा नगरीय क्षेत्रों में शौचालय एवं मूत्रालय से असंतृप्त विद्यालयों की सूची जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए उक्त विद्यालयों में नगर पंचायत नगर पालिका आदि के माध्यम से शौचालय का निर्माण कराये जाने का अनुरोध किया गया।

समीक्षा के दौरान आरटीई योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रवेशित बच्चों की संख्या की समीक्षा की गई। बेसिक शिक्षा के अंतर्गत समेकित शिक्षा, मध्यान भोजन के अंतर्गत विभिन्न मदों में आवंटित धनराशियों को ससमय सम्बंधित विद्यालय तथा रसोइया के खातों में प्रेषण की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही समस्त विद्यालयों में किचन गार्डन स्थापित किये जाने हेतु भी निर्देशित किया गया।बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, जिला विकास अधिकारी वीर भानु सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज त्यागी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार द्विवेदी, खण्ड शिक्षाधिकारी हरिओम तिवारी, आर के कश्यप, अर्जुन सिंह, पूजा सिंह सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

आईआईटी कानपुर की प्रो. बुशरा अतीक को जीडी बिरला वैज्ञानिक अनुसंधान पुरस्कार 2025

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर की प्रो. बुशरा अतीक, जैविक विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग में प्रोफ़ेसर तथा अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों की डीन को जैविक विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 35वां जीडी बिरला वैज्ञानिक अनुसंधान पुरस्कार (2025) प्रदान किया गया है। यह जानकारी गुरुवार को आईआईटी कानपुर निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने दी। वर्ष 1991 में केके बिरला फाउंडेशन द्वारा स्थापित जीडी बिरला वैज्ञानिक अनुसंधान पुरस्कार देश के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सम्मानों में से एक है। यह पुरस्कार भारत में कार्यरत 50 वर्ष से कम आयु के उन उत्कृष्ट भारतीय वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में मौलिक और उच्च प्रभाव वाला योगदान दिया हो। इस पुरस्कार के अंतर्गत पांच लाख की नकद राशि प्रदान की जाती है और इसकी चयन प्रक्रिया अत्यंत कठोर एवं चयनात्मक मानी जाती है। इस पुरस्कार का चयन एक विशिष्ट चयन बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसकी अध्यक्षता भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली के अध्यक्ष करते हैं।

चोरी की 14 बाइकों के साथ चार अन्तर जनपदीय वाहन चोर गिरफ्तार

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के थाना जरिया पुलिस ने स्वाट-एसओजी टीम के साथ मिलकर गुरुवार को अंतर्राज्यीय बाइक चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्यवाही में चोरी की गई 14 बाइकें बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपित थानाक्षेत्र में बाइकों की लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। थानाध्यक्ष जरिया दिनेश पाण्डेय ने गुरुवार को बताया कि पिछले काफी समय से लगातार बाइक चोरी की घटनाएं हो रही थी। गिरोह के लोग ज्यादातर सूनसान रास्तों पर खड़ी बाइकें चोरी कर ले जाते थे। इसी के चलते गिरोह को गिरफ्त में लेने के लिए जाल बिछाया गया। पुलिस ने सबसे पहले गिरोह के सरगना थाना राठ के ग्राम चिल्ली निवासी हरिमोहन राजपूत पुत्र जयकरन को गिरफ्तार किया गया। इसी के बाद थाना जरिया के अमूंद गांव के हिमांशु सेन पुत्र लक्ष्मीप्रसाद, राहुल पुत्र टीकाराम अहिरवार निवासी ग्राम न्यूलीबासा थाना जलालपुर व गुलाम वारिस पुत्र मो जलील निवासी ग्राम सिचौलीपुरवा थाना मौदहा को पकड़ा गया। रिगवारा कला गांव से इनके कब्जे से चोरी की गई 14 बाइकें बरामद की हैं। आरोपियों के खिलाफ धारा 317 (2)/317 (4)/317 (5)/345 (3) बीएनएस पंजीकृत कर न्यायालय भेजा गया, जहां से इन्हें जेल भेजा गया है। बरामद बाइकों में 2 अपाचे, 1 होण्डा साईन एसपी, इसी तरह 11 हीरो स्पलेंडर प्लस ब्लेक ग्रे रंग की बिना नंबर प्लेट बाइकें बरामद की है। बाइक चोरी गैंग का खुलासा करने वाली टीम में स्वाट टीम एसओजी प्रभारी सचिन शर्मा, कांस्टेबल अतुल कुमार, सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, रवि कुमार पटेल, शक्ति सिंह व थाना जरिया के उपनिरीक्षक शान्तनु चतुर्वेदी, दिलीप श्रीवास्तव, रोहित यादव,मानवेन्द्र सिंह,हेड कांस्टेबल शिवेन्द्र सिंह, कांस्टेबल अभिनव प्रताप सिंह, धनेश कुमार, बृजेश यादव, सूरज सिंह आदि मौजूद रहे।

साइबर अपराध से कैसे बचें पुलिस ने चलाया अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के दिशानिर्देश में बढ़ते साइबर क्राइम से शिवगढ़ थानाक्षेत्र में साइबर अपराध से आम जनता को बचाने के लिए प्रभारी थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा के नेतृत्व में आम जनमानस को साइबर फ्रॉड से कैसे बचा जाए इसके लिए वृहद स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाकर जागरूक किया। खासकर महिलाओं से थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने साइबर फ्रॉड से सजग कैसे रहा जाए, इसके लिए उन्हें टिप्स देते हुए बताया की,साइबर फ्रॉड करने वालों का टार्गेट अधिकतर महिलाए होती है,तरह-तरह के प्रलोभन व भय दिखाकर आपके बैंक खाते खाली कर लेते है, आप ऐसी काल आने पर घबराए नही, ऐसी किसी भी काल पर अपनी कोई भी जानकारी साझा न करें, जिससे आपको आर्थिक क्षति उठानी पड़े। थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहाकि आपलोग अपराध व अपराधी गतिविधियों की जानकारी पुलिस से साझा करे,आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। किसी भी समय आप मित्र पुलिस से संपर्क कर सकते है। थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने बताया की पुलिस अधीक्षक के आदेश व अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी के निर्देशानुसार शिवगढ़ पुलिस अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सफल हो रही है।

पीड़ित से कथित अभद्रता व धमकी का आरोप, एसपी से शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। थाना सुनगढ़ी क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है। एक पीड़ित ने थाना पुलिस पर अभद्रता, धमकी देने और अभियुक्तों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक पीलीभीत को शिकायती पत्र सौंपा है। पीड़ित प्रदीप श्रीवास्तव पुत्र बुद्धसेन, निवासी बरहा श्रीराम नगर कॉलोनी, थाना सुनगढ़ी का रहने वाला है।पीड़ित के अनुसार उसका पारिवारिक विवाद लंबे समय से अपने पिता और सौतेली मां से चला आ रहा है। आरोप है कि सौतेली मां आपराधिक प्रवृत्ति की है और उस पर कई मुकदमे दर्ज हैं। पीड़ित का कहना है कि उसके पिता, भाई-बहन और अन्य रिश्तेदार मिलकर उसके पूरे परिवार को जान से मारने की साजिश रच रहे हैं। इस संबंध में उसने वर्ष 2019 में थाना सुनगढ़ी में विभिन्न धाराओं में मुकदमा भी दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस ने अभियुक्तों से सांठगांठ कर फर्जी फाइनल रिपोर्ट लगा दी।शिकायत में बताया गया कि 7 जनवरी 2026 को थाना सुनगढ़ी से फोन कर पीड़ित को पत्नी और बच्ची के साथ थाने बुलाया गया। थाने पहुंचने पर दो महिला पुलिसकर्मियों द्वारा कथित रूप से अभद्रता की गई। वहीं मौजूद दरोगा आकाश तेवतिया और एक अन्य सिपाही पर डराने-धमकाने का आरोप लगाया गया। पीड़ित का कहना है कि उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी गई और कहा गया कि उसकी ओर से की गई पैरवी को बेकार कर दिया जाएगा।पीड़ित ने आशंका जताई है कि थाना पुलिस अभियुक्तों से मिली हुई है और किसी भी समय उसके या उसके बच्चों के साथ गंभीर घटना हो सकती है। उसने यह भी दावा किया कि पूरी घटना थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई होगी। अंत में पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से संबंधित दरोगा, एक अज्ञात सिपाही, दो महिला पुलिसकर्मियों एवं नामजद अभियुक्तों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

धमकी और गाली-गलौज से दहशत में व्यापारी परिवार, एसपी से की कठोर कार्रवाई की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।आईजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत के प्रतिशोध में असामाजिक तत्वों द्वारा मंडी में संचालित एक सब्जी आढ़त के कर्मचारी को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है मण्डी समिति पीलीभीत में संचालित ञ्ठाकुर साहब एंड कंपनीङ्क के संचालक रविन्द्र सिंह द्वारा 06 जनवरी को आईजीआरएस पोर्टल पर मुश्ताक गैंग के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई गई थीशिकायत से बौखलाए आरोपियों ने अगले ही दिन 07 जनवरी को आढ़त पर कार्यरत कर्मचारी मुंशी सुभान को फोन कर अश्लील गालियां दीं और प्रतिष्ठान बंद न करने पर जान से मारने की धमकी दी पीड़िता नीलम सिंह ने बताया कि फोन करने वाला परवेज, शिकायत में नामजद मुश्ताक गैंग के सक्रिय सदस्य साजिद का सगा भाई है, जो मंडी में ही सब्जी की दुकान चलाता है। आरोप है कि पूर्व में भी आरोपियों द्वारा गाली-गलौज और धमकियां दी जाती रही हैं पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले में एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।मंडी समिति क्षेत्र में सक्रिय एक कथित गैंग द्वारा व्यापारी परिवार को भयभीत किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपा गया है शिकायत में कहा गया है कि आईजीआरएस पर की गई शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने के उद्देश्य से गैंग के सदस्य संगठित रूप से धमकियां दे रहे हैं पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने फोन कॉल के माध्यम से न केवल अश्लील गालियां दीं बल्कि प्रतिष्ठान बंद कराने और जान से मारने की खुली धमकी भी दी। पीड़िता ने आशंका जताई है कि समय रहते कार्रवाई न होने पर कोई गंभीर आपराधिक घटना हो सकती है। उन्होंने आरोपियों के विरुद्ध धमकी, आपराधिक षड्यंत्र व रंगदारी से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कॉल डिटेल रिकॉर्ड निकलवाने और परिवार व प्रतिष्ठान को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

पुष्टाहार की गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता न किया जाय : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कलेक्ट्रेट सभागार में पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों की आयोजित हुई समीक्षा बैठक

अमेठी । जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों के संचालन एवं प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुपोषण उन्मूलन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों, उत्पादन व्यवस्था, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण प्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि जनपद अमेठी में कुल चार पुष्टाहार उत्पादन इकाइयां संचालित हैं, जिन्हें तीन-तीन विकास खंडों से संबद्ध किया गया है। प्रत्येक इकाई से लगभग तीन सौ स्वयं सहायता समूह जुड़े हुए हैं। इकाइयों की स्थापना हेतु प्रत्येक समूह द्वारा तीस हजार रुपये का अंशदान दिया गया, जिससे प्रति इकाई लगभग नब्बे लाख रुपये की धनराशि एकत्र कर नोडल संस्था के माध्यम से सामग्री क्रय की गई। जिलाधिकारी को बताया गया कि प्रत्येक इकाई में बीस चयनित सदस्यों द्वारा दो शिफ्टों में उत्पादन कार्य कराया जा रहा है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि पुष्टाहार का उत्पादन राष्ट्रीय पोषण अभियान के मानकों के अनुरूप किया जा रहा है तथा एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से गुणवत्ता जांच के बाद ही वितरण सुनिश्चित किया जाता है। विकास खंड स्तर पर निगरानी समितियों का गठन कर उत्पादन की गुणवत्ता एवं दक्षता पर सतत नजर रखी जा रही है।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुष्टाहार की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाय तथा समयबद्ध रूप से लाभार्थियों तक वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पुष्टाहार उत्पादन इकाइयां न केवल कुपोषण उन्मूलन में सहायक हैं, बल्कि स्थानीय महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी वीर भानु सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा अंशुमान सिंह, उपायुक्त स्वतः रोजगार प्रवीणा शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव, सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एसआईआर में जुड़वाया अपना नाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (ट्त्रन्ट) 2026 की प्रक्रिया के तहत अमेठी विधानसभा क्षेत्र से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा लिया है। इस कदम को अमेठी से उनके राजनीतिक और सामाजिक जुड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। लम्बे समय से यह चर्चा हो रही थी कि स्मृति ईरानी अमेठी छोड़ चुकी हैं लेकिन अब एसआईआर प्रक्रिया में नाम जुड़वाकर उन्होंने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है।जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा एसआईआर 2026 की ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया इसी सूची में स्मृति ईरानी का नाम भी दर्ज पाया गया। निर्वाचन विभाग के अनुसार स्मृति ईरानी का नाम गौरीगंज तहसील क्षेत्र के मेदन मवई ग्राम पंचायत में मतदाता के रूप में शामिल किया गया है।वह कम्पोजिट विद्यालय लीला टिकरा के मेदन मवई मतदान केंद्र पर पंजीकृत मतदाताओं की सूची में शामिल हैं जहां कुल छह सौ छांछठ मतदाता दर्ज हैं इस सूची में स्मृति ईरानी का नाम क्रमांक संख्या पांच सौ चौदह पर अंकित है। बताते चलें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वर्ष 2021 में अमेठी जनपद के मेदन मवई गांव में ग्यारह बिस्वा भूमि खरीदी थी। बाइस फरवरी 2021 को उन्होंने इस भूमि की रजिस्ट्री कराई थी इसके बाद उनतीस जुलाई 2021 को भूमि पूजन कर आवास निर्माण की आधारशिला रखी गई थी।निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद बाइस फरवरी 2024 को स्मृति ईरानी ने इस आवास में गृह प्रवेश किया था।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एसआईआर 2026 में नाम जुड़वाना केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है बल्कि इसके पीछे गहरे राजनीतिक संकेत भी छिपे हो सकते हैं।अमेठी लोकसभा सीट से सांसद रह चुकी स्मृति ईरानी का क्षेत्र से भावनात्मक जुड़ाव पहले से रहा है।वर्ष 2019 में उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हराकर अमेठी सीट पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा लेकिन इसके बावजूद अमेठी से उनका नाता पूरी तरह खत्म नही हुआ है।भाजपा के जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने बताया कि अमेठी की पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी हमेशा हम लोगों के साथ रही है और आगे भी रहेगी यह हम सभी का पूर्ण विश्वास है. एसआईआर 2026 में उनका नाम बढ़ना हम सबके लिए चौंकाने वाला नहीं है. यह तो भारतीय जनता पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के विश्वास की जीत है. हम सभी जानते हैं कि दीदी स्मृति ईरानी अमेठी की स्थाई निवासी हैं।अमेठी के प्रति दीदी का स्नेह और प्यार जो बना है वह अनवरत चल रहा है. उसी के क्रम में यह बड़ी बात है, जैसा कि लोग सोच रहे थे चुनाव के बाद क्या होगा क्या नहीं होगा लेकिन दीदी ने स्पष्ट कर दिया कि अमेठी के साथ उनका लगाव था है और आगे भी रहेगा।

रामलीला मैदान में सामुदायिक शौचालय केयर टेकरों की बैठक, समस्याओं को लेकर बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। नगर के रामलीला मैदान में गुरुवार दोपहर एक बजे सामुदायिक शौचालय केयर टेकर संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में केयर टेकर उपस्थित रही और उन्होंने आपसी विचार-विमर्श के दौरान अपनी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। बैठक के बाद संगठन की ओर से खंड विकास अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

ज्ञापन में केयर टेकरों ने बताया कि उन्हें समय से मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कई महीनों से मानदेय लंबित होने के कारण केयर टेकर आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उनका कहना है कि कम मानदेय में परिवार का भरण-पोषण करना पहले ही मुश्किल है, ऐसे में भुगतान में देरी से हालात और भी खराब हो जाते हैं। केयर टेकरों ने मांग की कि मानदेय का भुगतान हर माह निश्चित तिथि पर किया जाए। इसके अलावा ज्ञापन में अन्य समस्याओं का भी उल्लेख किया गया। केयर टेकरों का कहना है कि सामुदायिक शौचालयों पर साफ-सफाई के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं। कई स्थानों पर सफाई सामग्री, पानी और बिजली की व्यवस्था ठीक नहीं है, जिससे उन्हें काम करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण नहीं किया जाता, जिससे समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। केयर टेकर संगठन ने मांग की कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और स्थायी समाधान किया जाए। खंड विकास अधिकारी ने ज्ञापन प्राप्त कर केयर टेकरों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। संगठन के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द ही ठोस कदम उठाकर केयर टेकरों को राहत प्रदान करेगा।

अब्दुल हमीद एसोसिएशन ने गरीबों को बांटे कंबल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। शहीद वीर अब्दुल हमीद एसोसिएशन, सुल्तानपुर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम एक सराहनीय सामाजिक पहल का परिचायक है। ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आज दोपहर 1 बजे शहीद वीर अब्दुल हमीद अस्पताल, नगर पालिका सुल्तानपुर परिसर में आयोजित हुआ। इस मानवीय कार्यक्रम में चिकित्सा, समाजसेवा, राजनीति और संगठन से जुड़े कई सम्मानित नाम शामिल रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ए.के. सिंह की उपस्थिति सराहनीय रही। डाक्टर ए के सिंह जो एक वरिष्ठ एवं अनुभवी चिकित्सक हैं और लंबे समय से समाजसेवा से जुड़े हुए हैं। उनके साथ डॉ. सुधाकर सिंह और डॉ. एस.पी. सिंह, सपा नेता शकील अहमद खान, व्यापारी नेता रविंद्रत्रिपाठी, संस्था के संरक्षक अब्दुल हई, जलील अंसारी, अब्दुल गफ्फार, संस्था मीडिया प्रभारी सुजीत कसौधन, मोहम्मद साकिब सरफराज अहमद, इरफान अहमद, गुड्डू जायसवाल,की गरिमामयी उपस्थिति सराहनीय रही। जो चिकित्सा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में शहीद वीर अब्दुल हमीद एसोसिएशन के अध्यक्ष मकरूल अहमद नूरी इदरीसी की अहम भूमिका रही, जिनके नेतृत्व में यह संस्था लगातार गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रही है। आयोजन में शहर के कई समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, नेता, पत्रकार और संस्था के सक्रिय कार्यकर्ता भी शामिल रहे। जो इस नेक पहल को मजबूती प्रदान कर रहे थे।कंबल वितरण जैसे कार्यक्रम न केवल ठंड से बचाव का साधन बनते हैं, बल्कि समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना को भी मजबूत करते हैं। जब डॉक्टर, समाजसेवी, नेता और संस्था के कार्यकर्ता एक मंच पर आकर सेवा करते हैं, तो उसका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक होता है। यह आयोजन देश के महान सपूत शहीद वीर अब्दुल हमीद को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिनका जीवन राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित रहा। यह कार्यक्रम समाज को यह संदेश देता है कि सामूहिक प्रयासों से ही जरूरतमंदों के जीवन में राहत और मुस्कान लाई जा सकती है।

खेलों के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने का मिल रहा मौका: पूर्व मंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लंभुआ/सुल्तानपुर। खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार से लेकर उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को आगे बढ़ने का मौका दे रही है। इस योजना का उद्देश्य पूरे देश में खेलों में युवाओं को प्रोत्साहित करना है। उक्त बातें भाजपा नेता व केपी सिंह पीजी कॉलेज के प्रबंधक हनुमान प्रसाद सिंह के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित दंगल प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व जल शक्ति मंत्री व वर्तमान एमएलसी महेंद्र प्रताप सिंह ने कही।

लंभुआ क्षेत्र में स्थित केपी सिंह पीजी कॉलेज मथुरा नगर रामगढ़ के प्राचार्य अवनीश कुमार उर्फ गुड्डू सिंह के नेतृत्व में संस्था प्रबंधक हनुमान प्रसाद सिंह के जन्मदिन के अवसर पर विशाल दंगल प्रतियोगिता के आयोजन में देश-विदेश के पहलवानों ने अपना दम खम दिखाया। दंगल प्रतियोगिता में दिल्ली, जम्मू, राजस्थान, बिहार, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, जौनपुर, अयोध्या, गोंडा, कानपुर, सुल्तानपुर, मेरठ, प्रतापगढ़, गाज़ीपुर आदि जनपदों से काफी संख्या में पहलवान शामिल होने के लिए आए। इसके अलावा नेपाल से भी रूबी थापा ने भी अपना दमखम दिखाया। कई जनपदों से महिला पहलवान भी प्रतियोगिता में शामिल हुई। मुख्य अतिथि ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। देर शाम तक प्रतियोगिता का आयोजन चलता रहा। मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से क्षेत्र के युवाओं में उत्साह बढ़ता है और उन्हें भी खेल के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। प्रतियोगिता में आए हुए अतिथियों का आयोजक प्राचार्य अवनीश कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया। मौके पर डॉ. एके सिंह, एमएलसी प्रतिनिधि डिंपल सिंह, धनंजय सिंह, मनीष सिंह, विपिन सिंह, वेद प्रकाश सिंह,मल्ले सिंह, अखिलेश सिंह, प्रदीप सिंह, अवनीश सिंह राजीपुर, राहुल मिश्रा, प्रशांत चतुर्वेदी, हरिओम अग्रहरि, लल्लन सिंह, राकेश श्रीवास्तव आदि गणमान्य मौजूद थे।

जनसुनवाई प्रकरणों के निस्तारण में जनपद पीलीभीत को प्रदेश में प्रथम रैंक हुई प्राप्त डीएम ने दी अधिकारियों को बधाई

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद पीलीभीत को जनसुनवाई प्रकरण के निस्तारण में प्रदेश में प्रथम रैंक प्राप्त हुई है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को बधाई दीं और कहा कि आगे भी जनपद का नाम प्रदेश की सूची में प्रथम स्थान पर बना रहे। प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करें,जिससे कि रैंक अच्छी बनी रहे।

सांसद जितिन प्रसाद ने केन्द्रीय सड़क परिवहन नितिन गडकरी से मुलाकात

पीलीभीतकैनविज टाइम्स संवाददाता। पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद एवम् वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री; तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री ने नितिन गडकरी भारत सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग, जहाज़रानी, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री से मुलाकात कर कुछ विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की सासंद जितिन प्रसाद ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट हुई इस दौरान अपने संसदीय क्षेत्र पीलीभीत में राष्ट्रीय राजमार्ग 731 पर आसाम रोड से पीलीभीत-खटीमा खंड के चार लेन निर्माण एव चौड़ीकरण ,बरेली-बीसलपुर एवं बीसलपुर-शाहजहाँपुर रोड चौड़ीकरण खुटार से पीलीभीत मार्ग नेशनल हाईवे 730 पर ग्राम कढ़ेरचौरा में दुर्घटनाओं को रोकने हेतु डिवाइडर बनवाने हेतु अनुरोध किया एवं राष्ट्रीय राजमार्गो से सम्बंधित सभी लंबित एवं प्रस्तावित कार्यों पर आवश्यक चर्चा की जिसे क्षेत्र के लोगो ने काफी प्रशंसा की

नाबालिग से दुष्कर्म का वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस ने एक नाबालिग से दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है गांव निवासी ग्रामीण ने थाना सेहरामऊ उत्तरी में तहरीर दी तहरीर में बताया कि उनकी लगभग 11 वर्षीय नाबालिग पुत्री जो कि कक्षा 7 के छात्रा के साथ दुष्कर्म किया गया और उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया गया जबकि आरोपी उस बालिका का रिश्तेदार है आरोपी मुजीब के खिलाफ धारा 65(2), 351(2), 127 (2) बीएनएस एवं 5एम/6 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान 66डी आईटी एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई घटना के बाद से अभियुक्त फरार चल रहा था 8 जनवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस टीम ने गढ़वाखेड़ा बैंक से पहले रोड से गिरफ्तार कर लिया ।

समय पर नहीं मिल रहा मानदेय, सामुदायिक शौचालय केयर टेकरों की बैठक

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को पूरनपुर रामलीला मैदान मे केयर टेकर संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई ग्राम पंचायतों में बने सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव की जिम्मेदारी संभालने वाली समूहों की केयर टेकर को समय से मानदेय नहीं मिल रहा मानदेय न मिलने से नाराज केयर टेकर ने विरोध दर्ज किया और खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं को समाधान करने और मानदेय भुगतान सीधे खाते में करने की मांग की रामलीला मैदान मे पहुंचकर महिला केयर टेकर ने बताया कि उन्हें सिर्फ छह हजार के हिसाब से भुगतान होता है यह मानदेय भी 10 से 12 महीने बाद दिया जाता है कई केयर टेकर को 20 माह से मानदेय नहीं मिला है केयर टेकर ने बताया कि मानदेय का भुगतान ग्राम निधि के खाते में किया जाता है इस वजह से भी दिक्कत आ रही है भुगतान सीधे खाते में किए जाने की मांग की केयर टेकरो ने बताया कि सामुदायिक शौचालयों पर साफ-सफाई के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं कई स्थानों पर सफाई सामग्री, पानी और बिजली की उचित व्यवस्था नहीं है जिससे उन्हें काम करने में कठिनाई होती है उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण नहीं किया जाता जिससे समस्याएं बनी रहती हैं

विवादों से घिरे शेरपुर ग्राम पंचायत सचिव अखिलेश की जगह विजय राज की नवीन तैनाती

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूरनपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत शेरपुर कलां लम्बे समय से विवादों से घिरी है विवादो से घिरे ग्राम पंचायत सचिव अखिलेश गुप्ता के खिलाफ किया जा रहा विरोध के बाद स्थानांतरण हो गया सचिव द्वारा ग्राम पंचायत शेरपुर में कार्यों के संचालन में अनियमितताएं बरतने का आरोप था जिससे किसानों और ग्रामीणों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने सचिव को तत्काल शेरपुर ग्राम पंचायत से हटाने की मांग की थी कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायतें देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी जिससे किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा था है पूरनपुर ब्लॉक परिसर पहुंचकर धरना-प्रदर्शन को रणनीति तैयार की गई थी जिसके बाद सचिव अखिलेश गुप्ता को हटाकर उनकी जगह विजय कुमार राज की तैनाती कर दी गई

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री का अपमान पर पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल शांतिभंग में किया चालान

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र के सेहरामऊ उत्तरी के जगतपुर गांव के एक युवक ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोटो पर पर अशोभनीय और अपमानजनक पोस्ट कर दी इससे इलाके में हड़कंप मच गया पोस्ट के वायरल होते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और लोगों ने इसे राष्ट्रीय सम्मान से जुड़ा गंभीर मामला बताया मामले को गंभीरता से लेते हुए एक जागरूक नागरिक ने आपत्तिजनक पोस्ट का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर (एक्स) पर साझा कर संबंधित अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई शिकायत सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की हालांकि पुलिस की आगे की कार्रवाई ने सभी को चौका दिया पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार तो किया, लेकिन न तो उसके खिलाफ आईटी एक्ट या अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया और न ही उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया पुलिस ने केवल शांति भंग की आशंका जताते हुए भारा 151 के तहत चालान कर औपचारिक कार्रवाई की और बाद में आरोपी को छोड़ दिया इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है लोगों का कहना है कि देश के प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ सार्वजनिक मंच पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को केवल 'शांतिभंग' तक सौमित करना कानून की गंभीरता को कमजोर करता है। ऐसे मामलों में आईटी एक्ट सहित अन्य सुसंगत धाराओं के तहत कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए थी। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की इस कार्रवाई को 'खानापूर्ति' बताते हुए सवाल खड़े किए है कि आखिर आरोपी को जेल क्यों नहीं भेजा गया और गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने से क्यों परहेज किया गया साथ ही यह भी आशंका जताई जा रही है कि पुलिस की इस नरमी से समाज में गलत संदेश जाएगा और भविष्य में ऐसे मामलों को बढ़ावा मिल सकता है ।

बल्दीराय तहसील के 57 राजस्व गांव सदर तहसील में किए गए शामिल

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। आखिरकार एक लंबे अंतराल के बाद बल्दीराय तहसील के 57 राजस्व गांव को सुल्तानपुर तहसील में शामिल किए जाने का आज आदेश जारी कर दिया गया। शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने आज तत्काल प्रभाव से इस अधिसूचना का अनुपालन करने का निर्देश दे दिया है। गौरतलब हो कि इन 57 राजस्व गांव के लोगों के लिए सदर तहसील पास पड़ती थी, बावजूद इसके इन गांव को बल्दीराय तहसील बनाए जाने पर उनमें शामिल कर दिया गया था। लंबे समय से ग्रामीण इसकी मांग कर रहे थे, पूर्व में कई विधायकों और सांसदों से इसकी मांग भी की गई थी। कई बार लोगों ने चुनाव में मतदान बहिष्कार करने का अल्टीमेटम भी दिया था। 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान विनोद सिंह ने इन राजस्व गांव के लोगों से वायदा किया था कि अगर वे चुनाव जीतते हैं तो हर हाल में इन गांव को सदर तहसील में जुड़वाया जाएगा। शासन प्रशासन से लगातार वार्ता और लिखापढ़ी के बाद आखिरकार विधायक विनोद सिंह की प्रयास रंग लाया। वहीं इन गांव के लोग अब बेहद खुश हैं और विधायक विनोद सिंह का दिल से आभार व्यक्त कर रहे हैं।

सम्पादकीय

पंजाब में बढ़ते अपराध

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब में सरेआम की जा रही लक्षित हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नये साल की शुरुआत दिनदहाड़े हुई हत्याओं की एक शृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं। इस चिंताजनक होती स्थिति की वजह लगातार अपराधी गिरोहों के नेटवर्क का मजबूत होना, घातक हथियारों की सहज उपलब्धता और पुलिस बल पर लगातार बढ़ता दबाव भी है। दूसरी ओर विपक्षी दल आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलाए रहते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों के लिये मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफ़े की मांग करते रहते हैं। वहीं सरकार इस संकट को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा विरासत में छोड़ा गया बताते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि इन बयानबाजियों से नागरिकों की असुरक्षा कम नहीं होती है। वहीं पंजाब के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की दलील होती है कि पंजाब में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। लेकिन राज्य में बढ़ते अपराधों के संकट को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से जब हत्याएं राज्य के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होती हैं तो लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। वहीं दूसरी ओर राज्य के पुलिस महानिदेशक की दलील है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ड्रोन के जरिये हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ भेजकर सीमांत राज्य पंजाब के खिलाफ परोक्ष युद्ध छेड़े हुए है। निश्चय ही यह बात इस सीमावर्ती राज्य के लिये गंभीर चिंता का विषय है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के डीजीपी का पाक से अपराधियों को प्रश्रय देने वाला बयान चिंता बढ़ाने वाला है। खासकर उस राज्य के लिये, जिसने एक दशक तक उग्रवाद का सामना किया हो। लेकिन पंजाब के अपराध संकट के लिये केवल बाहरी कारकों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। यह पुलिस विभाग की शिथिलता व खुफिया तंत्र की नाकामी के साथ सामाजिक विद्रूपताओं से भी उपजा संकट है। निस्संदेह, राज्य में अधिक बेरोजगारी है। बंदूक संस्कृति का महिमामंडन भी गंभीर चुनौती है। वहीं दूसरी ओर युवाओं में रातों-रात धनवान बनने का लालच भी स्थानीय व क्षेत्रीय गिरोहों के पनपने की गंभीर वजह है। इसके अलावा पुलिस विभाग की संरचना की भी कुछ विसंगतियां सामने आती हैं। मसलन पुलिस व्यवस्था में उच्च अधिकारियों की तो अधिकता है मगर फील्ड स्टाफ पर काम का बोझ जरूरत से ज्यादा है। इसके अलावा पुलिस के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी आरोप लगते रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस, हासिल कुछ सफलताओं के बावजूद जनता का विश्वास जीतने के लिये संघर्ष कर रही है। लेकिन राजनीतिक बयानबाजियों से इतर राज्य सरकार को अपनी रणनीति में बदलाव लाकर धरातल पर गंभीर प्रयास करने होंगे। मौजूदा हालात में बहुआयामी रणनीति बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। इसके अंतर्गत पुलिस सुधार भी प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है, ताकि हाइटैक अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण में केंद्रीय एजेंसियों से बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है। इसके अलावा बंदूकों पर लगाम लगाने के लिये कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता होगी। राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कौशल विकास में व्यापक निवेश करने तथा भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास योजनाबद्ध ढंग से करने होंगे। ऐसे राज्य में जो एक दशक तक चरमपंथ की त्रासदी झेल चुका हो, अपराधियों के खिलाफ बड़ी मुहिम वक्त की मांग है। राज्य के सत्ताधीशों को चाहिए कि पंजाब द्वारा कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को गैंगस्टरों, ड्रग माफिया और आतंकवादियों के घातक गठजोड़ का शिकार कदापि नहीं होने दें।

अवैध कब्जे और बेघर होता भारत: एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है।

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है। जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़ लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे 'वैधता' का भ्रम पैदा करने लगता है। इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है। अतिक्रमण हटाने के बाद होने वाले नुकसान को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह केवल प्रभावित परिवारों का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश का नुकसान है। एक ओर लोग अपने सीमित संसाधनों से घर बनाते हैं, दूसरी ओर सरकार अतिक्रमण हटाने पर भारी खर्च करती है। यदि शुरुआत में ही सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, समय पर निगरानी हो और अवैध कब्जे को बढ़ने से रोका जाए, तो यह दोहरा नुकसान टाला जा सकता है। दुर्भाग्य से हमारे यहां किसी परियोजना की घोषणा और उसके क्रियान्वयन के बीच लंबा अंतराल रहता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठाते हैं। वर्षों तक जमीन खाली पड़ी रहती है और देखते ही देखते वहां एक पूरी बस्ती खड़ी हो जाती है। विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए केवल बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत एक ऐसी दूरदर्शी नीति की है, जिसमें अतिक्रमण रोकने की व्यवस्था शुरुआत से ही सख्त और प्रभावी हो। सरकारी जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सर्वेक्षण, स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई इस दिशा में जरूरी कदम हो सकते हैं। साथ ही शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजनाओं को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और रोजगार के करीब लागू करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे मजबूरी में अवैध कब्जे की ओर न जाएं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर ईमानदार आत्ममंथन करना होगा। वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना अंततः समाज और शासन दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो और अवैध कब्जे को किसी भी स्तर पर समर्थन न मिले, तो ऐसी स्थितियां स्वतः कम होंगी। सरकारी भूमि जनता की साझा संपत्ति है और इसका उपयोग योजनाबद्ध विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए होना चाहिए, न कि अव्यवस्था और अवैध कब्जों के लिए। अंततः सवाल यही है कि क्या हम समस्या के मूल कारणों पर गंभीरता से विचार करेंगे या हर बार बुलडोजर के बाद कुछ दिनों की संवेदना दिखाकर आगे बढ़ जाएंगे। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाले वर्षों में बेघर होने वालों की संख्या और बढ़ेगी, सामाजिक असंतोष गहराएगा और विकास का दावा खोखला साबित होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल और समाज मिलकर इस जटिल समस्या का मानवीय, न्यायपूर्ण और दूरगामी समाधान तलाशें, ताकि विकास भी हो और किसी का जीवन उजड़ने से भी बच सके। समुचित देश एवं विभिन्न प्रांतो में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके लोगों ने न केवल अपने मकान बने कुछ भी खड़े कर लिए हैं कुछ व्यापारिक संस्थान और कुछ संस्थाएं भी संचालित हो रही है जब सरकार की नींद खुलती है तो इन सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करके बनाए गए मकान में रहने वाले लोगों को बेघर किया जाता है या उन्हें अन्यत्र बसाने की योजनाएं लागू की जाती है जिससे इन परिवारों और उनके सदस्यों की न केवल बेघर होने की समस्या खड़ी होती है बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं भी खड़ी होती है इन गतिविधियों को संचालित करने में विभिन्न राजनीतिक दलों को अपना वोट वोट बैंक दिखाई देता है और यह राजनीतिक दल ही ऐसी सरकारी भूमि पर लोगों को बचाने के षड्यंत्र करते हैं फिर उन्हें विस्थापित होने पर आंदोलन खड़े किए जाते हैं और अन्यत्र बसाने की मांग की जाती है यह भारत की एक जटिल समस्या है। क्यों नहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने की स्थितियों को सरकार पहले से ही गंभीरता से लेती? –ललित गर्ग

मोदी की गारंटी, मोहन सरकार की तैयारी

पवन वर्मा

केंद्र सरकार द्वारा लाया गया 'विकसित भारत ग्राम रोजगार गारंटी अधिनियम, 2025', जिसे आम भाषा में 'जी राम जी' कहा जा रहा है, अब मध्यप्रदेश की धरती पर केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं रह गया है। यह प्रदेश में शासन की मंशा, संगठन की सक्रियता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर लाए गए इस अधिनियम को मध्यप्रदेश में जमीन पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार पूरी तरह कमर कस चुकी है।

यह संदेश साफ है कि 125 दिन की मजदूरी गारंटी केवल घोषणा बनकर नहीं रहेगी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री इसे अधिकार के रूप में लागू कराने के लिए सरकार और संगठन दोनों मोर्चों पर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि यह कानून मध्यप्रदेश में सिर्फ रोजगार योजना नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि गांव मजबूत होंगे, तभी देश आगे बढ़ेगा। उसी सोच से जन्मा यह अधिनियम अब राज्यों के माध्यम से साकार होना है। मध्यप्रदेश में मोहन यादव सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए संकेत दे दिए हैं कि कानून का पालन गांव-गांव में कराया जाएगा।

सरकार के स्तर पर विभागीय निर्देश, अधिकारियों की जवाबदेही और समयबद्ध कार्ययोजना पर काम शुरू हो चुका है। इससे लग रहा है कि सरकार इस अधिनियम को बोझ नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देख रही है। एक ऐसा अवसर, जिससे ग्रामीण मजदूरों को स्थायित्व में बदला जा सके।

इस अधिनियम को लागू कराने में केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि सरकार के मंत्री और प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी पूरी ताकत से जुटने की तैयारी में है। मंत्रियों को अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में निगरानी और संवाद की जिम्मेदारी दी जा रही है। संगठन स्तर पर मंडल से लेकर जिला इकाईयों तक कार्यकर्ताओं को योजना की जानकारी देने और लाभार्थियों तक पहुंच बनाने का काम सौंपा जाएगा।

यह केवल सरकारी योजना का प्रचार नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की कोशिश है कि कहीं भी कानून के पालन में ढिलाई न हो। सरकार और संगठन का यह साझा प्रयास बताता है कि मोहन यादव नेतृत्व इस अधिनियम को प्रशासनिक औपचारिकता तक सीमित नहीं रखना चाहता।

मध्यप्रदेश में ग्रामीण रोजगार को लेकर पहले भी कई योजनाएं आईं, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती हमेशा क्रियान्वयन की रही। भुगतान में देरी, काम की उपलब्धता और शिकायतों की अनदेखी, इन मुद्दों ने योजनाओं की साख को कमजोर किया। 'जी राम जी' के साथ सरकार यह संदेश देना चाहती है कि अब ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिनियम में स्पष्ट प्रावधान हैं कि समय पर काम न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता देना होगा। इसका अर्थ यह है कि प्रशासनिक ढिलाई का सीधा असर सरकार की साख पर पड़ेगा। मोहन यादव सरकार इसी दबाव को अपनी ताकत में बदलने की कोशिश कर रही है।

इस कानून का प्रभाव केवल मजदूरी तक सीमित नहीं है। गांव में जब यह भरोसा बनता है कि काम अधिकार है और सरकार उसके पीछे खड़ी है, तो सामाजिक माहौल बदलता है। पलायन पर असर पड़ता है, खेती और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सहारा मिलता है और ग्रामीण जीवन में स्थायित्व आता है।

सरकार की सक्रियता यह संकेत देती है कि वह इस भरोसे को प्रशासनिक जिम्मेदारी के रूप में देख रही है। यही वजह है कि संगठन और सरकार दोनों स्तर पर लगातार संवाद और निगरानी पर जोर दिया जा रहा है।

मध्यप्रदेश सरकार यह भी जानती है कि इतनी बड़ी योजना में पारदर्शिता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। काम की निगरानी, भुगतान की स्पष्ट व्यवस्था और शिकायतों के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे सरकार के सामने एक साफ तस्वीर होगी। कहां काम हुआ, किसे मिला और कहां कमी रह गई। यह पारदर्शिता सरकार के लिए राहत भी है और दबाव भी क्योंकि अब हर चूक सामने होगी और उसका जवाब देना पड़ेगा।

सेहत मंत्र

सही तरह से पीएंगे नींबू पानी तो देखते ही देखते पिघल जाएगी पेट की चर्बी

जब भी फैट लॉस की बात होती है तो हर कोई नींबू पानी को डाइट में शामिल करने की सलाह देता है। नींबू पानी बनाना आसान है और नींबू अक्सर फ्रिज में रखा ही होता है। महज कुछ सेकंड्स में बन जाने वाला नींबू पानी वजन घंटाने में किसी जादू की तरह काम करता है। लेकिन इसका असली फायदा तभी होता है, जब इसे सही तरह से लिया जाए। साथ ही साथ, हेल्दी डाइट व एक्सरसाइज को फॉलो किया जाए। नींबू पानी डाइजेशन में मदद करता है, सूजन कम करता है, हाइड्रेशन बेहतर करता है, और बेवजह की क्रेविंग को कंट्रोल करने में मदद करता है, जिसकी वजह से फैट लॉस करना काफी आसान हो जाता है। बस जरूरी है कि इसे सही समय पर और सही तरह से लिया जाए। अगर आप अपने शरीर के फैट बर्निंग मोड को ऑन करना चाहते हैं तो नींबू पानी को सुबह खाली पेट पीएं। इस समय पीने से डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है, टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और वॉटर रिटेंशन को कम करने में मदद मिलती है। बस एक गिलास गुनगुने पानी में आधा ताजा नींबू का रस डालकर पीएं। अगर आप सुबह-सुबह नींबू पानी पी रहे हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि हमेशा गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। ठंडा नींबू पानी सुबह-सुबह आपके डाइजेशन को शॉक दे सकता है। वहीं, गुनगुना पानी मेटाबॉलिज्म को धीरे-धीरे एक्टिवेट करने, डाइजेशन को बेहतर बनाने और पेट की ब्लोटिंग कम करने में मदद करता है। कुछ लोग जल्दी फैट लॉस के लिए नींबू पानी का सेवन बार-बार करते हैं। आप इसे दिन में भी ले सकते हैं, लेकिन बहुत ज्यादा ना लें। वैसे तो सुबह एक बार नींबू पानी लेना पर्याप्त है, लेकिन आप मिड मॉर्निंग या लंच से पहले भी इसे ले सकते हैं। अगर आपको एसिडिटी है तो खाली पेट नींबू पानी ना लें। साथ ही, देर रात या खाना खाने के तुरंत बाद भी नींबू पानी पीने से बचें।

धर्म मंत्र

शनिदेव को करना है प्रसन्न, हनुमान जी के पावरफुल मंत्रों से मिलेगा दोगुना आशीर्वाद

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन शनिदेव और हनुमान जी की पूजा अर्चना की जाती है। अगर शनिवार को हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया जाता है, तो जातक को शनिदेव और हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है। वहीं हनुमान जी के शरणागत रहने वाले जातकों पर शनिदेव की कृपा बरसती है। धार्मिक शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि न्याय के देवता शनिदेव ने हनुमान जी को यह वचन दिया था कि उनके भक्तों को शनिदेव कभी नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। ऐसे में जो भी जातक हनुमान जी की भक्ति करते हैं, उन पर शनिदेव की असीम कृपा बरसती है।

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहम्, दनुजवनकृशानुं
ज्ञानिनामग्रगण्यम्। सकलगुणनिधानं वानराणामधीशम्,
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।

ऊँ ऐं ह्रीं हनुमते श्री रामदूताय नमः, ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय
विश्वरूपाय अमितविक्रमाय, प्रकट-पराक्रमाय महाबलाय
सूर्यकोटिसमप्रभाय रामदूताय स्वाहा।, ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय
रामसेवकाय, रामभक्तितत्पराय रामहृदयाय लक्ष्मणशक्ति,
भेदनिवावरणाय लक्ष्मणरक्षकाय दुष्टनिबर्हणाय रामदूताय स्वाहा। ऊँ
नमो हनुमते रुद्रावताराय सर्वशत्रुसंहरणाय सर्वरोगहराय
सर्ववशीकरणाय रामदूताय स्वाहा।

पर्यटन

मनाली के 'गुप्त' स्वर्ग का दीदार, बर्फीले पहाड़ों के बीच यह झील, एडवेंचर और सुकून का बेमिसाल संगम

सर्दियों के मौसम में पहाड़ों पर घूमने का अपना मजा होता है। बर्फ से ढके पहाड़ों का दीदार करना करीब हर किसी की विश लिस्ट में होती है। इस वजह से स्नो फॉल का लुत्फ उठाने के लिए अधिकतर लोग सर्दियों के मौसम में शिमला-मनाली जाते हैं। नवंबर से लेकर फरवरी तक मनाली का दृश्य देखने लायक होता है। यहां के पहाड़ों पर लिपटी बर्फ की मोटी चादरें पर्यटकों के लिए स्वर्ग जैसे अनुभव दिलाती हैं। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति क्षेत्र से बहने वाली चंद्रा नदी एक बेहद खूबसूरत नदी है। यह नदी हिमाचल प्रदेश में चंद्रताल झील से निकलती है। यह लेक हिमाचल प्रदेश के लाहौल में करीब 4,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक अर्धचंद्राकार झील है। इसी खूबसूरत झील से चंद्रा नदी निकलती है। हालांकि अभी भी काफी कम लोगों को इस नदी के बारे में पता है। मनाली में सिस्सू से गुजरते हुए यह नदी देखने को मिलेगी। यह नदी अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती है। यहां पर आप रिवर राफ्टिंग जैसी एक्टिविटी होती है। ऐसे में अगर आप भी मनाली घूमने के लिए जा रहे हैं, तो चंद्रा नहीं जाना न भूलें। प्रकृति प्रेमियों के लिए चंद्रा नदी की खूबसूरती ही नहीं बल्कि फोटोग्राफी के लिए भी यह अद्वितीय जगह है। बर्फ से ढके पर्वतों के बीच से निकलती नदी का पानी शीशे की तरह चमकता है। वहीं पानी बहने की ध्वनि आपके मन को ताजगी से भर देती है। वहीं सुबह और शाम के समय जब सूर्य की सुनहरी किरणें पानी पर पड़ती हैं, तो यह अद्भुत दृश्य देखने लायक होता है। यहां का शांत वातावरण भागदौड़ से दूर ऐसी जगह जो कम को सुकून देने का काम करता है।

श्री रामलीला, फुलवारी लीला का मनोहारी दर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी । कस्बा बड़ागांव स्तिथ रामलीला मैदान में प्रचलित श्री रामलीला(धनुष यज्ञ) के दूसरे दिन जय श्री राधा कृष्ण रामलीला नाट्य कला मंदिर दरभंगा बिहार (समस्तीपुर)से आए कलाकारों द्वारा फुलवारी लीला व नगर दर्शन का मंचन किया गया।

लखन हृदय लालसा विशेषी जय जनकपुर आवे देखी ।

मंचन में लक्ष्मण जी के हृदय में लालसा होती है कि मैं जनकपुर जाकर देखो तो वह राम जी को इशारों में कहते है। तब भगवान श्री राम ग्रुप विश्वामित्र से आज्ञा लेकर राम लक्ष्मण दोनों भाई जनकपुर देखने के लिए चल देते हैं। दोनों भाई जैसे ही जनकपुर में प्रवेश करते हैं ।तो वहां के नर नारी दोनों भाइयों को देखकर खिड़कियों के झरोखे से पुष्प वर्षा कर स्वागत करते हैं । ऐसे सुंदर बालकों को देखकर जनकपुर के लोग खुशी से नहीं समा रहे हैं जब राम लक्ष्मण जनकपुर की बाजार पहुंचते हैं तो वहां के दुकान लगाए लोगों को इच्छा होती है । कि भगवान श्री राम हमारी दुकान से कुछ ना कुछ खरीद ले जिससे मैं धन्य हो जाऊं। बाजार से वापसी के दौरान भगवान श्री राम पूजा के लिए जब फुलवारी में फूल तोड़ने के लिए जाते हैं तो वहां पर जनक नंदिनी सीता गौरी पूजा के लिए फूल तोड़ रही होती है । सीता जी को देखकर मुग्ध हो जाते हैं वही सीता जो भी भगवान को देखकर मोहित हो जाती है। बात विश्वामित्र दोनों भाइयों को लेकर सीता स्वयंवर मिलने जाते हैं।

इस मौके पर मास्टर सुरजन सिंह उपाध्यक्ष रामू वर्मा,राजु जयसवाल, कोषाध्यक्ष कल्लू राम यादव, सचिव विजय वर्मा, विशेष सलाहकार राम सरन जयसवाल,बब्लू वर्मा,सुरज यादव, राजेन्द्र यादव, रितेश यादव,लल्लु यादव, कमलेश यादव, मनमोहन सेनी, श्यामाचरण गुप्ता,सुबोध श्रीवास्तव, पुजारी वर्मा, अवधराम गुप्ता,शुभम वर्मा,आदि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

संघ के शताब्दी वर्ष पर गोष्ठी , हिंदू सम्मेलन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा गुरुवार को माता बजरा भवानी मंदिर ग्राम पंचायत ओदार में हिंदू सम्मेलन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की आरती के साथ हुआ।

संघ की 100 वर्षों की यात्रा, सामाजिक भूमिका एवं भविष्य की दिशा पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह गौ सेवा प्रमुख नवल किशोर ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर कारगिल युद्ध तक संघ ने सेवा और राष्ट्रभक्ति की मिसाल पेश की है। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी एवं गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों के बलिदान को स्मरण करते हुए संगठन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि डॉ. हेडगेवार द्वारा स्थापित संघ आज भारत के ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों को विश्व तक पहुंचा रहा है। साथ ही समाज परिवर्तन हेतु संघ के पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी जीवनशैली एवं नागरिक कर्तव्य– पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बढ़ते पर्यावरण संकट पर चिंता जताते हुए वृक्षारोपण, जल-संरक्षण, संसाधनों के सदुपयोग तथा यातायात नियमों के पालन की अपील की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान रामू चौहान ने की। इस अवसर पर आरएसएस जिला प्रचारक रवि प्रकाश निराला सहित संघ के पदाधिकारी,मुकेश सिंह,आशीष सोनी,ब्लॉक प्रमुख रामू गुप्ता,उमेश यादव एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चूज़ा दाना दवा का वितरित

सिद्धौर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्थानीय पशुचिकित्सालय सिद्धौर में गुरुवार को बैकयार्ड पोल्ट्री योजना अन्तर्गत सिद्धौर हॉस्पिटल पर 10 अनुसूचित जाति की महिला लाभार्थी को चूज़ा दाना और दवा का वितरण सिद्धौर पशु चिकित्सा अधिकारी डा.समीम अहमद द्वारा किया गया।इस मौके पर लाभार्थी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में दंपत्ति पर जानलेवा हमला, आरोप

बेलहरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुरानी रंजिश को लेकर एक दंपत्ति पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। हमले में दोनों को गंभीर चोटें आईं है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में पति को सीएचसी में भर्ती कराया जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के ईसेपुर निवासी विमल कुमार की पत्नी सरिता देवी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनके पति अपने भतीजे के साथ गैस सिलेंडर भरवाने जा रहे थे तभी पड़ोसी रामदीन व उनकी पत्नी रीता देवी और हरिचरन व उनकी पत्नी सरला देवी ने पुरानी रंजिश के चलते उन्हें रास्ते में रोक कर गालियां दी तथा जान से मारने की नीयत से उन पर हमला कर दिया। शोर सुनकर वह बचाने पहुंची तो विपक्षियों ने उसपर भी लाठी डंडों से हमला कर दिया जिससे दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। आस-पास के लोग जब मौके पर पहुंचे तो विपक्षी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में उनके पति विमल को सीएचसी फतेहपुर में भर्ती कराया जहां पर हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। इस मामले में पीड़िता ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर विपक्षियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है।

जायस में अधेड़ की गला काटकर बेरहमी से की गई हत्या

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना जायस क्षेत्र के मोजमगंज पुल के पास नहर पटरी पर गुरुवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई जहां अज्ञात बदमाशों ने एक अधेड़ व्यक्ति की गला काटकर नृशंस हत्या कर दी। हत्या के बाद बदमाश मृतक का सिर भी अपने साथ ले गये। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मातहतों को दिशा निर्देश दिया है। थाना क्षेत्र के मोजमगंज पुल के पास से राहगीर गुजर रहे थे तभी उन राहगीरों को एक शव नजर आया पास जाकर जब देखा तो शव का सिर गायब है और गले पर धारदार हथियार से हमला के गहरे निशान हैं। इस भयावह दृश्य को देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमरेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल को घेराबंदी कर सुरक्षित किया। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है।शव की जेब की तलाशी के दौरान पुलिस को एक आधार कार्ड मिला, जिससे मृतक की पहचान प्रतापगढ़ जनपद के सरसठ चौक, धर्मशाला वार्ड कोतवाली नगर निवासी विजय सिंह पुत्र बेनी माधव सिंह उम्र लगभग पचास के रूप में हुई है।मृतक की पहचान होते ही पुलिस ने उसके परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन अमेठी के लिए रवाना हो गये हैं।घटना को गम्भीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों को घटना के शीघ्र खुलासे का निर्देश दिया। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाये जा सके। आसपास के क्षेत्र में सिर की तलाश की गई लेकिन समाचार लिखे जाने तक सिर बरामद नही हो सका था। इस सम्बंध में अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही मृतक के परिजनों और परिचितों से पूंछतांछ कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

अमेठी में सर्राफा की दुकानों पर चेहरा खुला होने पर ही मिलेगी आभूषण खरीदारी की अनुमति

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद अमेठी में सर्राफा कारोबार से जुड़े व्यापारियों ने बढ़ती आपराधिक घटनाओं और लूट की आशंकाओं को देखते हुये सुरक्षा के लिहाज से एक अहम और सख्त फैसला लिया है।अमेठी के सर्राफा बाजार में स्थित दुकानों पर वही ग्राहक प्रवेश कर सकेंगे जिनका चेहरा पूरी तरह खुला होगा। हेलमेट, गमछा, दुपट्टा, नकाब या किसी भी अन्य माध्यम से चेहरा ढककर आने वाले लोगों को दुकान के अंदर प्रवेश नही दिया जायेगा और न ही उन्हें आभूषणों की खरीदारी की अनुमति मिलेगी।सर्राफा व्यवसायियों का कहना है कि बीते कुछ वर्षों में प्रदेश ही नही बल्कि देश के कई हिस्सों में सर्राफा दुकानों में लूट, चोरी और टप्पेबाजी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। अधिकांश घटनाओं में अपराधी चेहरा ढककर आते हैं जिससे न केवल दुकानदारों के लिए उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है बल्कि सीसीटीवी कैमरों में भी उनकी सही पहचान दर्ज नहीं हो पाती।पुलिस की जांच भी प्रभावित होती है और अपराधी आसानी से बच निकलते हैं।सर्राफा कमेटी के उपाध्यक्ष प्रदीप सोनी उर्फ बनारसी ने बताया कि कई बार ग्राहक चेहरा ढककर दुकान में प्रवेश करते हैं। जब दुकानदार उनसे चेहरा खोलने का अनुरोध करते हैं तो कुछ मामलों में विवाद की स्थिति भी बन जाती है। इसके बावजूद व्यापारियों ने एकमत होकर तय किया है कि सुरक्षा से कोई समझौता नही किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बदमाश अक्सर खुद को सामान्य ग्राहक दिखाने के लिये चेहरा ढककर आते हैं और मौका मिलते ही लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं।व्यवसायियों ने यह भी स्पष्ट किया कि सीसीटीवी निगरानी को प्रभावी बनाने के लिए चेहरे का स्पष्ट दिखाई देना बेहद जरूरी है। जब ग्राहक चेहरा खुला रखकर दुकान में आएंगे, तभी कैमरों में उनकी सही पहचान रिकॉर्ड होगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपराधिक घटना की स्थिति में यह फुटेज पुलिस के लिए अहम साक्ष्य साबित हो सकती है। चेहरा ढका होने की स्थिति में कैमरे की उपयोगिता सीमित हो जाती है।इस फैसले को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सर्राफा बाजार की अधिकांश दुकानों के बाहर सूचना बोर्ड लगाए गए हैं। इन बोर्डों पर साफ शब्दों में लिखा गया है कि दुकान में प्रवेश के लिए चेहरा पूरी तरह खुला होना अनिवार्य है और चेहरा ढककर प्रवेश वर्जित है।

प्रभारी मंत्री का दौरा, मलिन बस्ती का जायजा, सख्त तेवर, निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मलिन बस्तियों में विकास को प्राथमिकता दे- राही

बाराबंकी। जिले के प्रभारी मंत्री मा. सुरेश राही ने गुरुवार को शहर की मलिन बस्ती गांधी नगर का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने यहां मौजूद अधिकारियों से जनता की पेंशन, स्वच्छता व्यवस्था, टूटी सड़कों की मरम्मत और स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। मलिन बस्ती गांधी नगर में समस्याएं निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने साफ-सफाई की खराब व्यवस्था पर नाराजगी जताई और नगर निकाय अधिकारियों को तत्काल सफाई अभियान चलाने को कहा। नाला निर्माण गुणवत्ता पर भी उन्होंने संतोष जताया। मंत्री जी नेकहा कि ल्लमलिन बस्तियों को प्राथमिकता में रखकर कार्य किया जाए, क्योंकि सबसे अधिक जरूरत इन्हीं क्षेत्रों को है। यहां प्रभारी मंत्री ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

'टूटी सड़कें स्ट्रीट लाइट का अभाव'

स्थानीय लोगों ने बताया कि कई गलियों की सड़कें टूटी पड़ी हैं और रात में स्ट्रीट लाइटें न होने से असुविधा होती है। इस पर प्रभारी मंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत मरम्मत कार्य शुरू करने व ट्रीट/स्ट्रीट लाइटें लगवाने के निर्देश दिए।

कांग्रेस सांसद तनुज ने निर्माणाधीन पुल का लिया जायजा, जताया असंतोष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। कंाग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने आज रामनगर फतेहपुर रोड स्थित बुढ़वल स्टेशन पर निर्माणाधीन पुल का जायजा लिया। पुल का मध्य भाग दोनों ओर से बन चुका है लेकिन शेष कार्य अधूरा होने के कारण आम जनमानस को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में एक ट्रक पुल से नीचे गिर गया जिससे दो लोगों की असमय मृत्यु हो गई। श्री पुनिया जी ने कहा कि यह घटना अत्यन्त दुःखद व चिन्ताजनक है। स्थानीय नागरिकों एवं किसानों की समस्याओं को लेकर सांसद तनुज पुनिया आज मौके पर पहुंच कर स्थलीय निरीक्षण किया और दोनों ओर लगाये गये हाइट गेट से किसानों एवं राहगीरों को हो रही परेशानियों को भी गम्भीरता से संज्ञान में लिया। इस सम्बन्ध में सांसद श्री पुनिया जी ने रेलवे के सम्बन्धित अधिकारियों से संचार के माध्यम से वार्ता कर निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, और आम जनमानस को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो सके। इस मौके पर रामनगर ब्लाक अध्यक्ष सौरभ पाण्डेय, नेकचन्द्र त्रिपाठी, अकील इदरीसी, रामकुमार लोधी, सन्तोष रावत, धनन्जय सिंह आदि लोग मौजूद थे।

सुरक्षा सेवा संघ का सदस्यता अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के सदस्यता अभियान को लेकर गुरुवार को महादेव तालाब फतेहपुर मे बैठक का आयोजन किया गया बैठक मे जिला प्रभारी छोटा योगी मोहित हिंदु ने कार्यकर्ताओं को सदस्यता ग्रहण कराते हुए हिंदु रक्षा की शपथ दिलाई। बैठक को सम्बोधित करते हुए छोटा योगी मोहित हिंदु ने कहा कि हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी अयोध्या के महान परम पूज्य राजू दास जी महाराज जी के निर्देशानुसार जनपद बाराबंकी मे कार्यकारिणी गठन का कार्य किया जा रहा है मोहित हिंदु ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह में हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाए और गांव-गांव जाकर लोगों को संगठन में जुड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए अपील की उन्होंने कहा कि हिंदू एक है तो सेट है हिंदू बटेगा तो कटेगा जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण बांग्लादेश है जाति पात की करो विदाई हिंदू हिंदू भाई भाई है। इस मौक़े पर संघ के जिलाध्यक्ष शुभम कसौधन जिला उपाध्यक्ष पवन विश्वकर्मा जिला महामंत्री करण सिंह जिला उपाध्यक्ष मनोज सैनी विधानसभा अध्यक्ष कुर्सी आशीष कुमार विश्वकर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने की विकास कार्यो की समीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। ब्लॉक सभागार में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उपजिलाधिकारी तेजस के0 ने ब्लॉक के अधिकारियों, कर्मचारियों व प्रधानों के साथ एक बैठक कर विकास कार्यों और शासन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की।उपजिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यों में तेजी लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं।

बैठक में विशेष रूप से फार्मर रजिस्ट्री और आयुष्मान कार्ड से संबंधित कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। उपजिलाधिकारी तेजस के ने इन महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर जोर दिया।इस दौरान खंड विकास अधिकारी संजीव गुप्ता, सहायक विकास अधिकारी पंचायत मनोज मिश्रा, नायब तहसीलदार अन्नू सिंह सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण अभिषेक, सतीश वर्मा, राजेश कुमार रावत, सुरेश चंद्र यादव, अकरम अंसारी, चंद्रभान, सुनील कुमार रावत, धर्मेंद्र वर्मा, रिजवान, रेहान, मैकूलाल, क्षेत्र के समस्त कोटेदार और स्वयं सहायता समूहों की महिला बीएमएम अंजलि, इमरान, शिवनारायण मौर्या, अखिलेश वर्मा, गजराज वर्मा भी बैठक में मौजूद थे।

कोयला भट्टी, वन विभाग की कड़ी कार्रवाई

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के केसरीपुर गणेशपुर मार्ग पर चौरसिया फार्म के पास बिना पूर्ण अनुमति के कोयला भट्टी संचालित किए जाने की सूचना पर वन विभाग ने कार्रवाई की।जांच में कागजात अधूरे पाए जाने पर वन रेंजर अल्पना पांडे ने लकड़ी से कोयला बनाने का कार्य तत्काल रुकवा दिया।भट्टी संचालक मो. इफरान निवासी गोंडा ने बताया कि उन्होंने अनुमति के लिए आवेदन किया है और दस्तावेज पूरे होने पर कार्य पुनः शुरू किया जाएगा।

अतिक्रमणकारियों के आगे बेबस नजर आ रहा है जिला प्रशासन

सुल्तानपुर। जिला प्रशासन अतिक्रमणकारियों के आगे बेबस नजर आ रहा है लगभग 1 माह से अधिक समय से नगर पालिका द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से आक्रमणकारियों को आवागमन के लिए रास्ता मुक्त करने का आवाहन किया जा रहा है। लेकिन दबंग आक्रमणकारी उसको नजर अंदाज कर अपने जगह पर कायम है वहीं जिला प्रशासन भी कई दिनों से अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रहा है लेकिन अभियान का दस्ता ज्यों ही आगे बढ़ता है पीछे से आक्रमणकारी फिर अपनी जगह पर काबिज हो जाते हैं इन लोगों को न तो चालान का डर है और न ही अपने सामान को जप्त होने का, कारण है कि जैसे ही आक्रमण विरोधी अभियान निकलता है वैसे ही इन्हें पहले से ही सूचना हो जाती है और रास्ते से अपना सामान हटा लेते हैं और दस्ते के आगे बढ़ते ही फिर से उनकी दुकानें सज जाती हैं वहीं राहगीर भी अब यह जान चुके हैं कि इन आक्रमणकरियो के आगे जिला प्रशासन बेबस हो चुका है सिर्फ औपचारिकता निभाने के लिए ही अभियान निकाला जा रहा है।

आईसीसी टूर्नामेंटों की चमक फीकी पड़ रही है प्रशासनिक दृष्टिकोण से बदलाव की जरूरत है: उथप्पा

एजेंसी

डरबन। भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) टूर्नामेंटों के प्रति लोगों का आकर्षण कम होता जा रहा है और इनकी चमक को बरकरार रखने के लिए 'प्रशासनिक दृष्टिकोण' से बदलाव करने की जरूरत है। मौजूदा क्रिकेट कैलेंडर में 10 महीनों के भीतर तीन विश्व कप आयोजित किए जा रहे हैं। महिला वनडे विश्व कप सितंबर और नवंबर 2025 के बीच खेला गया था। अब पुरुषों का टी20 विश्व कप सात फरवरी से आठ मार्च 2026 के बीच खेला जाएगा। इसके बाद जून जुलाई में महिला टी20 विश्व कप होगा। उथप्पा ने यहां एसए20 के दौरान चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत में पीटीआई के एक सवाल के जवाब में कहा, ''मुझे लगता है कि खेल को प्रशासनिक दृष्टिकोण से विकसित करने की जरूरत है। हर साल आईसीसी टूर्नामेंट हो रहे हैं। इससे प्रशंसकों और दर्शकों के लिए इनकी क्या अहमियत रह गई है। ईमानदारी और पूरे सम्मान के साथ कहूं तो इनमें कुछ नयापन नहीं है और उनकी चमक फीकी पड़ती जा रही है। उथप्पा अभी एसए20 में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे हैं। उनका मानना था कि आईसीसी की दो प्रतियोगिताओं के बीच कुछ अंतराल होना चाहिए ताकि उनका महत्व बना रहे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आईसीसी चैंपियनशिप की नवीनता बनी रहनी चाहिए। यह न केवल खिलाड़ियों बल्कि प्रशंसकों और दर्शकों के लिए भी महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कुछ महत्व होना चाहिए। इसमें कुछ बदलाव होना चाहिए। उथप्पा ने कहा, ''हम हर साल आईसीसी टूर्नामेंट आयोजित नहीं कर सकते और न ही करना चाहिए। यह एक कड़वी सच्चाई है जिसे मुझे लगता है कि इस खेल के प्रशासकों को समझना होगा। उन्हें खेल को इस तरह विकसित करने पर विचार करना होगा जिससे यह वास्तव में आगे बढ़ सके। उथप्पा ने इसके साथ ही कहा कि एसए20 दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट में एक बड़ा बदलाव लाएगा, क्योंकि युवा प्रतिभाएं अब लीग के जरिए अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि क्रिकेट के माहौल और गुणवत्ता के मामले में यह आईपीएल के बाद दूसरी सर्वश्रेष्ठ लीग है। इससे आप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को फलते-फूलते देखेंगे। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप और अन्य टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका के अच्छे प्रदर्शन से इसका पता चलता है। उथप्पा ने कहा, ''मुझे लगता है कि एसए20 जैसी लीग दुनिया भर में क्रिकेट के दर्शकों का लगभग 60-70 प्रतिशत हिस्सा कवर करती है। यह लीग निरंतर आगे बढ़ती जाएगी।

सिंधू आसान जीत के साथ मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

कुआलालंपुर। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली जापान की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया। हालांकि भारतीय पुरुष खिलाड़ी लक्ष्य सेन और युवा आयुष शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा। सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में हांगकांग-चीन के ली चेउक यिउ से 53 मिनट में 22-22, 15-21 से हार गए। शेट्टी को चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त शी यू क्यूई के खिलाफ 70 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 18-21, 21-18, 12-12 से हार का सामना करना पड़ा। तीस वर्षीय सिंधू ने वापसी करने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मियाजाकी के खिलाफ अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इससे जापानी किशोरी के खिलाफ उनका करियर का रिकॉर्ड 2-1 हो गया है। सिंधू ने पहले गेम में 5-1 की बढ़त हासिल की और फिर लगातार 13 अंक जीतकर 18-4 की शानदार बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम भी काफी हद तक एकतरफा रहा, हालांकि 19 वर्षीय मियाजाकी 8-9 से पिछड़ने के बाद कुछ समय के लिए मुकाबले में बनी रहीं। लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल किया और 17-11 से छह अंक की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्हें मैच जीतने में ज्यादा समय नहीं लगा। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का सामना चीन की गाओ फांग जी और तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी अकाने यामागुची के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

मुंबई इंडियंस तीसरे डब्ल्यूपीएल खिताब का प्रमुख दावेदार, आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स भी दौड़ में

एजेंसी

नवी मुंबई। अपने पहले वनडे विश्व कप की जीत की खुशी में डूबी भारतीय महिला क्रिकेटर शुक्रवार से यहां शुरू हो रही चौथे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी, जो इस साल इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी की शुरुआत भी होगी। टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता और मौजूदा चैंपियन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इसमें युवा खिलाड़ियों को दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने 4-1 से जीती एशेज टेस्ट सीरीज, एससीजी में रोमांचक जीत के साथ ख्वाजा को दी विदाई

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। यह मुकाबला पूरे सीरीज का सबसे करीबी टेस्ट साबित हुआ, जिसमें पांचवें दिन की घूमती पिच, अंपायरिंग तकनीक को लेकर विवाद और आखिरी क्षणों का दबाव ऽ सब कुछ देखने को मिला। इंग्लैंड की तीसरी पारी में जैकब बेथेल के शानदार 154 रन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पारी लड़खड़ाई और 39 रन बाकी रहते उसका पांचवां विकेट गिर गया। इसके बाद एलेक्स कैरी (नाबाद 16) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 22) ने छठे विकेट के लिए नाजुक लेकिन निर्णायक 40 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। कैरी ने विल जैक्स की गेंद पर विजयी रन लगाए। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने 11 ओवर में 3/42 की जुझारू गेंदबाजी की, लेकिन अनुभवी स्पिनर की कमी इंग्लैंड को भारी पड़ी, क्योंकि पिच पर तेज टर्न मिलने लगा था। कप्तान बेन स्टोक्स ग्रोइन इंजरी के बावजूद टीम का नेतृत्व करते नजर आए और डीआरएस से जुड़े एक और फैसले को लेकर वह खासे नाराज दिखे। इस टेस्ट का एक भावुक पल उस समय आया जब उस्मान ख्वाजा अपने आखिरी टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करने उतरे। बेन स्टोक्स ने खेल भावना दिखाते हुए उनके लिए गार्ड ऑफ ऑनर का आयोजन किया। ख्वाजा सिर्फ 6 रन ही बना सके और जोश टंग की गेंद पर बोल्ड हो गए। आउट होने के बाद उन्होंने मार्नस लाबुशेन से गले लगकर विदाई ली, परिवार की ओर हाथ हिलाया और मैदान पर लिखे 'थैंक्स उज्जी' संदेश को नमन किया। मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जल्दी आउट हुए, लेकिन इंग्लैंड के पार्ट-टाइम स्पिनर मैच का रुख नहीं बदल सके। इस बीच जेक वेदराल्ड और ब्रायडन कार्स के बीच मैदान पर तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली, जिसकी वजह डीआरएस से जुड़ा विवाद रहा। इस टेस्ट में बेथेल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि पूरे सीरीज में 31 विकेट और 156 रन बनाने वाले मिशेल स्टार्क को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

एशेज में इंग्लैंड के खिलाड़ियों और प्रबंधन के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा ईसीबी

सिडनी। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ऑस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला में 1-4 से मिली करारी हार के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों और प्रबंधन के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड गोल्ड ने 'आने वाले महीनों में जरूरी बदलाव लागू करने' का वादा किया है। इंग्लैंड की गुरुवार को पांचवें टेस्ट में पांच विकेट से हार के बाद गोल्ड ने बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और क्रिकेट निदेशक रॉब की की योजना, रणनीति और तैयारी की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन और व्यवहार तथा परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता का भी मूल्यांकन किया जाएगा। गोल्ड ने कहा, ''यह एशेज दौरा बड़ी उम्मीदों और उत्साह के साथ शुरू हुआ था। इसलिए यह बेहद निराशाजनक है कि हम ऑस्ट्रेलिया में एशेज जीतने की अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाए।

अमागी मीडिया के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का हुआ एलान, 13 जनवरी को लॉन्च होगा कंपनी का पब्लिक इश्यू

एजेंसी

नई दिल्ली। मीडिया सेक्टर से जुड़ी कंपनी अमागी मीडिया लैब्स के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 343 रुपये से लेकर 361 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 41 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,788.62 करोड़ रुपये का है। अमागी मीडिया लैब्स का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 13 जनवरी को खुलेगा। निवेशक इसमें 16 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 19 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जनवरी को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 41 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,801 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,413 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले कुल 4,95,46,221 शेयर जारी हो रहे हैं। इसमें 2,26,03,878 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 973 करोड़ रुपये के 2,69,42,343 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 321.27 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 245 करोड़ रुपये और 2024-25 में गिर कर 68.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 6.47 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 724.72 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 942.24 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 1,223.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी 30 सितंबर 2025 के अंत तक कंपनी को 733.93 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। कंपनी पर 2022-23 से लेकर अभी तक पूरी तरह से कर्ज मुक्त है।

नाबालिग के यौन उत्पीड़न के मामले में राष्ट्रीय निशानेबाजी कोच निलंबित

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज पर एक नाबालिग निशानेबाज ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसके चलते राष्ट्रीय महासंघ ने उन्हें निलंबित कर दिया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने बताया, ''एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा, ''उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे। भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा, ''एनआरएआई की सिफारिश पर ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने उन्हें कोच नियुक्त किया था। यह सूरजकुंड में हुई यौन उत्पीड़न की घटना है। भाटिया ने यह नहीं बताया कि घटना कब हुई, लेकिन पीड़िता ने जो एफआईआर दर्ज की है, उसके अनुसार, पिछले महीने करणी सिंह रेंज में एक अभ्यास सत्र के बाद यह घटना घटी थी। पिछले साल अगस्त से भारद्वाज के साथ प्रशिक्षण ले रही इस युवा निशानेबाज ने बताया कि वह इस घटना से सदमे में है और उन्होंने एक जनवरी को अपनी मां को इसकी जानकारी दी। पूर्व पिस्टल निशानेबाज भारद्वाज को अपने प्रतिस्पर्धी करियर के दौरान बीटा-ब्लॉकर के इस्तेमाल के लिए 2010 में डोपिंग प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

अधिकतर भारतीय पेशेवरों की 2026 में नौकरी बदलने की योजना: लिंक्डइन

नयी दिल्ली। भारत में अधिकतर पेशेवर 2026 में एक नई भूमिका की तलाश में है। हालांकि अनिश्चितता एवं कौशल अंतराल के कारण कुछ लोग बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नई भूमिका के लिए एआई-संचालित भर्ती प्रक्रिया में खुद को उपयुक्त महसूस नहीं करते हैं। पेशेवर मंच लिंक्डइन के नए सर्वेक्षण के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग, आज की नौकरियों के लिए तेजी से बदलती कौशल आवश्यकताओं और तेजी से प्रतिस्पर्धी लेकिन चयनात्मक नौकरी बाजार के बीच 84 प्रतिशत पेशेवर नई नौकरी खोजने के लिए खुद को तैयार महसूस नहीं करते हैं। लिंक्डइन के आंकड़ों के अनुसार, भारत में रिक्त पदों के लिए आवेदकों की संख्या 2022 की शुरुआत से दोगुनी से अधिक हो गई है जिससे प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ गई है। कई लोग खुद को इसके लिए तैयार महसूस नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा, करीब 74 प्रतिशत ने कहा कि पिछले एक साल में योग्य प्रतिभाओं को ढूंढना और भी कठिन हो गया है। लिंक्डइन की 'करियर एक्सपर्ट' एवं लिंक्डइन इंडिया की वरिष्ठ प्रबंध संपादक (न्यूज) निराजिता बनर्जी ने कहा, '' भारत के रोजगार बाजार में करियर बनाने और प्रतिभा मूल्यांकन में एआई एक मूलभूत भूमिका निभाता है। पेशेवरों को सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की स्पष्ट समझ की है कि उनके कौशल अवसरों में कैसे तब्दील होते हैं और भर्ती संबंधी निर्णय वास्तव में कैसे लिए जाते हैं। उन्होंने कहा, '' हालांकि एआई उपकरण का उद्देश्यपूर्ण उपयोग किए जाने पर ये, लोगों को उनकी उपयुक्त भूमिकाओं की पहचान करने, उद्देश्यपूर्ण तैयारी करने और अपने सीखने को सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान देने में मदद करके इस अंतर को पाट सकते हैं। 'उपभोक्ता एवं वैश्विक मानव संसाधन पेशेवर अध्ययन' नवंबर 2025 में 'सेंससवाइड' द्वारा 19,113 उत्तरदाताओं के बीच आयोजित किया गया जो पूर्णकालिक/अंशकालिक काम करते हैं या बेरोजगार हैं और वर्तमान में नौकरी की तलाश में हैं। इसमें शामिल लोग 18-79 आयु वर्ग के थे। यह सर्वेक्षण 13 नवंबर से 28 नवंबर 2025 के बीच किया गया। इसके अलावा यह सर्वेक्षण 6,554 वैश्विक मानव संसाधन पेशेवरों के बीच 10 नवंबर से 27 नवंबर 2025 के बीच किया गया।

तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क छोटे खुदरा विक्रेताओं के खतरा, सरकार पुनर्मूल्यांकन करे: एफआरएआई

नयी दिल्ली। 'फ़ेडरेशन ऑफ रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एफआरएआई) ने तंबाकू उत्पादों पर कानूनी तौर पर करों में भारी वृद्धि पर बृहस्पतिवार को गंभीर चिंता व्यक्त की और सरकार से छोटे खुदरा विक्रेताओं के हित में पुनर्विचार करने एवं अवैध संचालकों को बाजार पर कब्जा करने से रोकने का आग्रह किया। वित्त मंत्रालय के चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू और गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण एवं शुल्क संग्रह) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी करने की पृष्ठभूमि में एफआरएआई ने यह मांग उठाई है। इसके तहत सिगरेट की लंबाई के आधार पर प्रति 1,000 'स्टिक' पर 2,050-8,500 रुपये का उत्पाद शुल्क लगाया गया है जो एक फरवरी से प्रभावी होगा। एफआरएआई ने बयान में कहा कि इस कदम ने छोटे खुदरा विक्रेताओं, फ़ेरीवालों एवं रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को गंभीर चिंता में डाल दिया है जो अपनी आजीविका के लिए दैनिक उपभोग की वस्तुओं, विशेष रूप से तंबाकू उत्पादों पर निर्भर हैं एसोसिएशन ने आगाह किया कि नियमित उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में अचानक और तीव्र वृद्धि का भारत के अनौपचारिक खुदरा परिवेश पर असमान प्रभाव पड़ता है जो लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है और कम मुनाफ़े एवं उच्च मात्रा की बिक्री पर संचालित होता है। एफआरएआई करीब 80 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मझोले खुदरा विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है। इसने कहा कि कीमतों में अचानक आई तेजी उपभोक्ताओं को कानूनी बाजारों से दूर कर देगी, आस-पड़ोस की दुकानों में ग्राहकों की संख्या कम कर देगी और अवैध एवं अनियमित विकल्पों की ओर बदलाव को तेज कर देगी। एफआरएआई के संयुक्त सचिव गुलाब चंद खोड़ा ने कहा कि वैध उत्पादों की कीमतों में अचानक वृद्धि से दुकानों में मांग तुरंत खत्म हो जाती है और उपभोक्ता अवैध विकल्पों की ओर धकेल दिए जाते हैं। इससे छोटे दुकानदार घटती आय और अवैध आपूर्तिकर्ताओं के दबाव के बीच फंस जाते हैं। इस मुद्दे को व्यापक वृहद आर्थिक संदर्भ में रखते हुए एफआरएआई ने कहा कि यह कमद वृद्धि अन्यत्र मूल्य नियंत्रण के लाभों को बेअसर करता है और प्रगतिशील माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती से मिले लाभों के उलट है जिससे उपभोक्ता विश्वास एवं खुदरा स्थिरता कमजोर होती है।

एपीडा ने कृषि-खाद्य, कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के समर्थन के लिए शुरू की नई पहल

एजेंसी

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनियों को समर्थन देने के लिए एक नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने कहा कि 'कृषि-प्रौद्योगिकी, जुझारूपन, उन्नयन और निर्यात-सक्षम इनक्यूबेशन के लिए भारत का केंद्र' यानी 'भारती' पहल कृषि क्षेत्र की स्टार्टअप फर्मों को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) द्वारा आयोजित तीन-दिवसीय 'इंडसफूड 2026' प्रदर्शनी में शिरकत करते हुए कहा, ़हम इस पहल के तहत शीर्ष 10 स्टार्टअप को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर देंगे। कृषि निर्यात के मोर्चे पर देव ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के कृषि निर्यात में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा, इस साल भी हम रिकॉर्ड वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एपीडा-प्रोत्साहित निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान सात प्रतिशत बढ़कर 18.6 अरब डॉलर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 28.5 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा, इस वित्त वर्ष में हमें 30 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाने की उम्मीद है। इस मौके पर टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि इस खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 से अधिक देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। चीन, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, फिलीपीन, नेपाल और लेबनान सहित कई देशों के खरीदार और प्रदर्शक भारत आए हैं।

एयर इंडिया का पहला लाइन फिट बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान अगले कुछ दिनों में भारत पहुंचेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया को लंबा इंतजार करने के बाद 'लाइन फिट' बोइंग 787-9 विमान मिल गया है। विमानन कंपनी एयर इंडिया के बेड़े में 8 साल से अधिक समय में शामिल होने वाला यह पहला 'ड्रीमलाइनर' भी है। अमेरिका में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के निरीक्षण के बाद इस विमान के अगले कुछ दिन में भारत पहुंचने की उम्मीद है। एयर इंडिया ने 7 जनवरी को अमेरिका के सिएटल में बोइंग के एवरेट कारखाने में 'ड्रीमलाइनर' का स्वामित्व हासिल किया। जनवरी, 2022 में निजीकरण के बाद लिया जाने वाला यह एयर इंडिया का पहला 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर है। एयर इंडिया ने आखिरी बार 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर अक्टूबर, 2017 में हासिल किया था, जब विमानन कंपनी भारत सरकार के स्वामित्व में थी। विमानन उद्योग में 'लाइन फिट' का मतलब होता है कि कोई उपकरण, सिस्टम या फीचर विमान के विनिर्माण (असेंबली) की प्रक्रिया के दौरान ही विमान में लगाया जाए, न कि बाद में उसे विमान में लगाया जाए। एयर इंडिया के मुताबिक 2023 में ऑर्डर किए गए 220 बोइंग विमान में से यह 52वां विमान है। एयर इंडिया एक्सप्रेस को पहले ही 'नैरो-बॉडी' बोइंग 737-8 के 51 विमानों की आपूर्ति मिल चुकी है, जिसे दिसंबर के अंत में शामिल किया गया। जनवरी, 2022 में टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद एयर इंडिया ने 350 एयरबस और 220 बोइंग विमान का ऑर्डर दिया था। एयरबस के ऑर्डर में से 6 ए350 विमान पहले ही एयर इंडिया के बेड़े में शामिल किए जा चुके हैं। एयर इंडिया के पास पहले से ही विस्तारा के 26 बी787-8 और 6 बी787-9 विमान हैं। विस्तारा का विलय एयर इंडिया में हो चुका है। एयर इंडिया समूह के पास वर्तमान में 300 से अधिक विमान हैं, जिनमें से 185 विमान एयर इंडिया के हैं और शेष एयर इंडिया एक्सप्रेस के हैं। एयर इंडिया एयरलाइन के पुराने करीब एक दर्जन ड्रीमलाइनर विमान नए रूप में 2026 तक सेवा में लौट सकते हैं।

मोदी 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में 11 जनवरी को होंगे शामिल

एजेंसी

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 जनवरी को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में शामिल होंगे।

सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि 'सौराष्ट्रे सोमनाथं च, श्री शैले मल्लिकार्जुनम्, उज्जयिन्यां महाकालम् ? कारम अमलेश्वरम्।' द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम की यह पंक्ति दर्शाती है कि जब भारत के 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों का वर्णन होता है, तब सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। यह भारत की संस्कृति में सोमनाथ का अग्रिम स्थान तथा उसके अविनाशी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है।

पिछले दो दशक में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सोमनाथ मंदिर 'स्वर्णिम युग' में प्रविष्ट हुआ है। उनके श्री सोमनाथ ट्रस्ट का अध्यक्ष बनने के बाद से सोमनाथ के विकास में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। वर्ष 2026 में महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ पर 1026 में किए गए प्रथम आक्रमण के हजार वर्ष पूर्ण होंगे। आज एक हजार वर्षों के बाद भी सोमनाथ मंदिर पूर्ण गौरव के साथ अडिग खड़ा है। संयोग से 2026 में ही सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने वाले हैं। 11 मई, 1951 को इस भव्य मंदिर का पुनर्निर्माण संपन्न हुआ था और फिर यह भक्तों के लिए खुला था। इस सीमाचिह्न समान घटना को और विशेष बनाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 11 जनवरी को सोमनाथ की यात्रा पर आएंगे और 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में उपस्थिति देंगे। भक्ति एवं भव्यता का संगम शिखर पर 1,666 स्वर्ण कलशों तथा 14,200 ध्वजाओं के साथ सोमनाथ मंदिर तीन पीढ़ियों की अडिग श्रद्धा, दृढ़ता तथा कलात्मकता के प्रतिबिंब के रूप में खड़ा है। हर वर्ष लाखों लोग इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए आते हैं। वर्ष 2020 से 2024 तक वार्षिक अनुमानित 97 लाख श्रद्धालु सोमनाथ के दर्शन के लिए आए हैं। बिल्व पूजा के लिए पिछले दो वर्ष में श्रद्धालुओं की संख्या 13.77 लाख दर्ज हुई थी, पिछले दो वर्ष में श्रद्धालुओं की संख्या 13.77 लाख दर्ज हुई थी, जिसमें महाशिवरात्रि-2025 के दौरान 3.56 लाख श्रद्धालु आए थे। आज ऑनलाइन बुकिंग तथा पोस्टल प्रसादी की सुविधा यह सुनिश्चित करती है कि सोमनाथ की पवित्रता मंदिर की सीमाओं को पारकर सभी भक्तों तक पहुँचे। सोमनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए लाइट एंड साउंड शो तथा उत्सवों का आकर्षण भी रहा है। पिछले तीन वर्ष में 10 लाख से अधिक लोगों ने सोमनाथ की गाथा का वर्णन करने वाला लाइट एंड साउंड शो को देखा है। सोमनाथ प्रांगण में मनाए जा रहे उत्सव की बात करें, तो गत वर्ष वंदे सोमनाथ कला महोत्सव में 1,500 वर्ष पुरानी नृत्य परंपराएँ पुनर्जीवित हुई थीं, जो दर्शाता है कि सोमनाथ केवल आस्था का केन्द्र नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को भी उजागर करता है।

अडिग श्रद्धा और अविरत पुनर्निर्माण की अद्वितीय गाथा है सोमनाथ

एजेंसी

गांधीनगर। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का केंद्र सोमनाथ मंदिर का इतिहास अडिग श्रद्धा और अविरत पुनर्निर्माण की अद्वितीय गाथा है।

गौरतलब है कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत गुरुवार को गांधीनगर स्थित प्राचीन और प्रसिद्ध धोलेश्वर महादेव मंदिर से 72 घंटे के सामूहिक ओमकार नाद का प्रारंभ कराया।

सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम यह पवित्र धाम सदियों से भारतीय अस्मिता का रक्षक रहा है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और संघर्ष का इतिहास सोमनाथ मंदिर की भव्यता और समृद्धि ही प्राचीन समय में आक्रांताओं के लिए आकर्षण की वजह बन गई थी। 1025-26 ईस्वी में अफगानिस्तान के गजनी प्रांत के सुल्तान महमूद गजनवी ने सोमनाथ पर अपना सबसे विनाशक और बर्बर आक्रमण किया था। उस वक्त सोमनाथ अत्यंत समृद्ध धार्मिक केंद्र था, जिसे लूटने के लिए गजनवी ने रेगिस्तानी क्षेत्र के कठिन मार्गों को पार किया था। स्थानीय शासकों और लोगों ने उसका वीरतापूर्वक सामना किया, लेकिन गजनवी ने मंदिर को भारी नुकसान पहुंचाया और मंदिर की अकूत संपत्ति को लूट लिया। इसके बावजूद, गजनवी लोगों की आस्था को मिटाने में असफलत रहा। उसके जाने के बाद तुरंत ही चालुक्य (सोलंकी) शासकों ने मंदिर का पुनर्निर्माण कर संस्कृति को जीवित रखा।भारत की स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर का नवनिर्माण राष्ट्रीय आत्मगौरव का विषय बन गया था। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में मंदिर का उसके मूल गौरव के साथ पुनर्निर्माण करने का संकल्प किया। उनके मार्गदर्शन में प्रसिद्ध शिल्पकार प्रभाशंकर सोमपुरा ने पारंपरिक चालुक्य शैली में भव्य मंदिर का निर्माण किया। 1951 में प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इस मंदिर लोकार्पण करते हुए इसे भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बताया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के श्री सोमनाथ ट्रस्ट का अध्यक्ष बनने के बाद सोमनाथ के विकास में एक नया और आधुनिक अध्याय शुरू हुआ है। उनकी दूरदर्शी योजना के तहत मंदिर परिसर को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल बनाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए डिजिटल दर्शन, सुरक्षा और सुविधाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।प्रोमेनाड (वॉक-वे), समुद्र तट पर बना सुंदर पदयात्री मार्ग पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। टेक्नोलॉजी, भव्य 'लाइट एंड साउंड शो' के माध्यम से इतिहास को जीवंत रखने के प्रयास हुए हैं। संरक्षण, समुद्री क्षार और जंग से मंदिर को बचाने के लिए विशेष तकनीकी उपाय किए गए हैं। आज सोमनाथ मंदिर उन पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक विकास के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर दुनिया भर के श्रद्धालुओं के लिए आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवंत प्रतीक बनकर खड़ा है।

किसानों को मिलेगा नया कौशल, नई कमाई का रास्ता: : रामकृपाल यादव

एजेंसी

पटना। बिहार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने गुरूवार को बताया कि राज्य के किसानों की आय में निरंतर वृद्धि, कृषि को अधिक लाभकारी एवं रोजगारोन्मुख बनाने तथा आधुनिक तकनीकों के प्रभावी प्रसार के उद्देश्य से कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), पटना की ओर से राज्य के बाहर राज्य स्तरीय किसान प्रशिक्षण सह परिभ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

श्री यादव ने बताया कि यह कार्यक्रम समेकित कृषि प्रणाली विषय पर आधारित है, जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सतत कृषि विकास, जोखिम प्रबंधन तथा संसाधनों के समुचित उपयोग की एक सशक्त एवं व्यवहारिक पद्धति के रूप में स्थापित हो रही है।उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित किसानों को झारखंड स्थित मोबाइल एग्रिकल्चरल स्कूल एंड सर्विसेज रांची में पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण सह परिभ्रमण 08 जनवरी 2026 से 12 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों, यांत्रिकीकरण, मूल्य संवर्धन एवं सफल कृषि मॉडलों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया जाएगा, जिससे वे अपने क्षेत्र में इन नवाचारों को प्रभावी रूप से अपनाने में सक्षम हो सकें।

कृषि मंत्री ने कहा कि इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिये जिले के प्रत्येक प्रखंड से दो-दो प्रगतिशील किसानों का चयन किया गया है। इस प्रकार कुल 46 किसान इस कार्यक्रम से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान किसानों को फसल उत्पादन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, बागवानी, मशरूम उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसी गतिविधियों को एकीकृत रूप में अपनाने की विस्तृत एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही उत्पादन लागत में कमी, उत्पादकता में वृद्धि, जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों, डिजिटल तकनीक के उपयोग तथा कृषि उत्पादों के विपणन एवं बाजार से सीधा जुड़ाव जैसे विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और किसानों की आय वृद्धि के संकल्प तथा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के 'सात निश्चय' और समावेशी विकास के विज़न से प्रेरित होकर बिहार सरकार राज्य के किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से किसानों को बहुआयामी आय के

हम वर्दी पहनें या न पहनें, हमारा दिल वर्दीधारी होना चाहिए : एयर चीफ मार्शल सिंह

एजेंसी

नयी दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने गुरुवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों को कैरियर के संबंध में एक सशक्त संदेश दिया कि उन्हें असफलताओं से डरना नहीं चाहिए क्योंकि असफलता अंत नहीं बल्कि अक्सर महानता की शुरुआत होती है। उन्होंने कैडेटों से एनसीसी के मूल्यों को हमेशा याद रखने का आह्वान करते हुए कहा , '' हम वर्दी पहनें या न पहनें, हमारा दिल वर्दीधारी होना चाहिए।''

एयर चीफ मार्शल सिंह ने यहां दिल्ली छावनी स्थित एनसीसी के गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया। कैडेटों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने जीवन के बेहद व्यक्तिगत अनुभव साझा किए जिनमें बचपन में स्कूल में दाखिला न मिल पाने से लेकर सेवा के दौरान पहले पदोन्नति बोर्ड में चूकना तक शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वह दुनिया की सबसे शक्तिशाली वायु सेनाओं में से एक के प्रमुख बने। युवा कैडेटों को संबोधित करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तविक विकास प्रतिस्पर्धा से नहीं, आत्म-सुधार से होता है। उन्होंने कहा, ''यदि आप दूसरों से प्रतिस्पर्धा करेंगे, तो जिस दिन आप उनसे आगे निकल जाएंगे, उस दिन आपकी प्रगति रुक जाएगी। अपने आप से प्रतिस्पर्धा करें। आज से बेहतर बनने का प्रयास करें।'' दृढ़ संकल्प के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि असफलता प्रयास का स्वाभाविक परिणाम है और इससे कभी डरना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, ''केवल वही लोग असफल होते हैं जो प्रयास करते हैं। जो कुछ नहीं करते, वे कभी असफल नहीं होते।'' अपने जीवन की सच्ची घटनाएं साझा करते हुए उन्होंने बताया कि उन्हें हरियाणा के राई स्थित स्पोर्ट्स स्कूल में प्रवेश नहीं मिल पाया था। उन्होंने यह भी बताया कि एक बार वह अपनी पदोन्नति परीक्षा में चूक गए थे, जिससे उनकी पदोन्नति अपने बैच के सहयोगियों की तुलना में एक वर्ष देर से हुई। उन्होंने कहा, ''लेकिन फिर भी मैं प्रमुख बना। यह नियति में लिखा था।'' भगवद गीता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, पूरे मन से काम करना चाहिए और परिणामों से अत्यधिक आसक्त नहीं होना चाहिए। उन्होंने सलाह दी, ''अपना सर्वश्रेष्ठ दें, कड़ी मेहनत करें और जो भी परिणाम आए, उसे गरिमा के साथ स्वीकार करें।'' कैडेटों से महत्वाकांक्षी लेकिन विनम्र बने रहने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि प्रयास और सीखने की यात्रा मुकाम से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सफलता के कोई 'शॉर्टकट' नहीं होते और कड़ी मेहनत, अनुशासन तथा माता-पिता और शिक्षकों द्वारा दिए गए मजबूत मूल्य ही स्थायी सफलता की नींव होते हैं। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि सेना में शामिल होना और देश की सेवा करना ही एनसीसी का एकमात्र लक्ष्य नहीं है। उन्होंने कहा, ''चाहे आप वर्दी में हों या बिना वर्दी के, आप देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकते हैं। बिना वर्दी के भी आप देश का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''किसी बुद्धिमान व्यक्ति ने मुझसे कहा था कि हर सैनिक वर्दी में एक नागरिक होता है और हर नागरिक बिना वर्दी का सैनिक होता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि हम वर्दी पहनें या न पहनें, हमारा दिल वर्दीधारी होना चाहिए।

दिल्ली हाईकोर्ट: जामा मस्जिद के आसपास होगा सर्वे

नई दिल्ली। दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के आसपास के क्षेत्र में अतिक्रमण का सर्वे किया जाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस संबंध में नगर निगम को आदेश जारी किए हैं। अदालत ने दो महीने के भीतर सर्वे रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम को सर्वे करने का निर्देश दिया है। इस सर्वे का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि जामा मस्जिद के आसपास के क्षेत्र में कितना अतिक्रमण हुआ है और किन-किन संपत्तियों पर अवैध निर्माण किया गया है। एमसीडी को इस सर्वे को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना होगा। गौरतलब है कि राजधानी के तुर्कमान गेट इलाके में स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद इन दिनों सुर्खियों में है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने इस मस्जिद से सटे अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाकर ढहा दिया है। इस कारण वहां तनावपूर्ण हालात बने हुए और वहां बड़ी संख्या में पुलिसबल तैनात है।

महिला व बच्चों के विकास को लगेंगे पंख, मंत्रालय ने लॉन्च किया पंखुड़ी पोर्टल

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने गुरुवार को पंखुड़ी नामक एकीकृत कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) एवं साझेदारी सुविधा डिजिटल पोर्टल का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के विकास से जुड़ी पहलों में समन्वय, पारदर्शिता और हितधारक भागीदारी को मजबूत करना है। मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि पंखुड़ी पोर्टल पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण से प्रेरित है, जिसमें उन्होंने प्रौद्योगिकी, सरकार और नागरिकों के बीच सेतु पर बनाने पर जोर दिया। यह पोर्टल पारदर्शिता, सहभागिता और विश्वास को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना को सफल बनाने में जन भागीदारी जरुरी है। पंखुड़ी पोर्टल इसी दृष्टि को साकार करता है, जो सरकार, नागरिकों और संस्थानों का सामाजिक विकास का साझा डिजिटल मंच है। उन्होंने कहा कि पंखुड़ी को एक सिंगल-विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है।

पेज एक का शेष

स्टार्टअप और...

की भावना को दर्शाता हो। श्री मोदी ने कहा कि भारत पर दुनिया का विश्वास ही देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष, पारदर्शी और डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित हों। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप को विश्व में अग्रणी बनने की दिशा में भी काम करना चाहिए और विश्व स्तर पर किफायती एआई, समावेशी एआई और मितव्ययी नवाचार को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल अलग होने चाहिए तथा स्थानीय एवं स्वदेशी सामग्री और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए। इस बैठक में अवतार, भारतजेन, फ्रैक्टल, जीएएन, जीईएनएलओओपी, जीएनएएनआई, इंटेलीहेल्थ, सर्वम, शोध एआई, सॉकेट एआई और टेक महिंद्रा सहित भारतीय एआई स्टार्टअप के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने इस बैठक भाग लिया। केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केन्द्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

यूपी में प्रचंड...

वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 9 से 11 जनवरी के बीच ठंड और कोहरे से आंशिक राहत के संकेत हैं। इस दौरान दिन और रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है और कोहरे की तीव्रता भी कुछ कम होगी। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों ने यह भी चेताया कि 12 जनवरी से एक बार फिर मौसम करवट लेगा और तापमान में गिरावट के साथ ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं सहित आसपास के इलाकों में शीत दिवस की स्थिति बनी रह सकती है। इन क्षेत्रों में दिनभर ठंडी हवाएं चलने और तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की संभावना है। वहीं फतेहपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, जालौन, हमीरपुर और झांसी सहित आसपास के इलाकों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कोहरे के चलते दृश्यता बेहद कम रहने की संभावना है, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है। मौसम विभाग और प्रशासन ने लोगों से बेहद जरूरी होने पर ही घर से निकलने, गर्म कपड़े पहनने और बुजुर्गों-बच्चों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है। साथ ही वाहन चालकों को धीमी गति से चलने और कोहरे में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। कुल मिलाकर, फिलहाल उत्तर प्रदेश में सर्दी का सितम जारी है और आने वाले कुछ दिन लोगों के लिए ठंड की कड़ी परीक्षा लेने वाले हैं।

प्रदेश की पहचान...

की ऐतिहासिक और वैचारिक विरासत को जनमानस से जोड़ने के लिए धरती आबा बिरसा मुंडा, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, सरदार वल्लभभाई पटेल, वंदे मातरम्-आनंद मठ और पुण्य श्लोका अहिल्याबाई होल्कर से जुड़े नाट्य मंचनों का आयोजन किया जाएगा। भारतेंदु नाट्य अकादमी द्वारा वंदे मातरम् रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आनंद मठ आधारित विशेष प्रस्तुति होगी। युवाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र वंदे मातरम्' तथा विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर नृत्य-नाटिकाएं प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस वर्ष आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति को प्रस्तुत करते हुए 3-डी और फाइबर मॉडल, वर्चुअल रियलिटी, 360 डिग्री टूर, लघु फिल्में, क्विज प्रतियोगिताएं और छायाचित्र प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'यूपी दिवस' को जनउत्सव का स्वरूप देने के लिए ओपन माइक, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली थियेटर, रंगोली, पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता, पाक-कला प्रतियोगिता और कला ग्राम जैसे आयोजन होंगे। आगरा, किराना, बनारस, हरिहरपुर, लखनऊ और रामपुर, हरिहरपुर और बदायूं जैसे प्रतिष्ठित संगीत घरानों की विशेष प्रस्तुतियां भी होंगी। उन्होने कहा कि यूपी दिवस-2026 प्रदेश की पहचान, आत्मगौरव और विकास यात्रा का प्रभावशाली प्रतीक बने। सभी कार्यक्रम समयबद्ध, समन्वित और उच्च गुणवत्ता के हों, ताकि यह आयोजन स्मरणीय और प्रेरणादायी जनउत्सव के रूप में स्थापित हो सके।

सपा विधायक विजय...

प्रत्याशी श्रवण गोंड को 3160 मतों से पराजित कर सीट अपने नाम की थी। इससे पहले 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने दुद्धी से रामदुलार गोंड को 6297 मतों के अंतर से हराया था। वह सपा सरकार में मंत्री भी रहे और संगठन में उनका खासा प्रभाव था। विजय सिंह गोंड का राजनीतिक जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने बेहद सीमित संसाधनों से राजनीति की शुरुआत की। वर्ष 1979 में वे वनवासी सेवा आश्रम में मात्र 200 रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत थे, उसी दौरान कांग्रेस के टिकट पर पहली बार विधानसभा पहुंचे। आदिवासी हितों के लिए उनकी प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुद्धी और ओबरा विधानसभा को अनुसूचित जनजाति सीट घोषित कराने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी।

अटल स्कूलों के...

पाठन के लिए आवंटित करें। प्रतिदिन 5 नए व कठिन शब्द उनके अर्थ सहित बोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएं। विद्यालय के मुख्य डिस्प्ले बोर्ड (मेन डिस्प्ले बोर्ड) पर 'आज का सुविचार' को अनिवार्य रूप से अंकित किया जाए। उन्होंने कहा कि कक्षा नौ से बारह तक के छात्रों के लिए सप्ताह में एक बार संपादकीय लेखों पर आधारित मौलिक लेखन या समूह चर्चा आयोजित की जाए। रचनात्मक कार्यों में कनिष्ठ (जूनियर) वर्ग के छात्रों के लिए विज्ञान, पर्यावरण और खेल जैसे विषयों पर न्यूज क्लिपिंग स्क्रैपबुक तैयार करवाई जाए। समाचार पत्रों के आधार पर कराएं प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए समाचार पत्रों में प्रकाशित सुडोकू, शब्द पहेली और ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी की प्रतियोगिताएं समय-समय पर आयोजित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यार्थियों को समाचार पत्रों की संरचना एवं प्रस्तुतीकरण से प्रेरणा लेकर अपने विद्यालय हेतु एक त्रैमासिक विद्यालय समाचार पत्र या विद्यालय पत्रिका तैयार करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए। इसका संपादन विद्यार्थियों की टीम द्वारा ही किया जाए।

पर्यावरणीय खतरे...

भी सभी कुत्तों को हटाने का निर्देश नहीं दिया है और कोई भी कार्रवाई एबीसी नियमों के अनुरूप ही होनी चाहिए। श्री सिंह ने इस बात पर बल दिया कि नसबंदी के बाद उसी क्षेत्र में कुत्तों को पुनः छोड़ना ही एकमात्र सिद्ध सफल मॉडल है। उन्होंने चेतावनी दी कि भीड़भाड़ वाली सुविधाओं में बड़े पैमाने पर आश्रय देने से बीमारियों का प्रसार बढ़ सकता है और तर्क दिया कि राज्यों द्वारा बार-बार नियमों के उल्लंघन को एबीसी नियमों को कमजोर या खारिज करने का आधार नहीं मानना चाहिए। पशु अधिकार विशेषज्ञ की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णन वेणुगोपाल ने अनुमान लगाया कि प्रस्तावित दृष्टिकोण पर लगभग 26,800 करोड़ रुपये का व्यय होगा जिसके लिए पूरे देश में 91,000 से अधिक आश्रय स्थलों के निर्माण की आवश्यकता होगी। उन्होंने नियमों को लागू करने के लिए समर्पित बजटीय आवंटन के अभाव की ओर इशारा किया और एक एकल नोडल एजेंसी के निर्माण, जिला स्तरीय अवसंरचना, प्रशिक्षित जनशक्ति और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियों के उपयोग का सुझाव दिया। उन्होंने एडब्ल्यूबीआई के एसओपी की भी आलोचना की, जिसमें कथित रूप से सुरक्षा मानकों को कमजोर करना शामिल है, जैसे बाड़ की ऊंचाई कम करना और अप्रशिक्षित कर्मियों को कुत्तों को पकड़ने की अनुमति देना आदि। वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता ने तर्क दिया कि कुत्तों की राष्ट्रव्यापी गणना का अभाव संरचनात्मक खामी है और कि कुत्तों की अंतिम गणना 2009 में हुई थी। उन्होंने कहा कि आश्रय क्षमता का आकलन किए बिना कुत्तों को पकड़ना एबीसी नियमों का उल्लंघन है और इससे संक्रमित जानवरों के स्वस्थ जानवरों के साथ मिलने का खतरा है। उन्होंने न्यायालय से आग्रह किया कि जब तक विश्वसनीय डेटा एवं पर्याप्त अवसंरचना तैयार नहीं हो जाता तब तक वह अपने पूर्व निर्देशों को स्थगित रखे। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि कुत्तों को हटाने से पहले जनगणना एवं चिन्हित करने की आवश्यकता है और इसे राज्यों द्वारा पूर्ण गैर-अनुपालन के रूप में वर्णित किया। उन्होंने पशु प्रेमियों एवं एनजीओ को सुनवाई से पहले पैसे जमा करने की आवश्यकता वाले पिछले निर्देश पर भी चिंता व्यक्त की और तर्क दिया कि इससे न्याय तक पहुंच में बाधा उत्पन्न होती है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा कि बिना ऐसे उपाय के, अदालत को सभी हस्तक्षेपकर्ताओं को समायोजित करने के लिए एक पंडाल की आवश्यकता होगी। विनय नवारे और नकुल दीवान सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दोहराया कि एबीसी नियमों को चुनौती नहीं दी गई है और वैधानिक संरचना के अंतर्गत पुनः रिहाई ही सामान्य प्रक्रिया बनी हुई है। उन्होंने लखनऊ और आईआईटी दिल्ली में लागू किए गए सफल मॉडलों को व्यापक स्तर पर अपनाने, स्थानीय निकायों की भूमिका को मजबूत करने और माइक्रोचिपिंग जैसे तकनीकी समाधानों को अपनाने का सुझाव दिया। पीड़ितों एवं नागरिक समूहों की ओर से पेश हुए अधिवक्ताओं ने बार-बार होने कुत्ते के काटने की घटनाओं का जिक्र किया और तर्क दिया कि आक्रामक कुत्तों को दोबारा स्वतंत्र नहीं छोड़ा जाना चाहिए और आवासीय परिसरों को संस्थागत परिसरों जैसी समान सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अनुच्छेद 21 के अंतर्गत घरों और सड़कों तक सार्वजनिक पहुंच को चारागाह क्षेत्रों के निर्माण द्वारा कम नहीं किया जा सकता है। पशु कल्याण के पक्ष में, वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान और सिद्धार्थ लूथरा ने विशेषज्ञ समिति के गठन पर बल दिया और वैधानिक व्यवस्था से परे न्यायिक निर्देशों के प्रति आगाह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि कुत्तों को लंबे समय तक नजरबंद रखना क्रूरता के समान है और इस बात पर बल दिया कि मौजूदा वैधानिक निकायों को अपना कार्य करने की अनुमति दी जानी चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय और आईआईटी दिल्ली जैसे संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों ने ऐसे आंकड़े पेश किए जिनसे पता चलता है कि निरंतर नसबंदी, टीकाकरण एवं निगरानी कार्यक्रमों ने कुत्तों को स्थानांतरित किए बिना आक्रामकता और रेबीज को बहुत हद तक कम कर दिया है। उन्होंने यह तर्क दिया कि स्थानीय प्रशासन द्वारा समर्थित संस्थाओं की पहलें, दीर्घकालिक अवसंरचना के विकास के दौरान तत्काल राहत प्रदान कर सकती हैं। सुनवाई समाप्त करते हुए, पीठ ने मामले की जटिलता एवं गंभीरता को स्वीकार किया तथा मानव सुरक्षा, पशु कल्याण एवं पारिस्थितिक पहलुओं के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इस मामले की आगे की सुनवाई शुक्रवार नौ जनवरी को होगी।

जस्टिस वर्मा महाभियोग...

ही नहीं था, इसलिए लोकसभा अध्यक्ष इस आधार पर आगे नहीं बढ़ सकते थे। एक अहम सवाल यह भी उठा कि क्या तत्कालीन राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रस्ताव को पहले ही स्वीकार कर लिया था। यदि ऐसा था, तो उनके इस्तीफ़े के बाद पदभार संभालने वाले उप-सभापति को उसे खारिज करने का अधिकार नहीं था। ऐसी स्थिति में जांच समिति का गठन संयुक्त रूप से किया जाना अनिवार्य था। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 124 न्यायाधीशों के महाभियोग के लिए एक पूर्ण संहिता है। उन्होंने दलील दी कि संविधान का अनुच्छेद 91, जो उप-सभापति को सभापति की अनुपस्थिति में कार्य करने की अनुमति देता है, उसे न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत विवेकाधीन शक्तियों पर लागू नहीं किया जा सकता। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने भी यही तर्क दोहराया और कहा कि यह मामला नए सभापति की नियुक्ति तक प्रतीक्षा कर सकता था। पीठ ने इस तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति उनके दायित्व निभा सकते हैं, तो क्या उप-सभापति राज्यसभा सभापति के कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर सकते? लोकसभा अध्यक्ष की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि धारा 3(2) का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि दो अलग-अलग जांच समितियां न बनें। यह विवाद 14 मार्च को शुरू हुआ था, जब एक अग्निशमन अभियान के दौरान न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास के एक आउटहाउस से कथित रूप से जले हुए नोटों की बड़ी मात्रा बरामद की गई। इसके बाद तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक आंतरिक जांच समिति गठित की। जांच लंबित रहने तक न्यायमूर्ति वर्मा से न्यायिक कार्य वापस ले लिया गया और उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय वापस भेज दिया गया। मई में समिति की रिपोर्ट में न्यायमूर्ति वर्मा को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। इस्तीफा देने से इनकार करने पर रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी गई, जिसके बाद संसद में महाभियोग प्रक्रिया शुरू हुई। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय पहले ही आंतरिक जांच और उन्हें हटाने की सिफारिश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर चुका है। अब देश की निगाहें उच्चतम न्यायालय के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, जो इस संवेदनशील और ऐतिहासिक मामले की दिशा तय करेगा।

लोहड़ी नववर्ष, खुशहाली और मानवता में ऊर्ज़ा के संचार का प्रतीक : राज्यपाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने हरिद्वार में पंजाबी महासभा द्वारा आयोजित 26वें लोहड़ी महोत्सव में प्रतिभाग कर प्रदेशवासियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लोहड़ी नववर्ष के आगमन, खुशहाली और मानवता में ऊर्ज़ा के संचार का प्रतीक है तथा यह पर्व आपसी भाईचारे, समरसता और बंधुत्व का संदेश देता है।

राज्यपाल ने कहा कि लोहड़ी फसल उत्पादन से संबंधित उत्सव है, जो नववर्ष के आगमन, खुशहाली और मानवता में ऊर्ज़ा के संचार का प्रतीक है। ऐसे पर्व समाज को आपसी भाईचारे, समरसता और बंधुत्व का संदेश देते हैं। ज्वालापुर इंटर कॉलेज में आयोजित पंजाबी महासभा के लोहड़ी रजत जयंती समारोह में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है, जिसमें लोहड़ी पर्व का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि पंजाबी समाज की लोक कला, संगीत और परंपराएं विश्वभर में अद्वितीय हैं। राज्यपाल ने कोविड-19 महामारी के दौरान मानव सेवा में पंजाबी समाज की भूमिका की सराहना करते हुए उपस्थित जनसमूह से ल्राष्ट्र प्रथमङ्क की भावना के साथ देश और समाज के कल्याण हेतु कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने के लिए समर्पित भाव से आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, विधायक मदन कौशिक, आदेश चौहान एवं प्रदीप बत्रा, महापौर हरिद्वार किरण जैसल, महापौर रुड़की अनीता अग्रवाल, समाजसेवी जगदीश लाल पाहवा, शिक्षाविद प्रदीप बत्रा, उत्तरांचल महासभा अध्यक्ष प्रवीण कुमार, संत जगजीत सिंह सहित जिला प्रशासन, पुलिस अधिकारी, पंजाबी महासभा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र एक दिन के लिए बढ़ाया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

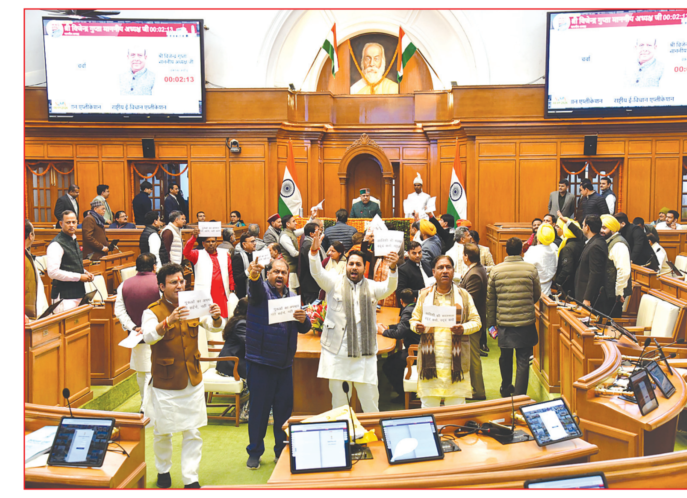

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को शीतकालीन सत्र को एक दिन के लिए बढ़ाने की घोषणा की। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही अगले दिन शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी।

विधायी कार्य मंत्री परवेश साहिब सिंह ने विधानसभा में कहा कि विपक्ष द्वारा दो दिनों से कार्यवाही बाधित किए जाने के कारण महत्वपूर्ण कामकाज लंबित है। उन्होंने उपराज्यपाल के अभिभाषण के प्रस्ताव को पारित करने और प्रदूषण पर चर्चा कराने का उल्लेख करते हुए शीतकालीन सत्र की अवधि एक दिन बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने सिख गुरुओं पर कथित टिप्पणी से संबंधित प्रकरण को विशेषाधिकार समिति को भेजकर निर्धारित समय-सीमा में जांच कराने का भी निवेदन किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने कहा, ''सदन में कथित रूप से सिख गुरुओं के प्रति की गई टिप्पणी से संबंधित मामले की गंभीरता और सदन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए, मैं यह पूरा मामला विशेषाधिकार समिति को जांच करने और रिपोर्ट देने के लिए सौंपता हूं। साथ ही, नेता प्रतिपक्ष आतिशी की इस टिप्पणी से संबंधित वीडियो रिकॉर्डिंग को भी जांच के लिए फॉरेंसिक लैब में भेजा गया है। अध्यक्ष ने इसके बाद सदन की कार्यवाही शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

10 जनवरी से 25 फरवरी तक पूरे बिहार में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान की तहत होगा आंदोलन : राजेश राम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम के दुष्प्रभावों के विरुद्ध तथा मनरेगा की वैधानिक गारंटी की रक्षा के लिए कंग्रेस पार्टी द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन 'मनरेगा बचाओ संग्राम' को सफल बनाने के उद्देश्य से आज प्रदेश कंग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम, पटना में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। बैठक में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान की रणनीति, जिला-वार जिम्मेदारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा कर उसे अंतिम रूप दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कंग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया वीबी-ग्रा-जी अधिनियम मनरेगा की मूल भावना पर सीधा हमला है। यह कानून गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण जनता के रोजगार के अधिकार को कमजोर करने वाला है। उन्होंने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि करोड़ों गरीब परिवारों की आजीविका की वैधानिक गारंटी है, जिसे किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कंग्रेस पार्टी इस मनरेगा विरोधी नीति के खिलाफ पूरे प्रदेश में जन-जन को जागरूक करेगी और सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के माध्यम से कंग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव, पंचायत-पंचायत जाकर केंद्र सरकार की नीतियों की सच्चाई जनता के सामने रखेंगे। प्रदेश कंग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मनरेगा देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए केवल एक योजना नहीं, बल्कि काम के अधिकार और सम्मानजनक आजीविका की गारंटी है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वीबी-ग्राम-जी विधेयक मनरेगा की आत्मा को कमजोर करने वाला, संघीय ढांचे पर प्रहार करने वाला और गरीब-मजदूर विरोधी कदम है। इसके दुष्परिणाम ग्रामीण रोजगार, मजदूरी भुगतान, सामाजिक सुरक्षा और पंचायती राज व्यवस्था पर पड़ेंगे। इसी के विरोध में कंग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' का व्यापक, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक अभियान 10 जनवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक चलाएगी। इस संघर्ष का उद्देश्य केंद्र सरकार को उसकी जिम्मेदारी याद दिलाना, राज्यों पर डाले जा रहे आर्थिक बोझ को उजागर करना और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल कराना है।

यूओयू की पहल- पुराने शासकीय वाहन में सजी उत्तराखण्ड की लोक-संस्कृति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपनी रचनात्मक और सांस्कृतिक सोच का परिचय देते हुए एक पुराने शासकीय वाहन को उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक-संस्कृति के रंगों और प्रतीकों से सुसज्जित किया गया। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि अनुपयोगी मानी जाने वाली वस्तुएं भी रचनात्मक दृष्टिकोण से उपयोगी और आकर्षक बनाई जा सकती हैं। इस विशेष रूप से सुसज्जित वाहन का लोकार्पण मुख्य अतिथि, नगर-निगम हल्द्वानी के महापौर गजराज सिंह बिष्ट द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह पहल समाज के लिए प्रेरणादायी है, क्योंकि यह दर्शाती है कि पुरानी वस्तुएं भी हमारे लिए कितनी महत्वपूर्ण हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों में यह संदेश जाएगा कि जो वस्तु हमें निष्प्रयोज्य लगती है, उसे भी नवाचार और सृजनात्मक सोच के माध्यम से पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। साथ ही यह प्रयास उत्तराखण्ड की लोक-संस्कृति के संरक्षण की दिशा में भी एक सराहनीय कदम है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि यह पहल स्मृति और संस्कृति–दोनों को संरक्षित करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह रचनात्मक प्रयोग इस बात का उदाहरण है कि प्रयोजनहीन समझी जाने वाली वस्तुओं को भी नवाचारी विचारों से नया और आकर्षक स्वरूप दिया जा सकता है। लोकार्पण कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव खेमराज भट्ट द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक, समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में यह जिम्मेदारी गृह विभाग को सौम्पी गई थी। विश्वविद्यालय की यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण और पुनः उपयोग की भावना को प्रोत्साहित करती है, बल्कि उत्तराखण्ड की लोक-संस्कृति को आमजन और युवाओं तक पहुँचाने का भी एक प्रभावी माध्यम बनकर सामने आई है।

दिल्ली में तीन दिवसीय 'तानसेन महोत्सव' शुक्रवार से

नई दिल्ली। भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की समृद्ध परंपरा को समर्पित स्वामी हरिदास तानसेन संगीत नृत्य महोत्सव 2026 का आयोजन यहां के बाराखंबा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल के शंकर लाल हॉल में 9-11 जनवरी तक किया जाएगा। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन प्रस्तुतियां शाम 6 बजे से शुरू होंगी। महोत्सव का आयोजन पद्म भूषण डॉ. उमा शर्मा और डॉ. विनय भारत राम के मार्गदर्शन में किया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय शास्त्रीय कला के कई दिग्गज कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। डॉ. शर्मा ने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी भले ही पाश्चात्य और पॉप संगीत की ओर आकर्षित हो, लेकिन भारतीय शास्त्रीय कला की अमूल्य विरासत को सहेजना और आगे बढ़ाना हमारी ज़िम्मेदारी है। यह महोत्सव अगली पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास है। इस वर्ष का महोत्सव भारतीय शास्त्रीय कला के दिग्गजों की अनुपम प्रस्तुतियों से सुसज्जित होगा।

अकाल तख्त में पेशी का हो लाइव टेलीकास्ट: भगवंत मान

■ अकाल तख्त साहिब के तलब आदेश पर 15 को पेश होंगे भगवंत मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के मुख्यमंत्री भगवंत मान को तलब किए जाने के घटनाक्रम में गुरुवार को नया मोड़ आ गया। पंजाब के मुख्यमंत्री अब 15 जनवरी को अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होंगे। इससे पहले आज मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया एक्स पर अकाल तख्त साहिब जत्थेदार को लिखा कि वह जब पेश हों तो इसका चैनलों पर लाइव प्रसारण किया जाए। भगवंत मान के इस बयान के बाद यह विवाद और गहरा हो सकता है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के बयानों के बाद अकाल तख्त जत्थेदार ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि गुरुओं के दशवंध के सिद्धांत से जुड़ी गुरु की गोलक के बारे में टिप्पणी आपत्तिजनक है। जत्थेदार ने बरगाड़ी और मौड़ के बेअदबी और बम धमाके के केसों में कार्रवाई न होने पर भी नाराजगी जाहिर की। इसके अलावा जत्थेदार ने एक वीडियो को लेकर भी आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री मान गुरुओं और संत जरनैल सिंह भिंडरावाले के साथ आपत्तिजनक हरकतें कर रहे हैं। इसको लेकर मान को 15 जनवरी को अकाल तख्त के सचिवालय में पेश होने को कहा है। मुख्यमंत्री मान ने आज सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कि पूरी दुनिया से मुझे संदेश आ रहे हैं कि 15 जनवरी को जब संगत की तरफ से गोलक का हिसाब-किताब लेकर जाओगे तो इसका लाइव टेलीकास्ट होना चाहिए। मान ने कहा कि मैं दुनियाभर की संगत की भावना को समझते हुए जत्थेदार को विनती करता हूं कि मेरे स्पष्टीकरण का सीधा प्रसारण किया जाए। ताकि संगत पल-पल और पैसे के हिसाबऽकिताब से जुड़ी रहे। मिलते हैं जी 15 जनवरी को, सबूतों समेत। मान के इस बयान पर एसजीपीसी सदस्य गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि जनता के बीच एतराज आया, इसलिए मुख्यमंत्री को बुलाया। इस मामले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए।

शिरोमणि अकाली दल और 'आप' के नेता कांग्रेस पार्टी में शामिल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहाली। पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बलबीर सिंह सिद्धू ने गुरुवार को मोहाली में कई प्रमुख परिवारों को कांग्रेस में शामिल कराया। इस अवसर पर टकसाली अकाली परिवार से पूर्व शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष गुरदीप सिंह ढिल्लों, लांडरां कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष करनदीप सिंह ढिल्लों, पूर्व महासचिव रणजीत सिंह मान, पूर्व महासचिव हरबंस सिंह ढोलेवाल, एडवोकेट सुरिंदर सिंह चहल, कंवर सिंह गिल, भूपिंदर शर्मा, सुजलपुरी तथा आम आदमी पार्टी से मनिंदर सिंह बिट्टू कांग्रेस में शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए श्री सिद्धू ने कहा कि पार्टी में शामिल हुए इन नेताओं से कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने मोहाली में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान किये गये विकास कार्यों को भी याद दिलाया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के समय बड़े प्रोजेक्ट शुरू किये गये थे, जैसे सेक्टर-66 में 300 बिस्तरों वाला अस्पताल। इसके टेंडर पास हो चुके थे और शिलान्यास भी किया जा चुका था, लेकिन आज तक ये परियोजनाएं पूरी नहीं हो सकी हैं।उन्होंने बताया कि मोहाली के सेक्टर-79 में बनाया गया ऑटिज़्म सेंटर आज खाली पड़ा है और खंडहर में तब्दील हो चुका है। उसी सेक्टर में बनी डिस्पेंसरी भी अधूरी और अटकी हुई है, जिसके कारण लोगों को स्वास्थ्य सेवायें नहीं मिल पा रही हैं। मौजूदा पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए श्री सिद्धू ने कहा कि यह मामला सिर्फ इमारतों या आंकड़ों का नहीं, बल्कि सिस्टम की कार्यप्रणाली का है।

मकर संक्रांति नजदीक आते ही बाजार में बिकने लगे विभिन्न प्रकार के लड्डू और लाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सारण। जैसे-जैसे कड़ाके की ठंड अपना असर दिखा रही है वैसे-वैसे बाजारों में एक खास तरह की खुशबू घुलने लगी है। यह खुशबू है गुड़ तिल और चूड़े के उन पारंपरिक व्यंजनों की है जिनके बिना सारण या पूरे बिहार में मकर संक्रांति का त्योहार अधूरा माना जाता है। गलियों से लेकर मुख्य बाजारों तक कारीगरों (हलवाई) की कड़ाही से उठती गुड़ की महक इस बात की ओर आकर्षित कर रही है कि मकर संक्रांति की तैयारियां अपने चरम पर हैं। बाजारों में इस समय सबसे ज्यादा रौनक तिलकुट के दुकान पर दिख रही है। दुकानदार अपनी दुकानों को विभिन्न प्रकार के तिलकुट, अनरसा और गुड़ की पट्टियों से सजाए हुए हैं। इस बार भी बाजारों में सफ़ेद तिल, काला तिल और बेदाम पापड़ी की जबरदस्त मांग है। चीनी वाला सफ़ेद तिलकुट जो अपनी सफ़ेदी और कुरकुरेपन के कारण बच्चों और युवाओं की पहली पसंद है। गुड़ वाला तिलकुट स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग और बुजुर्ग इसे प्राथमिकता दे रहे हैं। गुड़ का सोंधापन न केवल स्वाद बढ़ाता है, बल्कि आयुर्वेद के नजरिए से भी यह शरीर को आंतरिक गर्माहट प्रदान करता है। कारीगर राजू ने बताया कि एक अच्छा तिलकुट वही है जो हाथ से छूते ही टूट जाए और मुंह में जाते ही घुल जाए। इसके लिए घंटों तक भुने हुए तिल और चाशनी को विशेष ओखली में कूटा जाता है। यह मेहनत ही है जो तिलकुट को वह विशेष बनावट प्रदान करती है। बाजार में चूड़ा और मुढ़ी की लाई बनाने की प्रक्रिया भी जोरों पर है। कड़ाही में गुड़ की चाशनी को एक निश्चित तापमान पर पकाया जाता है। इसके बाद अनुभवी हाथ बड़ी ही सावधानी से गर्म चाशनी को भुने हुए चूड़े के साथ मिलाते हैं और तेजी से गोल-गोल लड्डू तैयार करते हैं। इस प्रक्रिया में सामूहिकता की एक सुंदर झलक मिलती है। कहीं पूरा परिवार तो कहीं कई कारीगर मिलकर एक साथ काम करते हैं, ताकि बाजार की मांग को समय पर पूरा किया जा सके। मकर संक्रांति के अवसर पर कसार का जिक्र भी अनिवार्य है। भुने हुए चावल के आटे और गुड़ से बना कसार न केवल छठ महापर्व का प्रसाद है, बल्कि बिहार की संस्कृति का अभिन्न अंग है। जो इसे सर्दियों का एक बेहतरीन स्नैक भी बनाता है। जिसे हफ्तों तक सुरक्षित रखा जा सकता है। इस साल आधुनिकता के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ते रुझान ने तीसी (अलसी) के लड्डू को फिर से लोकप्रिय बना दिया है। स्थानीय दुकानदार बताते हैं कि अलसी की तासीर गर्म होती है जो सर्दियों में जोड़ों के दर्द और सर्दी-खांसी से बचाव में रामबाण का काम करती है। मूंगफली की चिक्की या बेदाम पापड़ी के स्टॉल्स पर भी भारी भीड़ है। उबले हुए गुड़ और कुरकुरी मूंगफली का यह मेल हर उम्र के लोगों के लिए एक पसंदीदा स्नैक बना हुआ है। इसके अलावा, दान-पुण्य के लिए काले और सफ़ेद तिल की बिक्री भी तेज हो गई है, जिसका उपयोग संक्रांति पर खिचड़ी के साथ किया जाता है।

प्रसिद्ध पंजाबी गायक गुरदास मान ने पंजाब के राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़। मशहूर पंजाबी गायक गुरदास मान ने गुरुवार को पंजाब के राज्यपाल तथा चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से लोक भवन, पंजाब में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों गणमान्यों के बीच पंजाब में नशा-सेवन की बढ़ती समस्या पर गहन विचार-विमर्श हुआ, जो पंजाब के युवाओं पर गंभीर और विनाशकारी प्रभाव डाल रही है। राज्यपाल ने इस चुनौती पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए समाज के सभी वर्गों की सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि इस अभिशाप को पंजाब की धरती से जड़ से समाप्त किया जा सके। उन्होंने गायक गुरदास मान को अवगत कराया कि वह पिछले एक वर्ष से नशे के विरुद्ध निरंतर जन-जागरूकता अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। इस अभियान में शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, गैर-सरकारी संस्थाओं, खिलाड़ियों, राजनीतिक संगठनों तथा अन्य हितधारकों का सक्रिय सहयोग शामिल है। श्री कटारिया ने बताया कि जमीनी स्तर पर आमजन से सीधे संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से उन्होंने व्यापक पदयात्रायें भी की हैं। इनमें गुरदासपुर और अमृतसर जिलों को कवर करने वाली छह दिवसीय पदयात्रा तथा जालंधर जिले में की गयी दो दिवसीय पदयात्रा शामिल है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063